श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

केन्द्रीय विश्वविद्यालय

नैक द्वारा 'ए' श्रेणी प्रत्यायित

वार्षिक प्रतिवेदन

2021-22

कुलाध्यक्ष

भारत के महामहिम राष्ट्रपति

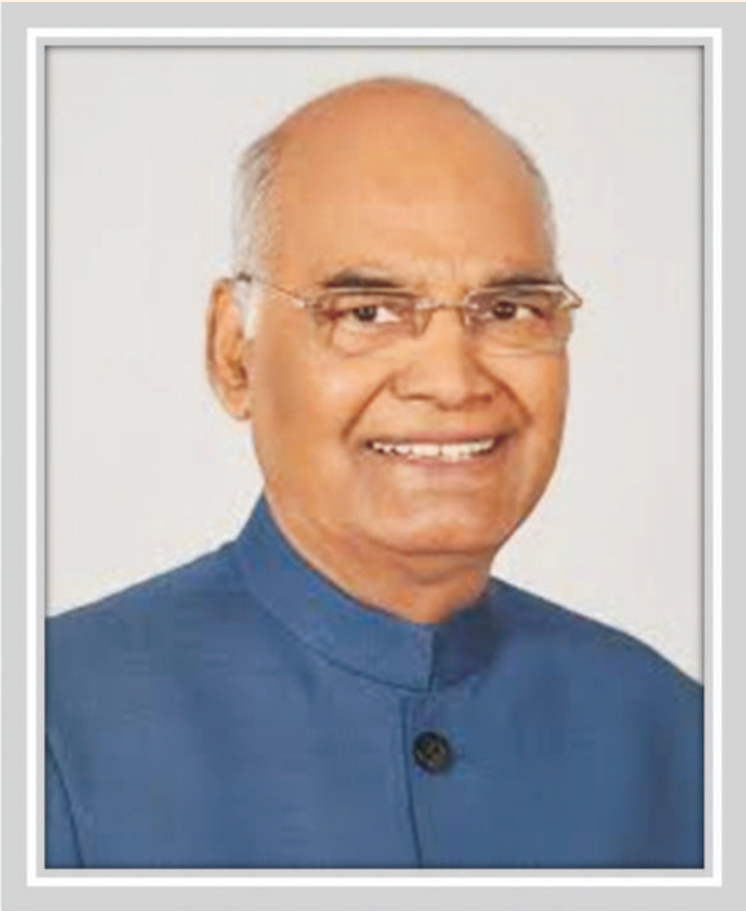

श्री राम नाथ कोविंद

कुलाधिपति

डॉ. हरि गौतम

डॉ. हरि गौतम का चिकित्सा अध्ययन और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इनके द्वारा देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में कई प्रतिष्ठित पदों को सुशोभित किया गया है जैसा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, के.आई.आई.टी. विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जयपुर के पूर्व अध्यक्ष, राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी एवं राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जालंधर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के पूर्व अध्यक्ष हैं। इन्हें देश के दस विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा (माननीय कौसा) डॉक्टर ऑफ साइंस की डिग्री से सम्मानित किया गया है। इन्होंने विभिन्न विश्वविद्यालयों के 40 से ज्यादा दीक्षांत समारोह में सभा को संबोधित किया है। वर्तमान में, यह महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जयपुर में प्रमुख परामर्शदाता और नई दिल्ली में श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के रूप में कार्यरत हैं।

कुलपति

प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय

(समयावधि : 28 अगस्त 2015 से 28 अक्टूबर 2021)

प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय प्रख्यात संस्कृत विद्वान् हैं और संस्कृत विश्वविद्यालयों, केंद्रीय विश्वविद्यालयों, राज्य विश्वविद्यालयों और संस्कृत अकादमी के विभिन्न वैधानिक निकायों के सदस्य हैं। इन्हें 28 अगस्त, 2015 को विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में नियुक्त किया गया। इनके नेतृत्व और मार्गदर्शन में, विद्यापीठ को भारत सरकार द्वारा केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के रूप में दिनांक 30, अप्रैल 2020 से परिवर्तित कर दिया गया एवं विद्यापीठ ने 'श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय', नई दिल्ली के रूप में कार्य प्रारम्भ किया। विश्वविद्यालय की संविधियों के प्रावधानों के अनुसार इनकी अध्यक्षता में कार्यकारी परिषद, अकादमिक परिषद, वित्त समिति, योजना एवं पर्यवेक्षण मण्डल की बैठकें आयोजित की गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुसार, इनके कुशल मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण में, विश्वविद्यालय ने एम.ए. हिन्दी एवं एम.ए. हिन्दू–अध्ययन पाठ्यक्रमों का शुभारम्भ किया गया है।

कुलपति

प्रो. मुरलीमनोहर पाठक

(नियुक्ति तिथि - 29 अक्टूबर 2021)

माननीय कुलाध्यक्ष (भारत के राष्ट्रपति) ने प्रो. मुरलीमनोहर पाठक को श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति के रूप में नियुक्त किया है, जो कि एक प्रसिद्ध शिक्षाविद, शैक्षिक प्रशासक और शोधकर्ता हैं। प्रो. मुरलीमनोहर पाठक ने 29 अक्टूबर, 2021 को विश्वविद्यालय में कुलपति के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। इससे पूर्व, प्रो. मुरलीमनोहर पाठक ने उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में संस्कृत और प्राकृत भाषा विभाग का नेतृत्व किया। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से दर्शनशास्त्र में स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। इनका अपने लेखनों, प्रकाशनों और विविध शोध पहलों के साथ 32 वर्षों का शिक्षण विशेषज्ञता का व्यापक अनुभव है। इस अवधि के दौरान इन्होनें 33 पीएच.डी. एवं 07 एम.फिल शोध छात्रों का निर्देशन एवं मार्गदर्शन किया है। इसके अतिरिक्त, इनके द्वारा राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं और सम्मेलनों में 75 शोध पत्र प्रकाशित किए गये हैं एवं 152 राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों और परिचर्चाओं में प्रतिभागिता की है। 2003 में, दिल्ली में प्रतिभा प्रकाशन के द्वारा इनकी "ऋग्वेदीय दर्शन और प्रमुख दर्शनिक सूक्त" (आई.एस.बी.एन. संख्या-81-7702-082-X) नामधेय रचना का प्रकाशन कार्य सम्पादित किया गया। इसके अतिरिक्त, इन्होंने नीलकमल प्रकाशन, गोरखपुर के द्वारा प्रकाशित 'राष्ट्र गौरव पर्यावरण और मानवाधिकार अध्ययन' पुस्तक (स्नातक स्तर पर मूलपाठ्यक्रम के लिए एक पुस्तक) की एक ईकाई एवं 'चतुष्टयी' नामधेय पुस्तक (बी.ए. द्वितीय वर्ष, संस्कृत पाठ्य पुस्तक) का संपादन किया। अखिल भारतीय ओरिएंटल सम्मेलन, अखिल भारतीय दर्शन संघ एवं दर्शन परिषद के आजीवन सदस्य होने के अतिरिक्त, प्रो. मुरली मनोहर पाठक विभिन्न विश्वविद्यालयों के अन्य शैक्षणिक संगठनों के भी सदस्य हैं। महर्षि पाणिनी संस्कृत और वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में, इन्होंने वेद-वेदांग और साहित्य संकाय में संकाय प्रमुख के पद को सुशोभित किया है, संस्कृत साहित्य और साहित्यशास्त्र विभाग में आचार्य एवं विभाग प्रमुख के पदों पर कार्य किया। महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन, की स्थापना के दौरान, इन्होंने कुलसचिव, वित्त अधिकारी और प्रभारी कुलपति सहित कई पदों पर कार्य करते हुए शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों का भी संचालन किया है।

कुलसचिव (प्रभारी) एवं वित्ताधिकारी

डॉ. अलका राय

डॉ. अलका राय 12 दिसंबर, 2017 को श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में वित्त अधिकारी के रूप में नियुक्त हुई। इन्होंने 1 जनवरी, 2018 को कुलसचिव का अतिरिक्त कार्यभार संभाला। इन्होनें इलाहाबाद विश्वविद्यालय से जीवविज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की है। इन्हें विभिन्न क्षेत्रों में 25 वर्षों का प्रशासनिक और प्रबंधकीय अनुभव है। शैक्षिक क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने के पक्ष में इनका मजबूत झुकाव है।

पीठों के पीठाध्यक्ष

वेद वेदांग पीठ

पीठाध्यक्ष - प्रो. जयकान्त सिंह शर्मा

दर्शनशास्त्र पीठ

पीठाध्यक्ष - प्रो. केदार प्रसाद परोहा

साहित्य और संस्कृति पीठ

पीठाध्यक्ष प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ला

आधुनिक विषय पीठ

पीठाध्यक्ष - प्रो. सविता

शिक्षाशास्त्र पीठ

पीठाध्यक्ष - प्रो. सदन सिंह

विषयानुक्रमणिका

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	परिचय	117
2.	विश्वविद्यालय के दृष्टि, लक्ष्य एवं उद्देश्य	119
3.	संगठन सारिणी	120
4.	प्राधिकरण, मण्डल एवं समितियाँ	121-133
5.	शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारी वर्ग का विवरण	134-141
6.	विश्वविद्यालय द्वारा संचालित अध्ययन पाठ्यक्रम	142-143
7.	राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का क्रियान्वयन	144
8.	अनुदान सहयोग, समझौता ज्ञापन/ सहभागिता में विद्यमानिता, योजनाएं, परियोजनाएं	145
	छात्र विवरण	
9.	कार्यक्रम अनुसार स्वीकृत एवं पंजीकृत छात्रों का विवरण	146
10.	राज्य अनुसार नियमित और अंशकालिक पाठ्यकार्यक्रमों में नामांकित छात्रों का विवरण	147
11.	श्रेणी अनुसार नियमित कार्यक्रमों के छात्रों का विवरण	148
12.	श्रेणी अनुसार स्ववित्तपोषित अंशकालीन पाठ्यक्रमों के छात्रों का विवरण	149
13.	कार्यक्रम अनुसार छात्रों के परिणामों का विवरण	150
14.	छात्रवृत्ति, जे.आर.एफ. एवं राष्ट्रीय अध्येतावृति सम्मानित छात्र	151
	विश्वविद्यालय के पीठ	
15.	वेद वेदांग पीठ	153-159
16.	दर्शनशास्त्र पीठ	160-164
17.	साहित्य एवं संस्कृति पीठ	165-167
18.	आधुनिक विषय पीठ	168-170
19.	शिक्षाशास्त्र पीठ	171-173

विश्वविद्यालय के केंद्र

20.	केंद्रीय पुस्तकालय	175-178
21.	शिक्षण अधिगम केन्द्र	179-181
22.	महिला अध्ययन केन्द्र	181
23.	संगणक केन्द्र	182-184
24.	स्वास्थ्य केन्द्र	185

विश्वविद्यालय के प्रकोष्ठ एवं इकाइयाँ

25.	आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ	187
26.	स्थानन एवं परामर्श प्रकोष्ठ	187
27.	आजीविका परामर्श प्रकोष्ठ	187
28.	समान अवसर प्रकोष्ठ	188
29.	प्रवेश परीक्षा प्रकोष्ठ	188
30.	प्रकाशन प्रकोष्ठ	189
31.	अनुसूचित जाति एवं जनजाति प्रकोष्ठ	190-193
32.	राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC)	194-195
33.	राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)	196-198
34.	केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ)/केंद्रीय सहायक लोक सूचना अधिकारी (सीएपीआईओ) (आरटीआई अधिनियम, 2005 के अंतर्गत) का विवरण	199-202

विश्वविद्यालय के अनुभाग एवं विभाग

35.	लेखा	204
36.	शैक्षणिक	205
37.	प्रशासन (I, II & III)	205-207
38.	विकास	207
39.	परीक्षा	208
40.	विश्वविद्यालय निर्माण विभाग	209-210

विश्वविद्यालय की संरचना एवं सुविधाएं

41.	देवसदनम्	211
42.	वेधशाला	211

43.	यज्ञशाला	212
44.	जलपान गृह	212
45.	विश्वविद्यालय में दिव्यांगजन सुविधा	213
46.	अतिथि गृह	214
47.	व्यायामशाला	214
48.	छात्रावास	214
49.	वर्षा जल संचयन प्रणाली	215
50.	सौर ऊर्जा संयंत्र	215
51.	मनोरंजन कक्ष	216
52.	आवासीय भवन	216
53.	मलजल शोधन संयंत्र	217
54.	आभासीय कक्षा/स्टूडियो	217
	विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षणिक एवं सरकार द्वारा निर्देशित गतिविधियाँ	
55.	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	218
56.	स्वतंत्रता दिवस	218
57.	संस्कृत सप्ताह कार्यक्रम	219
58.	हिन्दी सप्ताह	219
59.	श्री लाल बहादुर शास्त्री और श्री महात्मा गांधी की जयंती समारोह	220
60.	सतर्कता जागरूकता सप्ताह	221
61.	साइबर जागरूकता दिवस	221
62.	राष्ट्रीय शिक्षा दिवस	222
63.	साम्प्रदायिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता दिवस	222
64.	संविधान दिवस	223
65.	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती समारोह	223
66.	गणतंत्र दिवस	223
67.	सरस्वती पूजन महोत्सव	224
68.	मातृभाषा दिवस समारोह	224

परिचय

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय), पूर्व में श्री लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली की स्थापना शास्त्रों के पारम्परिक ज्ञान को, शास्त्रों की व्याख्या, आधुनिक शास्त्रीय विद्या में अध्यापकों का उचित प्रशिक्षण और आधुनिक परिप्रेक्ष्य में शास्त्रों को बढ़ावा देने के लिए की है। श्री लाल बहादुर शास्त्री जी अखिल भारतीय संस्कृत विद्यापीठ सोसाइटी के संस्थापक थे। वे इस संस्था के प्रेरणा स्रोत हैं। उस समय की तत्कालीन प्रधानमन्त्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने 2 अक्तूबर 1966 को यह घोषणा की थी कि इस विद्यापीठ को श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के नाम से पुकारा जाए। इसके लिए एक अलग से सोसायटी की स्थापना की गई और भारत सरकार ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा इसको संस्था का प्रायोजित सोसायटी के रूप में दर्ज किया ।

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के माननीय मन्त्री, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ समाज के शासी निकाय अध्यक्ष होते हैं। इस विद्यापीठ को 1987 में एक विश्वविद्यालय के रूप में माना गया, और यह 1 नवम्बर 1991 को पूरी तरह कार्यरत हुई और इसको विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुदान के साथ, अनुदान आयोग के नियमों तथा कानूनों के अनुसार शासित किया गया। भारत के पूर्व प्रधानमन्त्री श्री लालबहादुर शास्त्री जी का दृष्टिकोण था कि इस संस्था को ऐसी केन्द्रीय संस्थान बनाया जाए, जहाँ न केवल भारत से अपितु चारों ओर के संसार से विद्वान आये और यहाँ संस्कृत का अध्ययन एवं अध्यापन करें, संस्कृत में शोध कार्य करें, ताकि यह विद्यापीठ भारत की राजधानी में एक आदर्श संस्था बनकर उभरे। जैसे कि भारत सरकार यथा अन्य भाषाओं में भी देश में विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई है तथावत देश में संस्कृत के अध्येतारों की मांगों को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर संस्कृत के विद्वानों को एक मंच प्रदान करने के लिए, यह अनुभव किया गया कि यहाँ एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना की जानी चाहिए।

श्री लाल बहादुर शास्त्री के सपनों को पूरा करने के लिए तथा राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर संस्कृतज्ञों की इच्छाओं को पूरा करने के लिए किये गये प्रयत्न के लिए कार्यकारी के सभी सदस्यों ने कुलपति प्रो० रमेशकुमार पाण्डेय को बधाई दी, और उनके द्वारा विहित उपायों की प्रशंसा की। भारत के महामहिम राष्ट्रपति, माननीय श्री राम नाथ कोविंद जी, माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को एवं मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक जी को इस कार्य में अपना समर्थन देते हुए विद्यापीठ के पूरे समुदाय की ओर से अधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय) को श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित करने के लिए भारत सरकार के निर्णय का स्वागत किया गया। फलस्वरूप, विद्यापीठ को एक केंद्रीय विश्वविद्यालय में बदलने के प्रस्ताव की समीक्षा की गई और तीन दशकों के बाद भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया, और शिक्षा मंत्रालय द्वारा इस संबंध में एक अधिसूचना प्रकाशित की गई। जैसा कि 17 अप्रैल, 2020 को आधिकारिक

राजपत्र में प्रकाशित किया गया था, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम, 2020 के प्रावधान 30 अप्रैल, 2020 से प्रभावी होगा। इसे 1962 की एक संस्था की विरासत का विशेषाधिकार प्राप्त है।

वेद-वेदांग संकाय, दर्शन संकाय, साहित्य एवं संस्कृति संकाय, शिक्षा संकाय और आधुनिक विद्या संकाय विश्वविद्यालय में यह पांच पीठ है प्रारम्भिक तीन संकाय विविध शास्त्रीय विषयों में शास्त्री (सम्मानित) तीन वर्षीय पाठ्यक्रम और विविध पारंपरिक शास्त्रीय विषयों में आचार्य दो वर्षीय पाठ्यक्रम की उपाधि प्रदान करने की दृष्टि से शास्त्रीय ज्ञान और शिक्षण अध्ययन हेतु स्थापित हैं। शिक्षा संकाय शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) नामक दो वर्षीय शिक्षक-प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र में उन्नत अध्ययन के लिए दो वर्षीय पाठ्यक्रम शिक्षाचार्य (एम.एड.), के अध्यापन के उद्देश्य से स्थापित है। कथित संकायों में शास्त्रीय विद्या की विभिन्न शाखाओं में अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से विषय विशेषज्ञतानुसार शोध छात्र प्रवेश पा सकते हैं।

विश्वविद्यालय में प्रकाशन के लिए एक स्वतंत्र विभाग है, जो देश के प्रतिष्ठित विद्वानों द्वारा लिखित ऐतिहासिक प्रकाशनों का संग्रह, संरक्षण और प्रकाशन करता है। शोध क्षेत्र में विशिष्टता रखने वाली त्रैमासिक पत्रिका 'शोध-प्रभा' का विभाग द्वारा द्वारा प्रकाशन किया जाता है।

विश्वविद्यालय द्वारा वास्तुशास्त्र, ज्योतिष, कर्मकांड, दर्शन, संस्कृत पत्रकारिता, योग और संगणक अनुप्रयोग में व्यावसायिक प्रमाणपत्रीय और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया है। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय यथासमय विभिन्न प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है।

3 दिसम्बर, 1993 को राष्ट्रपति भवन में विश्वविद्यालय द्वारा एक विशेष दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया जिसमें भारत के तत्कालीन माननीय राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा को विद्यापीठ की मानद उपाधि प्रदान की गई। विद्यापीठ का प्रथम दीक्षांत समारोह 15 फरवरी, 1994 को विद्यापीठ परिसर में सम्पन्न हुआ, इस अवसर पर भारत के माननीय राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा ने प्रथम दीक्षांत भाषण दिया।

मानित विश्वविद्यालय के रूप में अधिसूचना के उपरान्त विद्यापीठ का 17वां दीक्षांत समारोह 21 अप्रैल, 2018 को सम्पन्न हुआ, जिसमें भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद मुख्य अतिथि थे। माननीय राष्ट्रपति ने विद्वानों को संबोधित किया और प्रख्यात संस्कृत विद्वानों को उपाधि/डिप्लोमा सहित विभिन्न शैक्षणिक पुरस्कार प्रदान किए।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) ने 25 जून 2015 से 24 जून 2020 की अवधि के लिए विश्वविद्यालय को 'ए' ग्रेड दिया है। COVID-19 महामारी के दौरान, विश्वविद्यालय द्वारा IIQA को 19 अगस्त, 2020 को NAAC की तीसरे चक्र की मान्यता के लिए अनुमोदित किया गया है। इसके अलावा विश्वविद्यालय भारतीय विश्वविद्यालयों के संघ का भी सदस्य है। भारतीय विश्वविद्यालयों का संघ देश में सभी विश्वविद्यालय स्तर के संस्थानों का एक शीर्ष निकाय है जो डिग्री/डिप्लोमा की मान्यता में सहायता करता है, विश्वविद्यालय सांस्कृतिक और खेल कार्यक्रमों का आयोजन करता है। विश्वविद्यालय भारतीय विश्वविद्यालयों के संघ द्वारा संचालित सभी गतिविधियों में भाग लेता है।

विश्वविद्यालय की दृष्टि

आधुनिक परिप्रेक्ष्य में प्रचलित समस्याओं के सन्दर्भ में शास्त्रीय प्रासंगिकता की स्थापना करके शास्त्रपरम्परा और शास्त्रव्याख्याओं को संरक्षित करना।

विश्वविद्यालय के लक्ष्य

- संस्कृतवांग्मय की अतिविशिष्ट शाखाओं को ध्यानकेन्द्रित करते हुये पारम्परिक संस्कृत शिक्षा प्रदान करना एवं संस्कृत वांग्मय में उच्च अध्ययन के अतिरिक्त, विश्वविद्यालय संस्कृत साहित्य पर प्रभाव डालने वाली एशिया की अन्य भाषाओं और साहित्य में उच्च स्तरीय शोध के लिए भी प्रतिबद्ध है।
- शास्त्रीय संस्कृत एवं समकालीन संस्कृत साहित्य का अध्ययन करना।
- संस्कृत ज्ञान परम्परा को बढ़ाना।
- वेद-वेदांग की पारम्परिक व्याख्या और समकालीन विचार परिवर्तन के संदर्भ में शास्त्रों की व्याख्या करना।
- संस्कृत सहायक अवयवों में उच्च अध्ययन के लिए विद्वानों को अवसर प्रदान करना जैसे-ज्योतिष और वास्तुशास्त्र और इसके विश्लेषणपूर्वक संरक्षण हेतु कतिपय पाण्डुलिपियों की पहचान करना।

विश्वविद्यालय के उद्देश्य

विश्वविद्यालय की स्थापना संस्कृत भाषा बढावा देने के लिए शिक्षण, अनुसन्धान एवं विस्तृत सुविधाएँ प्रदान करके ज्ञान के प्रसार को उन्नत करने, अधिगम की अन्य शाखाओं जैसे अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में मानविकी, समाजिक विज्ञान में एकीकृत पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रवधान हेतु, शिक्षण-अधिगम प्रकिया में नवीन पद्धति को बढावा देने के लिए अंत विषय अध्ययन और अनुसन्धान के लिए उपयुक्त कार्यवाही हेतु तथा संस्कृत एवं संस्कृत परम्परागत विषयों के क्षेत्र में समग्र विकास, संवर्धन, संरक्षण व अनुसन्धान के लिए मानव शक्ति को शिक्षित तथा प्रशिक्षित करने के लिए की गई है।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने के लिए विश्वविद्यालय के निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

(i) शास्त्रीय परंपराओं को संरक्षित करना।

(ii) शास्त्रों की व्याख्या करना।

(iii) आधुनिक परिप्रेक्ष्य में व्याप्त समस्याओं के समाधान के लिए संस्कृत शास्त्रों का औचित्य स्थापित करना।

(iv) शिक्षकों के लिए आधुनिक के साथ-साथ शास्त्रीय ज्ञान में गहन अध्ययन के साधन उपलब्ध कराना।

(v) सम्बन्धित विषयों में उत्कृष्टता प्राप्त करना।

उपरोक्त उद्देश्यों के अनुसरण में, विश्वविद्यालय ने यह निर्णय लिए हैं:

1. संस्कृत के अध्यापकों के प्रशिक्षणार्थ साधनों का सुलभीकरण और संस्कृत शिक्षा से सम्बद्ध प्रासंगिक पक्षों पर शोध।
2. संस्कृत अध्यापन से सम्बन्धित एशिया की विभिन्न भाषाओं एवं साहित्य के गहन अध्ययन एवं गवेषणार्थ सुविधाओं का सुलभीकरण, जिनमें पाली, इरानी, तिब्बती, मंगोली, चीनी, जापानी आदि भाषाएं एवं साहित्य प्रमुख हैं।
3. अध्ययन अध्यापन हेतु विभिन्न विषयों के लिए पाठ्यक्रम का निर्धारण, भारतीय संस्कृति और मूल्यों पर विशेष ध्यान रखना तथा संस्कृत और संबद्ध विषयों में परीक्षाओं का संचालन।
4. संस्कृत के मौलिक ग्रन्थों, टीकाओं का अनुवाद उनसे सम्बद्ध साहित्य का प्रकाशन, प्रकाशित एवं अप्रकाशित सामग्री का संवर्धन।
5. शोध पत्रिका एवं शोधोपयोगी अनुसन्धान प्रपत्रों, विषय सूची और ग्रन्थ सूची आदि का प्रकाशन।
6. पाण्डुलिपियों का संकलन, संरक्षण एवं प्रकाशन, राष्ट्रिय संस्कृत पुस्तकालय और संग्रहालय का निर्माण। संस्कृत पाण्डुलिपियों में प्रयुक्त लिपियों के प्रशिक्षण का प्रबन्धन।
7. संस्कृत में आधुनिक तकनीकी साहित्य के साथ मौलिक संस्कृत ग्रन्थों के सार्थक निर्वचनों की दृष्टि से आधुनिक विषयों में शिक्षणार्थ साधनों की प्रस्तुति।
8. पारस्परिक ज्ञानवर्धन के लिये आधुनिक एवं परम्परागत विद्वानों के मध्य अन्त: क्रिया का संवर्धन।
9. शास्त्र परिषदों, संगोष्ठियों, सम्मेलनों और कार्यशालाओं का आयोजन।
10. अन्य शिक्षण संस्थानों की उपाधियों, प्रमाण-पत्रीय पाठ्यक्रमों (सर्टिफिकेट) को विश्वविद्यालय की उपाधियों के समकक्ष मान्यता।
11. विभागों एवं संकायों की स्थापना और विद्यापीठ के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक मण्डलों एवं समितियों का गठन।
12. स्वीकृत नियमों के अन्तर्गत छात्रवृत्तियों, अध्येतावृत्तियों, पुरस्कारों व पदकों का संस्थापन एवं वितरण।
13. विश्वविद्यालय के उद्देश्यों से पूरी तरह या अंशत: समान उद्देश्य वाले संगठनों, समितियों या संस्थानों का सहयोग एवं उनकी सदस्यता तथा उनसे सहभागिता।
14. विश्वविद्यालय के किसी एक या समस्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए प्रासंगिक, आवश्यक या सहायक कार्य-कलापों का सम्पादन।

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की संगठन सारणी

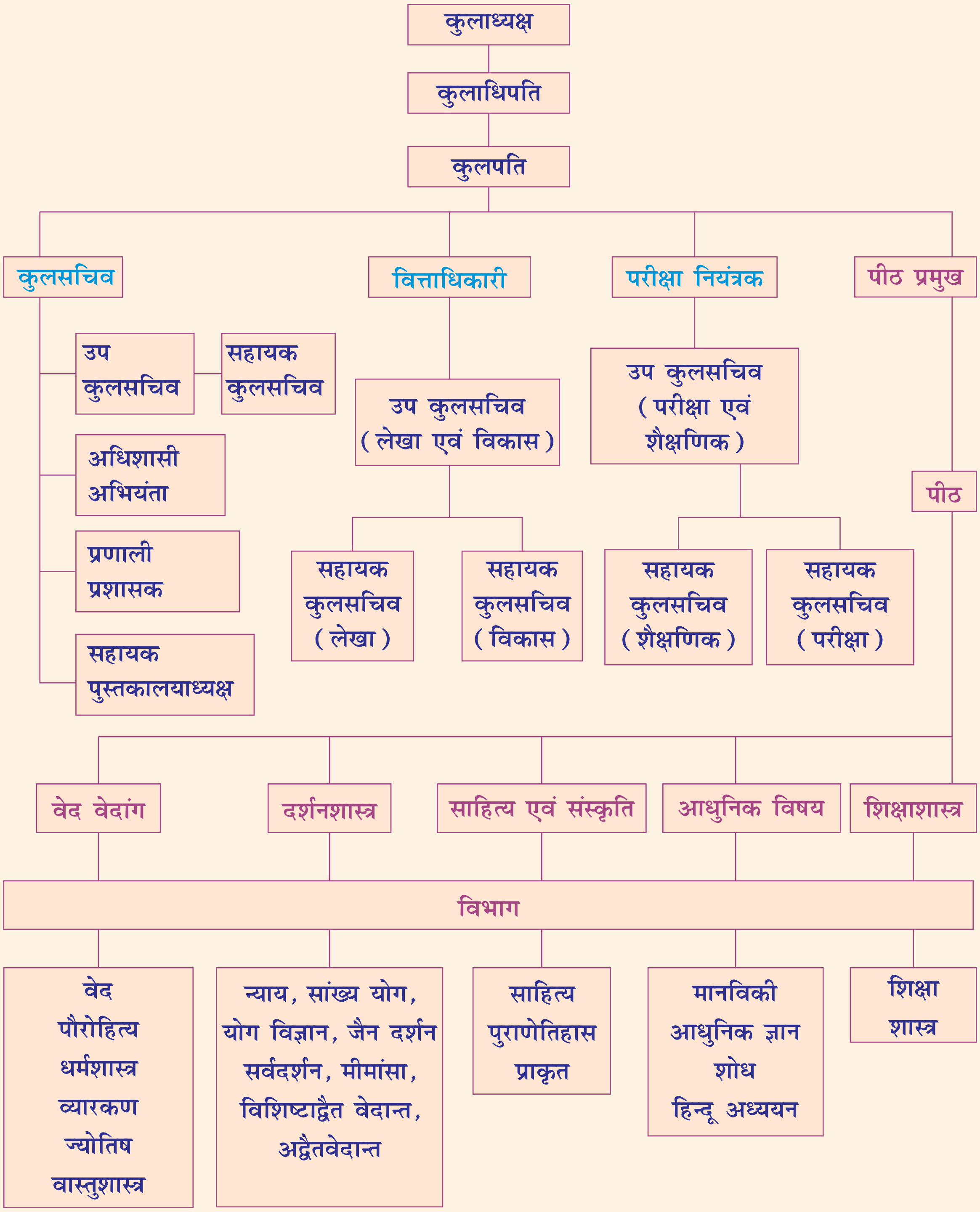

प्राधिकरण

1. कोर्ट
2. कार्यकारी परिषद
3. शैक्षणिक परिषद
4. अध्ययन मण्डल
5. वित्त समिति
6. योजना और पर्यवेक्षण मण्डल

मण्डल

1. अनुसंधान मण्डल
2. परीक्षा मण्डल
3. 'शोध-प्रभा' संपादकीय मण्डल
4. कुलानुशासक मण्डल

समितियाँ

1. विभागीय अनुसंधान समीक्षा समिति
2. शैक्षणिक दिनदर्शिका समिति
3. भवन समिति
4. प्रवेश समिति
5. छात्रावास समिति
6. छात्रवृत्ति समिति
7. शोध एवं प्रकाशन समिति
8. पुस्तकालय समिति
9. परिचय नियमावली समिति
10. हिंदी राजभाषा समिति
11. रोस्टर समिति
12. शिकायत समिति
13. अनुशासन समिति
14. शोधोपाधि समिति
15. आई.क्यू.ए.सी. समिति (सी.ए.एस.)

प्राधिकरण

1. कोर्ट

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम, 2020 के प्रासंगिक खण्ड-के 20 एवं 45 के अंतर्गत निर्धारित प्रावधान के अनुपालन अनुसार कोर्ट का गठन और उसके सदस्यों की पदावधि परिनियमों द्वारा निर्धारित की जाएगी। पहले कोर्ट में इकतीस से अधिक सदस्य नहीं होगें जो केन्द्र सरकार द्वारा नामित किए जाएगें और तीन साल की अवधि के लिए पद धारण करेंगे। परिणामस्वरूप, विश्वविद्यालय ने प्रथम न्यायालय का गठन करने की पहल की है और यह मामला शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के विचाराधीन है।

2. कार्यकारी परिषद

कार्यकारी परिषद विश्वविद्यालय का प्रमुख कार्यकारी निकाय है। कार्यकारी परिषद का गठन, उसके सदस्यों की पदावधि, उसकी शक्तियाँ और कार्य संविधियों के अनुसार निर्धारित किया जाता है। कार्यकारी परिषद के सदस्यों का विवरण निम्न प्रकार से है:-

1.	प्रो. मुरलीमनोहर पाठक, कुलपति	अध्यक्ष
2.	प्रो. पंकज लक्ष्मण जानी, पूर्व कुलपति, एम.पी.एस.वि.वि., उज्जैन	सदस्य
3.	श्रीमती नीता प्रसाद, संयुक्त सचिव (भाषाएं)	पदेन सदस्य
4.	प्रो. सविता, आधुनिक विषय पीठप्रमुख	सदस्य
5.	प्रो. केदार प्रसाद परोहा, दर्शनशास्त्र पीठप्रमुख	सदस्य
6.	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय, आचार्य, शोध विभाग	सदस्य
7.	डॉ. फणींद्र कुमार चौधरी, सहाचार्य, ज्योतिष	सदस्य
8.	डॉ. (श्रीमती) अलका राय, कुलसचिव (प्रभारी)	सदस्य सचिव

अवधि के दौरान कार्यकारी परिषद की दो बैठकें आयोजित की गईं, जिसका विवरण निम्न प्रकार से है:-

1. कार्यकारी परिषद की चौथी बैठक - 27.04.2021
2. कार्यकारी परिषद की पांचवी बैठक - 21.01.2022

Weblink: - Minutes of Committee Meetings | Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University (slbsrsv.ac.in)

3. शैक्षणिक परिषद

शैक्षणिक परिषद विश्वविद्यालय का प्रमुख शैक्षणिक निकाय है और जो अधिनियम, विधियों और अध्यादेशों के प्रावधानों के अधीन, विश्वविद्यालय की शैक्षणिक नीतियों का पर्यवेक्षण करता है। शैक्षणिक परिषद के सदस्यों का विवरण निम्न प्रकार से है:-

1.	प्रो. मुरली मनोहर पाठक	अध्यक्ष
2.	प्रो. मृदुला त्रिपाठी	बाह्य सदस्य
3.	प्रो. बनारसी त्रिपाठी	बाह्य सदस्य
4.	प्रो. मनोज कुमार मिश्रा	बाह्य सदस्य
5.	प्रो. जयकांत सिंह शर्मा	सदस्य
6.	प्रो. केदार प्रसाद परोहा	सदस्य
7.	प्रो. सविता	सदस्य
8.	प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ल	सदस्य
9.	प्रो. सदन सिंह	सदस्य
10.	प्रो. रामानुज उपाध्याय	सदस्य
11.	प्रो. रामराज उपाध्याय	सदस्य
12.	प्रो. सुजाता त्रिपाठी	सदस्य
13.	प्रो. सुधांशु भूषण पण्डा	सदस्य
14.	प्रो. नीलम ठगेला	सदस्य
15.	प्रो. अशोक थपलियाल	सदस्य
16.	प्रो. धर्मानन्द राउत	सदस्य
17.	प्रो. कल्पना जैन	सदस्य
18.	प्रो. महानंद झा	सदस्य
19.	प्रो. कुलदीप कुमार	सदस्य
20.	प्रो. मार्कण्डेय नाथ तिवारी	सदस्य
21.	प्रो. प्रभाकर प्रसाद	सदस्य
22.	प्रो. ए.एस. अरावमुदन	सदस्य
23.	डॉ. एस. सुदर्शन	सदस्य
24.	प्रो. के. अनंत	सदस्य
25.	प्रो. शिव शंकर मिश्र	सदस्य
26.	प्रो. महेश प्रसाद सिलोड़ी	सदस्य

27.	प्रो. मीनू कश्यप	सदस्य
28.	डॉ. आदेश कुमार	सदस्य
29.	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय	सदस्य
30.	प्रो. पी.के. दीक्षित	सदस्य
31.	डॉ. फणीन्द्र चौधरी	सदस्य
32.	डॉ. मनोज कुमार मीणा	सदस्य
33.	प्रो. प्रेम कुमार शर्मा	सदस्य
34.	प्रो. सुदीप कुमार जैन	सदस्य
35.	प्रो. वीर सागर जैन	सदस्य
36.	प्रो. आर.पी. पाठक	सदस्य
37.	प्रो. जगदेव कुमार शर्मा	सदस्य
38.	डॉ. अलका राय	सदस्य सचिव

अवधि के दौरान शैक्षणिक परिषद की तीन बैठकें आयोजित की गईं, जिसका विवरण निम्न प्रकार से है :-

1. शैक्षणिक परिषद की तीसरी बैठक - 20.04.2021
2. शैक्षणिक परिषद की चौथी बैठक - 04.10.2021
3. शैक्षणिक परिषद की पांचवी बैठक - 18.01.2022

Weblink: - Minutes of Committee Meetings | Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University (slbsrsv.ac.in)

4. अध्ययन मण्डल

अध्ययन मण्डल का गठन, शक्तियां और कार्य, संविधियों के अनुसार निर्धारित हैं। विभिन्न पीठों के अनुसार अध्ययन मण्डल का विवरण विभागानुसार निम्न प्रकार से है-

वेद-वेदांग पीठ	
वेद विभाग	
प्रो. रामानुज उपाध्याय	अध्यक्ष
प्रो. श्रीकिशोर मिश्र	बाह्य सदस्य
प्रो. वेद प्रकाश उपाध्याय	बाह्य सदस्य
डॉ. देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा	सदस्य
डॉ. सुन्दर नारायण झा	सदस्य
डॉ. रामराज उपाध्याय	सदस्य

पौरोहित्य विभाग	
प्रो. बृन्दावनदास	अध्यक्ष
प्रो. श्रीकिसर मिश्र	बाह्य सदस्य
प्रो. वेदप्रकाश उपाध्याय	बाह्य सदस्य
प्रो. रामराज उपाध्याय	सदस्य
धर्मशास्त्र विभाग	
प्रो. सुधांशुभूषण पण्डा	अध्यक्ष
प्रो. वेदप्रकाश उपाध्याय	बाह्य सदस्य
प्रो. श्रीपति त्रिपाठी	बाह्य सदस्य
डॉ. मीनाक्षी मिश्र	सदस्य
व्याकरण विभाग	
प्रो. सुजाता त्रिपाठी	अध्यक्षा
प्रो. अशोक तिवारी	बाह्यसदस्य
प्रो. आर. सी. पण्डा	बाह्यसदस्य
प्रो. जयकान्त सिंह शर्मा	सदस्य
प्रो. राम सलाही द्विवेदी	सदस्य
डॉ. दयाल सिंह	सदस्य
डॉ. नरेश कुमार बैरवा	सदस्य
ज्योतिष विभाग	
प्रो. नीलम ठगेला	अध्यक्षा
प्रो. वासुदेव शर्मा	बाह्य सदस्य
प्रो. रामचंद्र झा	बाह्य सदस्य
प्रो. प्रेम कुमार शर्मा	सदस्य
प्रो बिहारी लाल शर्मा	सदस्य
प्रो. विनोद कुमार शर्मा	सदस्य
प्रो. दिवाकर दत्त शर्मा	सदस्य
प्रो. परमानंद भारद्वाज	सदस्य
डॉ. सुशील कुमार	सदस्य
डॉ. फणींद्र कुमार चौधरी	सदस्य

वास्तुशास्त्र विभाग	
डॉ. अशोक थपलियाल	अध्यक्ष
प्रो. शिवकांत झा	बाह्य सदस्य
प्रो. उमाशंकर शुक्ला	बाह्य सदस्य
डॉ प्रवेश व्यास	सदस्य
डॉ. देशबंधु	सदस्य
दर्शनशास्त्र पीठ	
न्याय विभाग	
प्रो. महानंद झा	अध्यक्ष
प्रो. राजा राम शुक्ला	बाह्य सदस्य
प्रो. रमेश भारद्वाज	बाह्य सदस्य
प्रो. पीयूषकांत दीक्षित	सदस्य
प्रो. विष्णुपद महापात्र	सदस्य
डॉ. राम चंद्र शर्मा	सदस्य
सांख्य योग विभाग	
प्रो. मार्कण्डेय नाथ तिवारी	अध्यक्ष
प्रो. राजा राम शुक्ला	बाह्य सदस्य
प्रो. रमेश भारद्वाज	बाह्य सदस्य
प्रो. महेश प्रसाद सिलोडी	सदस्य
डॉ. विजय गुसाईं	सदस्य
डॉ. रमेश यादव	सदस्य
योग विज्ञान विभाग	
प्रो. महेश प्रसाद सिलोड़ी	अध्यक्ष
डॉ. अर्पित दूबे	बाह्य सदस्य
डॉ. विजय गुसाईं	सदस्य
डॉ. रमेश यादव	सदस्य
जैन दर्शन विभाग	
प्रो. कुलदीप कुमार	अध्यक्ष
प्रो. राजा राम शुक्ला	बाह्य सदस्य

	प्रो. रमेश भारद्वाज	बाह्य सदस्य
	प्रो. वीर सागर जैन	सदस्य
	प्रो. अनेकांत कुमार जैन	सदस्य
सर्वदर्शन विभाग		
	प्रो. प्रभाकर प्रसाद	अध्यक्ष
	प्रो. राजा राम शुक्ल	बाह्य सदस्य
	प्रो. रमेश भारद्वाज	बाह्य सदस्य
	प्रो. संगीता खन्ना	सदस्य
	प्रो. जवाहर लाल	सदस्य
मीमांसा विभाग		
	प्रो. ए.एस. अरावमुदन	अध्यक्ष
	प्रो. राजाराम शुक्ल	बाह्य सदस्य
	प्रो. रमेश भारद्वाज	बाह्य सदस्य
वेदान्त विभाग		
	प्रो. केदार प्रसाद परोहा	अध्यक्ष
	प्रो. सुब्रमण्य शर्मा	बाह्य सदस्य
	प्रो. राम किशोर त्रिपाठी	बाह्य सदस्य
	प्रो. मदन मोहन अग्रवाल	बाह्य सदस्य
	प्रो. के. अनंत	सदस्य
साहित्य एवं संस्कृति पीठ		
साहित्य विभाग		
	प्रो. धर्मानंद राउत	अध्यक्ष
	प्रो. गंगाधर पण्डा	बाह्य सदस्य
	प्रो. सत्यप्रकाश शर्मा	बाह्य सदस्य
	प्रो. भागीरथी नंद	सदस्य
	प्रो. शुकदेव भोई	सदस्य
	प्रो. सुमन कुमार झा	सदस्य
	डॉ. अरविंद कुमार	सदस्य
	डॉ. बेजवाड़ा कामाक्षम्मा	सदस्य
	डॉ. सौरभ दूबे	सदस्य

पुराणेतिहास विभाग	
प्रो. शीतलाप्रसाद शुक्ल	अध्यक्ष
प्रो. गंगाधर पण्डा	बाह्य सदस्य
प्रो. सत्यप्रकाश शर्मा	बाह्य सदस्य
प्राकृत विभाग	
प्रो. कल्पना जैन	अध्यक्ष
प्रो. जिनेन्द्र कुमार	बाह्य सदस्य
प्रो. सुदीप कुमार जैन	सदस्य
आधुनिक विषय पीठ	
मानविकी , आधुनिक ज्ञान एवं शोध विभाग	
प्रो. सविता	अध्यक्ष
प्रो. पी.सी. टण्डन	बाह्य सदस्य
प्रो. डी.पी. विद्यार्थी	बाह्य सदस्य
प्रो. मञ्जीत चतुर्वेदी	बाह्य सदस्य
प्रो. राजवीर शर्मा	बाह्य सदस्य
प्रो. रमाकान्त पाण्डेय	बाह्य सदस्य
प्रो. के.जी. श्रीवास्तव	बाह्य सदस्य
प्रो. मीनू कश्यप	सदस्य
प्रो. शिवशंकर मिश्र	सदस्य
डॉ. आदेश कुमार	सदस्य
डॉ. अभिषेक तिवारी	सदस्य
शिक्षाशास्त्र पीठ	
शिक्षाशास्त्र विभाग	
प्रो. सदन सिंह	अध्यक्ष
प्रो. के.पी. पाण्डेय	बाह्य सदस्य
प्रो. लोक मान्य मिश्रा	बाह्य सदस्य
प्रो. के. भारत भूषण	सदस्य
प्रो. आर.पी. पाठक	सदस्य
प्रो. रचना वर्मा मोहन	सदस्य

प्रो. विमलेश	सदस्य
प्रो. मीनाक्षी	सदस्य
प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज	सदस्य
प्रो. एम. जयकृष्णन्	सदस्य
श्री. मनोज कुमार मीणा	सदस्य
डॉ. सविता राय	सदस्य

5. वित्त समिति

वित्त समिति का गठन, शक्तियां और कार्य, संविधियों के अनुसार निर्धारित किये जाते हैं। वित्त समिति के सदस्यों का विवरण निम्न प्रकार से है–

1.	प्रो. मुरली मनोहर पाठक	अध्यक्ष
2.	प्रो. पंकज एल. जानि	बाह्य सदस्य
3.	श्री आर.डी. सहाय	बाह्य सदस्य
4.	श्रीमती दर्शन एम डबराल	बाह्य सदस्य
5.	डॉ. अलका राय	सदस्य–सचिव

अवधि के दौरान वित्त समिति की दो बैठकें आयोजित की गईं, जिसका विवरण निम्न प्रकार से है:–

1. वित्त समिति की तीसरी बैठक – 20.08.2021
2. वित्त समिति की चौथी बैठक – 19.01.2022

Weblink: - Minutes of Committee Meetings | Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University (slbsrsv.ac.in)

6. योजना और पर्यवेक्षण मण्डल

योजना एवं पर्यवेक्षण मण्डल का गठन, शक्तियां और कार्य, संविधियों के अनुसार निर्धारित किये जाते हैं। योजना एवं पर्यवेक्षण मण्डल के सदस्यों का विवरण निम्न प्रकार से है–

1.	प्रो. मुरली मनोहर पाठक	अध्यक्ष
2.	डॉ. चाँद किरण सलूजा	बाह्य सदस्य
3.	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	बाह्य सदस्य
4.	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी	बाह्य सदस्य
5.	प्रो. भागीरथी नंद	सदस्य
6.	प्रो. बिहारी लाल शर्मा	सदस्य
7.	प्रो. के. भारत भूषण	सदस्य
8.	डॉ. अलका राय	सदस्य सचिव

अवधि के दौरान योजना एवं पर्यवेक्षण मण्डल की प्रथम बैठक आयोजित की गई, जिसका विवरण निम्न प्रकार से है:-

1. योजना एवं पर्यवेक्षण मण्डल की पहली बैठक – 07.03.2022

Weblink: - **Minutes of Committee Meetings | Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University (slbsrsv.ac.in)**

मण्डल

1. अनुसन्धान मण्डल

शोध छात्रों के स्थायी पंजीकरण हेतु शोध मण्डल का गठन किया है। शोध छात्र के द्वारा प्रस्तुत शोध प्रस्ताव की समीक्षा शोध दल द्वारा की जाती है, साक्षात्कार के माध्यम से शोध छात्र के प्रस्तुतीकरण का परीक्षण किया जाता है एवं शोध कार्य हेतु स्थायी पंजीकरण की अनुशंसा शोध मण्डल द्वारा संपादित की जाती है।

अनुसंधान बोर्ड के सदस्य:-

1.	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय	अध्यक्ष
2.	प्रो. रमाकांत पाण्डेय	बाह्य सदस्य
3.	प्रो हंसधर झा	बाह्य सदस्य
4.	प्रो. शशि प्रभा कुमार	बाह्य सदस्य
5.	प्रो. के. भरत भूषण	सदस्य
6.	प्रो. प्रेम कुमार शर्मा	सदस्य
7.	प्रो. हरेराम त्रिपाठी	सदस्य
8.	प्रो. जयकुमार एन्. उपाध्याय	सदस्य
9.	प्रो. नीलम ठगेला	सदस्या
10.	प्रो भागीरथी नंद	सदस्य
11.	प्रो. केदार प्रसाद परोहा	सदस्य
12.	प्रो. जयकांत सिंह शर्मा	सदस्य
13.	प्रो. शिवशंकर मिश्र	सदस्य
14.	डॉ. अलका राय	सदस्य-सचिव

2. परीक्षा मण्डल

परीक्षा मण्डल का प्राथमिक उद्देश्य परीक्षा और मूल्यांकन प्रक्रियाओं को विकसित करना है, जिसमें परीक्षाओं का संचालन, परीक्षा पत्रों की सुरक्षा, निरीक्षकों और अंक प्रदाताओं के कर्तव्य, अंकों का समभाव और छात्र अपीलों का सुचारू संचालन शामिल है।

परीक्षा बोर्ड के सदस्य:-

1.	प्रो. केदार प्रसाद परोहा	अध्यक्ष
2.	प्रो. चांद किरण सलूजा	बाह्य सदस्य
3.	प्रो. संतोष कुमार शुक्ला	बाह्य सदस्य

4.	प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ल	सदस्य
5.	प्रो. के. भरत भूषण	सदस्य
6.	कुलसचिव	सदस्य
7.	परीक्षा नियंत्रक	सदस्य सचिव
8.	डॉ. कांता (उप कुलसचिव)	समन्वयिका

अवधि के दौरान आयोजित बैठक-

02.06.2021, 18.06.2021, 06.07.2021, 27.09.2021

3. सम्पादकीय मण्डल

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के शोध-प्रकाशन विभाग से त्रैमासिक शोध पत्रिका की जाती है। प्रायः सभी संकायों के प्रतिनिधि इस पत्रिका के सम्पादकीय मण्डल में कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त, वास्तुशास्त्र विभागप्रमुख भी सम्पादकीय मण्डल में कार्यरत है। इस सम्पादकीय मण्डल का मुख्य कार्य प्रकाशन के लिए प्राप्त पत्रों की गुणवत्ता, भाषा की शुद्धता, प्रासंगिकता और वर्तमान समाज के संदर्भ में मौलिकता आदि का आपेक्षित उचित निरीक्षण करना और शोध पत्रों के लिए आवश्यक संशोधन और सुधार करना है। यदि शोध पत्रों में कोई कमी रह जाती है, जिसे संपादित नहीं किया गया है, वह भी इस मण्डल का एक महत्वपूर्ण कार्य है।

सम्पादकीय मण्डल के सदस्यः-

1.	प्रो. जयकांत सिंह शर्मा
2.	प्रो भागीरथी नंद
3.	प्रो. के. भरत भूषण
4.	प्रो. प्रभाकर प्रसाद
5.	डॉ. अशोक थपलियाल

अवधि के दौरान आयोजित बैठक-

19.05.2021, 09.12.2021

4. कुलानुशासक मण्डल

कुलानुशासक मण्डल एक निकाय है, जिसमें शिक्षण संकाय और विश्वविद्यालय / परिसरों के प्रशासन के प्रतिनिधि शामिल हैं, जो विश्वविद्यालय के नियमों और विनियमों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए गठित हैं।

कुलानुशासक मण्डल के सदस्य-

1.	प्रो. बिहारी लाल शर्मा	अध्यक्ष
2.	प्रो नागेन्द्र झा (सेवानिवृत्त)	सदस्य
3.	प्रो. के. भरत भूषण	सदस्य
4.	प्रो. प्रेम कुमार शर्मा	सदस्य
5.	प्रो. केदार प्रसाद परोहा	सदस्य
6.	प्रो. जयकुमार एन्. उपाध्याय (सेवानिवृत्त)	सदस्य
7.	प्रो. हरेराम त्रिपाठी	सदस्य
8.	प्रो. कमला भारद्वाज (सेवानिवृत्त)	सदस्या
9.	प्रो. शुकदेव भोई	सदस्य
10.	प्रो जगदेव कुमार शर्मा	सदस्य
11.	प्रो. सदन सिंह	सदस्य
12.	श्री सुच्चा सिंह	सदस्य

शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विभाग
वेद वेदांग पीठ			
1.	प्रो. गोपाल प्रसाद शर्मा	आचार्य	वेद
2.	प्रो. रामानुज उपाध्याय	आचार्य	वेद
3.	डॉ. देवेन्द्र प्रसाद मिश्र	सहाचार्य	वेद
4.	डॉ. सुन्दर नारायण झा	सहाचार्य	वेद
5.	डॉ. हनुमान मिश्र	सहाचार्य	वेद
6.	प्रो. रामराज उपाध्याय	आचार्य	पौरोहित्य
7.	प्रो. बृन्दावन दाश	आचार्य	पौरोहित्य
8.	प्रो. यशवीर सिंह	आचार्य	धर्मशास्त्र
9.	प्रो. सुधांशु भूषण पण्डा	आचार्य	धर्मशास्त्र
10.	डॉ. हिमांशु शेखर त्रिपाठी	सहायक आचार्य	धर्मशास्त्र
11.	डॉ. मीनाक्षी मिश्रा	सहायक आचार्य	धर्मशास्त्र
12.	प्रो. जयकान्त सिंह शर्मा	आचार्य	व्याकरण
13.	प्रो. सुजाता त्रिपाठी	आचार्य	व्याकरण
14.	प्रो राम सलाही द्विवेदी	आचार्य	व्याकरण
15.	डॉ. दयाल सिंह	सहाचार्य	व्याकरण
16.	श्री नरेश कुमार बैरवा	सहायक आचार्य	व्याकरण
17.	डॉ. धर्मपाल प्रजापति	सहायक आचार्य	व्याकरण
18.	प्रो. प्रेम कुमार शर्मा	आचार्य	ज्योतिष
19.	प्रो. बिहारी लाल शर्मा	आचार्य	ज्योतिष
20.	प्रो. विनोद कुमार शर्मा	आचार्य	ज्योतिष
21.	प्रो. नीलम ठगेला	आचार्य	ज्योतिष
22.	प्रो. दिवाकर दत्त शर्मा	आचार्य	ज्योतिष
23.	प्रो. परमानन्द भारद्वाज	आचार्य	ज्योतिष
24.	डॉ. सुशील कुमार	सहाचार्य	ज्योतिष
25.	डॉ. फणीन्द्र कुमार चौधरी	सहाचार्य	ज्योतिष
26.	डॉ. रश्मि चतुर्वेदी	सहाचार्य	ज्योतिष

27.	प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी	आचार्य (प्रतिनियुक्ति)	वास्तु शास्त्र
28.	डॉ. अशोक थपलियाल	सहाचार्य	वास्तु शास्त्र
29.	डॉ. प्रवेश व्यास	सहायक आचार्य	वास्तु शास्त्र
30.	डॉ. देशबन्धु	सहायक आचार्य	वास्तु शास्त्र
31.	डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा	सहायक आचार्य	वास्तु शास्त्र
32.	डॉ. दीपक वशिष्ठ	सहायक आचार्य	वास्तु शास्त्र
दर्शनशास्त्र पीठ			
33.	प्रो. पीयूषकान्त दीक्षित	आचार्य	न्याय
34.	प्रो. विष्णुपद महापात्र	आचार्य	न्याय
35.	प्रो. महानन्द झा	आचार्य	न्याय
36.	डॉ. रामचन्द्र शर्मा	सहाचार्य	न्याय
37.	प्रो. महेश प्रसाद सिलोड़ी	आचार्य	सांख्य योग
38.	प्रो. मार्कण्डेयनाथ तिवारी	आचार्य	सांख्य योग
39.	डॉ. रमेशकुमार	सहायक आचार्य	योग विज्ञान
40.	डॉ. विजय सिंह गुसाईं	सहायक आचार्य	योग विज्ञान
41.	डॉ. नवदीप जोशी	सहायक आचार्य	योग विज्ञान
42.	प्रो. वीरसागर जैन	आचार्य	जैन दर्शन
43.	प्रो. अनेकान्त कुमार जैन	आचार्य	जैन दर्शन
44.	प्रो. कुलदीप कुमार	आचार्य	जैन दर्शन
45.	प्रो. हरेराम त्रिपाठी	आचार्य (प्रतिनियुक्ति)	सर्व दर्शन
46.	प्रो. संगीता खन्ना	आचार्य	सर्व दर्शन
47.	प्रो. प्रभाकर प्रसाद	आचार्य	सर्व दर्शन
48.	प्रो. जवाहरलाल	आचार्य	सर्व दर्शन
49.	श्री विजय गुप्ता	सहायक आचार्य	सर्व दर्शन
50.	प्रो. ए.एस. आरावमुदन	आचार्य	मीमांसा
51.	श्री राजेश कुमार गुर्जर	सहायक आचार्य	मीमांसा
52.	प्रो. केदार प्रसाद परोहा	आचार्य	विशिष्टाद्वैत वेदांत
53.	प्रो. के. अनन्त	आचार्य	विशिष्टाद्वैत वेदांत
54.	डॉ. सुदर्शनन एस	सहाचार्य	विशिष्टाद्वैत वेदांत
55.	डॉ. के.एस. सतीशा	सहाचार्य (लियन)	अद्वैत वेदांत

साहित्य एवं संस्कृति पीठ			
56.	प्रो. शुकदेव भोई	आचार्य	साहित्य
57.	प्रो. भागीरथ नन्द	आचार्य	साहित्य
58.	प्रो. धर्मानन्द राउत	आचार्य	साहित्य
59.	प्रो. सुमन कुमार झा	आचार्य	साहित्य
60.	डॉ. अरविन्द कुमार	सहाचार्य	साहित्य
61.	डॉ. बी. कामाक्षम्मा	सहायक आचार्य	साहित्य
62.	डॉ. सौरभ दूबे	सहायक आचार्य	साहित्य
63.	डॉ. अनमोल शर्मा	सहायक आचार्य	साहित्य
64.	प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ल	आचार्य	पुराणेतिहास
65.	प्रो. सुदीप कुमार जैन	आचार्य	प्राकृत
66.	प्रो. कल्पना जैन	आचार्य	प्राकृत
आधुनिक विषय पीठ			
67.	प्रो. सविता	आचार्य	मानविकी
68.	प्रो. जगदेव शर्मा	आचार्य	मानविकी
69.	प्रो. मीनू कश्यप	आचार्य	मानविकी
70.	डॉ. अभिषेक तिवारी	सहायक आचार्य	मानविकी
71.	श्रीमती वन्दना शुक्ला	सहायक आचार्य	मानविकी
72.	डॉ. आदेश कुमार	सहायक आचार्य	आधुनिक ज्ञान
73.	श्री आदित्य पंचोली	सहायक आचार्य	आधुनिक ज्ञान
74.	डॉ. सुमिता त्रिपाठी	सहायक आचार्य	आधुनिक ज्ञान
75.	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय	आचार्य	शोध
76.	प्रो. शिवशंकर मिश्र	आचार्य	शोध
शिक्षाशास्त्र पीठ			
77.	प्रो. रमेश प्रसाद पाठक	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
78.	प्रो. सदन सिंह	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
79.	प्रो. के. भारत भूषण	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
80.	प्रो. रचना वर्मा मोहन	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
81.	प्रो. विमलेश शर्मा	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
82.	प्रो. मिनाक्षी मिश्रा	आचार्य	शिक्षाशास्त्र

83.	प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
84.	प्रो. एम. जयकृष्णन्	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
85.	श्री मनोज कुमार मीणा	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
86.	डॉ. सविता राय	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
87.	डॉ. सुरेन्द्र महतो	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
88.	डॉ. प्रेम सिंह सिकरवार	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
89.	डॉ. तमन्ना कौशल	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
90.	डॉ. पिंकी मलिक	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
91.	डॉ. अजय कुमार	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
92.	डॉ. शिवदत्त आर्य	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
93.	डॉ. ममता	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
94.	डॉ. परमेश कुमार शर्मा	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
95.	डॉ. आरती शर्मा	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
96.	डॉ. विचारी लाल मीणा	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
97.	डॉ. जितेन्द्र कुमार	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
98.	डॉ. प्रदीप कुमार झा	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
99.	डॉ. दिनेश कुमार यादव	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
100.	डॉ. इकुर्ती वेंकटेश्वरलु	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
101.	डॉ. सुनील कुमार शर्मा	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
102.	डॉ. कैलाश चन्द मीणा	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
103.	श्रीमती अनिता	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र

गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विभाग
'अ' वर्ग			
1.	डॉ. अलका राय	वित्त अधिकारी (प्रतिनियुक्त)	लेखा
2.	श्री अजय कुमार टंडन	उप कुलसचिव	लेखा एवं विकास
3.	डॉ. कान्ता	उप कुलसचिव	परीक्षा एवं शैक्षणिक
4.	श्री रमाकान्त उपाध्याय	अधिशाषी अभियन्ता	वि.वि.निर्माण विभाग
5.	श्री बनवारी लाल वर्मा	कार्यकारी प्रबंधक	संगणक प्रमुख
6.	श्री राजेश कुमार पाण्डेय	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	केन्द्रीय पुस्तकालय
7.	श्रीमती सुषमा	सहायक कुलसचिव	लेखा
8.	श्री सुच्चा सिंह	सहायक कुलसचिव	शैक्षणिक
9.	श्री मंजीत सिंह	सहायक कुलसचिव	प्रशासन-II
10.	श्रीमती भारती त्रिपाठी	सहायक कुलसचिव	प्रशासन-I
11.	श्री राजेश कुमार	सहायक कुलसचिव	विकास
12.	श्री जय प्रकाश सिंह	सहायक कुलसचिव	प्रशासन-III
'ब' वर्ग			
13.	श्री अंजनी कुमार	सहायक अभियंता	वि.वि.निर्माण विभाग
14.	श्री बिपिन कुमार त्रिपाठी	अनुसंधान-सह-सांख्यिकी अधिकारी	कुलपति कार्यालय
15.	श्रीमती रजनी संजोत्रा	अनुभाग अधिकारी	परीक्षा
16.	श्री राजकुमार	अनुभाग अधिकारी	प्रशासन-III
17.	श्री राकेश कांडपाल	अनुभाग अधिकारी	लेखा
18.	श्रीमती सावित्री कुमारी	अनुभाग अधिकारी	प्रशासन-II
19.	श्रीमती वंदना	अनुभाग अधिकारी	प्रशासन-I
20.	श्री दिनेश कुमार	निजी सचिव	कुलसचिव कार्यालय
21.	श्री प्रमोद चतुर्वेदी	निजी सचिव	कुलपति कार्यालय
22.	श्रीमती हिमानी शदानी	निजी सचिव	विकास
23.	श्री ज्ञान चंद शर्मा	प्रोग्रामर सहायक	कंप्यूटर केंद्र
24.	डॉ. ज्ञानधर पाठक	अनुसंधान सहायक	प्रकाशन
25.	कु. तरुणा अवस्थी	अनुसंधान सहायिका	शोध
26.	श्रीमती अनीता जोशी	व्यावसायिक सहायक	केन्द्रीय पुस्तकालय

27.	डॉ. नवीन राजपूत	व्यावसायिक सहायक	केन्द्रीय पुस्तकालय
28.	श्री जय कृष्णन कमिला	व्यावसायिक सहायक	केन्द्रीय पुस्तकालय
29.	श्रीमती ललिता कुमारी	सहायक	विकास
30.	श्री ओम प्रकाश कौशिक	सहायक	लेखा
31.	श्रीमती रानी पंवार	सहायक	संगणक केंद्र
32.	श्री तिलक राज	सहायक	छात्रावास
33.	श्री अशोक कुमार	सहायक	शैक्षणिक
34.	श्री सुदामा राम	सहायक	शिक्षाशास्त्र पीठ
35.	श्री धर्मेंद्र	सहायक	प्रशासन-I
36.	श्री महेश	सहायक	लेखा
37.	श्रीमती प्रीति यादव	सहायक	प्रशासन-II
38.	श्री मनीष लोहनी	सहायक	विकास
39.	श्री नरेंद्र पाल	कनिष्ठ अभियंता (विद्युत)	वि.वि. निर्माण विभाग
40.	श्रीमती संध्या सिंह	कनिष्ठ अभियंता (सिविल)	वि.वि. निर्माण विभाग
41.	सुश्री नेहा गुसाईं	निजी सहायक	कुलसचिव कार्यालय
'स' वर्ग			
42.	श्रीमती भावना	अर्धव्यावसायिक सहायक	शिक्षाशास्त्र पीठ
43.	श्री सुनील कुमार मिश्र	अर्धव्यावसायिक सहायक	केन्द्रीय पुस्तकालय
44.	श्री शशि भूषण शुक्ला	अर्धव्यावसायिक सहायक	केन्द्रीय पुस्तकालय
45.	श्री सुरेन्द्र नागर	तकनीकी सहायक	शिक्षाशास्त्र पीठ
46.	श्री ईश्वर सिंह विष्ट	तकनीकी सहायक	संगणक केंद्र
47.	श्री सचिन कुमार राय	तकनीकी सहायक	संगणक केंद्र
48.	श्री जीवन कुमार भट्टराई	संशोधक	प्रकाशन
49.	श्री महेंद्र सिंह	वरिष्ठ लिपिक	शैक्षणिक
50.	श्री संजीव सिंह चौहान	वरिष्ठ लिपिक	लेखा
51.	श्रीमती रुचिका भट्नागर	वरिष्ठ लिपिक	परीक्षा
52.	श्री रजनीश कुमार राय	वरिष्ठ लिपिक	शैक्षणिक
53.	श्रीमती प्रीति त्यागी	वरिष्ठ लिपिक	शैक्षणिक
54.	श्रीमती प्रतिभा यादव	वरिष्ठ लिपिक	प्रशासन-III
55.	श्रीमती ललिता यादव	वरिष्ठ लिपिक	शिक्षाशास्त्र पीठ

56.	श्री रमेश कुमार	वरिष्ठ लिपिक	लेखा
57.	श्री श्रीनाथ के. नायर	वरिष्ठ लिपिक	प्रशासन-III
58.	श्री अंशुमन घुर्नियाल	वरिष्ठ लिपिक	वि.वि. निर्माण विभाग
59.	श्री चन्द्र भूषण तिवारी	विद्युत्कार (इलेक्ट्रिशियन)	वि.वि. निर्माण विभाग
60.	श्री बिजेंद्र सिंह राणा	पम्प प्रचालक	वि.वि. निर्माण विभाग
61.	श्री बलराम सिंह	पुस्तकालय सहायक	केन्द्रीय पुस्तकालय
62.	श्री पदम चन्द सैनी	पुस्तकालय सहायक	केन्द्रीय पुस्तकालय
63.	श्रीमती सौम्या राय	पुस्तकालय सहायक	केन्द्रीय पुस्तकालय
64.	श्री मनीष अरोड़ा	कनिष्ठ लिपिक	शैक्षणिक
65.	श्रीमती दीपिका राणा	कनिष्ठ लिपिक	लेखा
66.	श्री वैभव खन्ना	कनिष्ठ लिपिक	प्रशासन-I
67.	श्री नीतेश	कनिष्ठ लिपिक	कुलपति कार्यालय
68.	श्री लोकेश	कनिष्ठ लिपिक	प्रशासन-II
69	श्री ओंकेश्वर तिवारी	कनिष्ठ लिपिक	वि.वि. निर्माण विभाग
70.	श्रीमती ऋचा भसीन	कनिष्ठ लिपिक	प्रशासन-II
71.	श्री राहुल राय	कनिष्ठ लिपिक	वि.वि. निर्माण विभाग
72.	श्री अजय कुमार	कनिष्ठ लिपिक	लेखा
73.	श्री राम कुमार	कनिष्ठ लिपिक	परीक्षा
74.	श्री मनीष जैरथ	कनिष्ठ लिपिक	परीक्षा
75.	श्री श्रवण कुमार	चालक	कुलसचिव कार्यालय
76.	श्री शंभू दत्त	पाचक	अतिथि गृह
77.	श्री नितिन नागर	पाचक	अतिथि गृह
78.	श्री राजेंद्र सिंह	पुस्तकालय परिचारक	केन्द्रीय पुस्तकालय
79.	श्री सुनील शर्मा	पुस्तकालय परिचारक	केन्द्रीय पुस्तकालय
80.	श्री जंगापल्ली महेंद्र	पुस्तकालय परिचारक	केन्द्रीय पुस्तकालय
81.	श्री हिमांशु कुमार	पुस्तकालय परिचारक	केन्द्रीय पुस्तकालय
82.	श्री सोनू	पुस्तकालय परिचारक	केन्द्रीय पुस्तकालय
83.	श्री उपरापल्ली कुमार स्वामी	स्वास्थ्य केंद्र परिचारक	विकास एवं स्वास्थ्य केंद्र
84.	श्री कुलदीप सिंह	तकनीकी परिचारक	संगणक केंद्र

85.	श्री विजय रंजन पाण्डेय	तकनीकी परिचारक	शिक्षाशास्त्र पीठ
86.	श्री दया शंकर तिवारी	बहुकार्य कर्मचारी	वि.वि. निर्माण विभाग
87.	श्री रमेश चंद मीणा	बहुकार्य कर्मचारी	प्रकाशन
88.	श्री दया चन्द	बहुकार्य कर्मचारी	लेखा
89.	श्री सुंदर पाल	बहुकार्य कर्मचारी	वेद वेदांग पीठ
90.	श्री रमेश चन्द गहलोत	बहुकार्य कर्मचारी	शैक्षणिक
91.	श्री नरेंद्र महतो	बहुकार्य कर्मचारी	दर्शनशास्त्र पीठ
92.	श्री धीरज सिंह	बहुकार्य कर्मचारी	वि.वि. निर्माण विभाग
93.	श्री राम मिलन	बहुकार्य कर्मचारी	वेद वेदांग एवं दर्शनशास्त्र पीठ
94.	श्री दिनेश चंद्र	बहुकार्य कर्मचारी	कुलसचिव कार्यालय
95.	श्री संतोष कुमार पाण्डेय	बहुकार्य कर्मचारी	वि.वि. निर्माण विभाग
96.	श्री भीम सिंह	बहुकार्य कर्मचारी	प्रशासन-I
97.	श्री मथुरा प्रसाद	बहुकार्य कर्मचारी	आधुनिक विषय
98.	श्री राज कुमार	बहुकार्य कर्मचारी	कुलपति कार्यालय
99.	श्री पंकज	बहुकार्य कर्मचारी	परीक्षा
100.	श्री पिंटू बनर्जी	बहुकार्य कर्मचारी	परीक्षा
101.	श्री गंगाधर मुदली	बहुकार्य कर्मचारी	साहित्य एवं संस्कृति पीठ
102.	श्री बिनोद कुमार नाथ	बहुकार्य कर्मचारी	अतिथि गृह
103.	श्री गिरीश चन्द पंत	बहुकार्य कर्मचारी	कुलपति कार्यालय
104.	श्री मुनीश बडोला	बहुकार्य कर्मचारी	शैक्षणिक
105.	श्री वीरेंद्र कुमार	बहुकार्य कर्मचारी	अतिथि गृह
106.	श्री नवल सिंह	बहुकार्य कर्मचारी	कुलपति कार्यालय
107.	श्री अमित कुमार	बहुकार्य कर्मचारी	प्रतिनियुक्ति
108.	श्री कंकन नाथ	बहुकार्य कर्मचारी	अतिथि गृह
109.	श्री दीपक	बहुकार्य कर्मचारी	वि.वि. निर्माण विभाग
110.	श्री करुणेश राव	बहुकार्य कर्मचारी	परीक्षा
111.	श्री राहुल	बहुकार्य कर्मचारी	शिक्षाशास्त्र पीठ
112.	श्री रोहित वशिष्ठ	बहुकार्य कर्मचारी	प्रशासन-III
113.	श्री नरेश कुमार	बहुकार्य कर्मचारी	अतिथि गृह
114.	श्री सतीश	बहुकार्य कर्मचारी	वि.वि. निर्माण विभाग

विश्वविद्यालय द्वारा सञ्चालित अध्ययन पाठ्यक्रम

1. नियमित पाठ्यक्रम

पीठ का नाम	पाठ्यक्रम	विषय
वेद-वेदांग पीठ, दर्शनशास्त्र पीठ, साहित्य एवं संस्कृति पीठ	शास्त्री (B.A.) (त्रिवर्षीय/चार वर्षीय) बी.ए. (योग) (त्रिवर्षीय/चार वर्षीय)	वेद, पौरोहित्य, धर्मशास्त्र, प्राचीन व्याकरण, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धांत ज्योतिष, वास्तुशास्त्र, प्राचीन न्याय, नव्य न्याय, सर्व दर्शन, सांख्य योग, अद्वैत वेदांत, विशिष्ट अद्वैत वेदांत, जैन दर्शन, मीमांसा, साहित्य, पुराणतिहास, प्राकृत एवं योग
वेद-वेदांग पीठ, दर्शनशास्त्र पीठ, सहित्य एवं संस्कृति पीठ	आचार्य (M.A.) (द्विवर्षीय) एम.ए. (योग) (द्विवर्षीय)	वेद, पौरोहित्य, धर्मशास्त्र, प्राचीन व्याकरण, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धांत ज्योतिष, वास्तुशास्त्र, प्राचीन न्याय, नव्य न्याय, सर्व दर्शन, सांख्य योग, अद्वैत वेदांत, विशिष्ट अद्वैत वेदांत, जैन दर्शन, मीमांसा, साहित्य, पुराणेतिहास, प्राकृत एवं योग
वेद-वेदांग पीठ, दर्शनशास्त्र पीठ, सहित्य एवं संस्कृति पीठ	विद्यावारिधि (पी.एच.डी.)	वेद, पौरोहित्य, धर्मशास्त्र, प्राचीन व्याकरण, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धांत ज्योतिष, वास्तुशास्त्र, प्राचीन न्याय, नव्य न्याय, सर्व दर्शन, सांख्य योग, अद्वैत वेदांत, विशिष्ट अद्वैत वेदांत, जैन दर्शन, मीमांसा, साहित्य, पुराणतिहास एवं प्राकृत
शिक्षाशास्त्र पीठ	शिक्षा शास्त्री (B.Ed.) शिक्षाचार्य (M.Ed.) विद्यावारिधि (Ph.D.)	
आधुनिक विषय पीठ	एम.ए. हिन्दी एम.ए. हिन्दू अध्ययन	

2. स्व-वित्तपोषित पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम का नाम	कार्यक्रम का नाम
प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (षाण्मासिक)	1. ज्योतिष प्रवेशिका 2. वास्तुशास्त्र प्रमाणपत्रीय 3. योग प्रमाणपत्रीय 4. पौरोहित्य प्रशिक्षण 5. संस्कृत प्रशिक्षण एवं सम्भाषण 6. जैन विद्या प्रमाणपत्रीय 7. पाण्डुलिपि और शिलालेख
डिप्लोमा पाठ्यक्रम (एक वर्षीय)	1. ज्योतिष प्राज्ञ 2. मेडिकल ज्योतिष 3. वास्तुशास्त्र 4. स्नातकोत्तर योग 5. पौरोहित्य 6. संस्कृत भाषा पत्रकारिता 7. जैन विद्या 8. संस्कृत वांगमय 9. कम्प्यूटर एप्लिकेशन्स
एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम (द्विवर्षीय)	1. ज्योतिष भूषण 2. वास्तुशास्त्र 3. स्नातकोत्तर वास्तुशास्त्र

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का क्रियान्वयन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 भारत की नव शिक्षा प्रणाली के दृष्टिकोण को रेखांकित करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के कारण और उद्देश्य को सुदृढ़ करने के लिए और इस क्षेत्र में अग्रणी बनने के लिए, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय स्तर पर इसके कार्यान्वयन के लिए अगुवाई की गई है। यह प्रमुख शुरुआत है-

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को लागू करने के प्रथम चरण के रूप में, विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद ने 06/11/2020 दिनांक को आयोजित बैठक में विभिन्न उच्च स्तरीय समितियों का गठन किया, जिसमें पीठ एवं बाह्य विषय विशेषज्ञ शामिल हुये, जिन्हें राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों और उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए एक मॉडल पाठ्यक्रम तैयार करने का कार्य सौंपा गया है।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के शासनादेशानुसार चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम के लिए, 20/04/2021 को आयोजित बैठक में शैक्षणिक परिषद ने शास्त्री (प्रथम वर्ष)/बी.ए (योग)- प्रथम वर्ष के लिए नए मॉडल पाठ्यक्रम हेतु सहमति प्रदान की है।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 रूपरेखा के अनुसार, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) विश्वविद्यालय को छात्रों द्वारा अर्जित क्रेडिट का डिजिटल भंडार बनाए रखने की अनुमति देता है। नेशनल एकेडमिक डिपॉजिटरी (एनएडी) के माध्यम से अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) के कार्यान्वयन के लिए, विश्वविद्यालय में शैक्षणिक परिषद द्वारा एक समिति गठित की गई है।
- विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के शासनादेश के अनुरूप एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम के साथ-साथ चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम तैयार करने और विश्वविद्यालय स्तर पर इसे लागू करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

अनुदान सहयोग

क्र.सं.	विवरण	राशि (लाखों में)
1.	विश्वविद्यालय को यूजीसी से प्राप्त अनुदान	5974.25
2.	विश्वविद्यालय द्वारा जारी की गई आन्तरिक रसीद	64.10
3.	विश्वविद्यालय द्वारा किया गया कुल व्यय	5994.83

समझौता ज्ञापन/सहभागिता में विद्यमानिता

क्र. सं.	संस्था का नाम
1.	2014 में सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र, गुजरात के साथ समझौता ज्ञापन।
2.	2017 में भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन।
3.	2018 में स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एस.पी.ए.), नई दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन।
4.	2021 में मैसर्स जेनलीप इकोसिस्टम प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गांव, हरियाणा के साथ समझौता ज्ञापन।

योजनाएँ

1.	पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण योजना
2.	ज्योतिष विभाग में विशेष सहायता कार्यक्रम (डीआरएस-III)
3.	साहित्य विभाग में विशेष सहायता कार्यक्रम (डीआरएस-द्वितीय)
4.	एम.ओ.ओ.सी. (MOOCs) पाठ्यक्रमों का संचालन
5.	एम.ओ.ओ.सी. (MOOCs) पाठ्यक्रम में भारतीय संस्कृति और इतिहास का पुन: प्रयोजन

परियोजनाएँ

1.	भारतीय दर्शन का क्रमिक विकास (ऐतिहासिक एवं सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य में) भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद् द्वारा प्रो. हरेराम त्रिपाठी को स्वीकृत।
2.	भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् द्वारा प्रो. शिवशंकर मिश्र को लघु अनुसंधान परियोजना स्वीकृत।
3.	केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा डॉ. प्रेम सिंह सिकरवार को अष्टादशी परियोजना स्वीकृत।
4.	केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रो. शिव शंकर मिश्र को अष्टादशी परियोजना स्वीकृत।

छात्र विवरण

क. कार्यक्रम अनुसार स्वीकृत एवं पंजीकृत छात्रों की संख्या

क्र.सं.	कार्यक्रम	छात्र	
		स्वीकृत	पंजीकृत
1.	विद्यावारिधि	171	72
2.	शिक्षाचार्य	50	31
3.	शिक्षाशास्त्री	200	196
4.	आचार्य (एम.ए.)	722	103
5.	शास्त्री (बी.ए.)	185	133
6.	एम.ए. (योग)	50	49
7.	बी.ए. (योग)	50	40
8.	एम.ए. (हिन्दी)	15	7
9.	एम.ए. (हिन्दू अध्ययन)	10	7
10.	प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (षाण्मासिक)	300	33
11.	डिप्लोमा पाठ्यक्रम (एक वर्षीय)	540	211
12.	एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम (द्विवर्षीय)	150	52

ख. राज्य अनुसार नियमित और अंशकालिक पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्रों का विवरण

क्र. सं.	अध्ययन कार्यक्रम	पाठ्यक्रम का नाम	असम		आन्ध्रप्रदेश		दिल्ली		बिहार		छतीसगढ़		हिमाचल प्रदेश		झारखण्ड		गुजरात		मध्यप्रदेश		राजस्थान		उत्तरप्रदेश		हरियाणा		उत्तराखंड		पश्चिम बंगाल		ओडिशा		महाराष्ट्र		पंजाब		कर्नाटक		तेलंगाना		गोवा		मणिपुर		कुल		योग
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	
1	स्नातक	शास्त्री	1	0	0	0	75	26	29	3	1	0	8	0	1	1	1	0	8	1	17	0	67	1	36	7	51	0	1	0	1	0	3	0	4	0	0	0	0	0	0	0	0	0	304	39	343
		बी.ए योग	0	0	0	0	29	39	4	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	11	3	5	8	6	1	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	58	52	110
		शिक्षाशास्त्री	0	0	2	1	60	54	23	3	0	0	2	0	0	0	0	0	5	0	1	2	26	12	5	4	8	1	0	0	47	128	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	179	207	386
2	स्नातकोत्तर	एम.ए हिन्दी	0	0	0	0	1	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	5	2	7
		एम.ए हिन्दू अध्ययन	0	0	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	2	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	7	0	7
		आचार्य	1	0	0	0	64	18	14	1	0	0	8	0	1	1	0	0	9	0	13	2	35	3	18	1	17	1	0	0	0	1	1	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	183	28	211
		एम.ए योग	0	0	0	0	19	43	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	12	9	5	2	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	1	40	56	96
		विशिष्टाचार्य	0	0	0	0	2	8	2	1	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	1	0	9	0	0	2	6	0	0	0	7	10	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	30	21	51
3	विद्यावारिधि		1	1	1	0	98	56	15	0	1	0	30	4	1	0	0	0	17	1	19	10	60	15	18	10	23	2	46	13	15	14	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	347	126	473
4	अंशकालीन		0	0	1	0	92	73	7	2	0	2	4	0	0	0	0	0	4	0	3	1	39	11	28	11	7	1	1	1	0	0	1	0	0	1	0	2	1	0	2	0	0	0	191	105	296
कुल छात्र																																													1344	636	1980

ग. श्रेणी अनुसार नियमित पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्रों का विवरण

	पाठ्यक्रम	सामान्य				अनु. जाति				अनु. जनजाति				अन्यवञ्चितवर्ग				आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग				दिव्यांगजन				कुल			
		म	पु	परा	कुल	म	पु	परा	कुल	म	पु	परा	कुल	म	पु	परा	कुल	म	पु	परा	कुल	म	पु	परा	कुल	म	पु	परा	कुल
स्नातक	शास्त्री	265	34	0	299	2	2	0	4	2	0	0	2	22	4	0	26	11	1	0	12	0	0	0	0	302	41	0	343
	बी. ए योग	34	32	0	66	5	5	0	10	3	0	0	3	13	13	0	26	3	2	0	5	0	0	0	0	**58**	**52**	**0**	**110**
	शिक्षा शास्त्री	93	58	0	151	19	49	0	68	9	12	0	21	37	66	0	103	18	20	0	38	3	2	0	5	**179**	**207**	**0**	**386**
स्नातकोत्तर	आचार्य	160	18	0	178	5	1	0	6	3	0	0	3	11	9	0	20	4	0	0	4	0	0	0	0	**183**	**28**	**0**	**211**
	एम. ए योग	21	27	0	48	6	10	0	16	1	0	0	1	10	18	0	28	2	1	0	3	0	0	0	0	**40**	**56**	**0**	**96**
	शिक्षाचार्य	12	15	0	27	1	1	0	2	1	0	0	1	6	5	0	11	8	0	0	8	2	0	0	2	**30**	**21**	**0**	**51**
	एम.ए. हिन्दू अध्ययन	6	1	0	7	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**6**	**1**	**0**	**7**
	एम.ए. हिन्दी	4	1	0	5	0	1	0	1	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	**5**	**2**	**0**	**7**
विद्यावारिधि		231	69	0	300	40	15	0	55	3	2	0	5	35	28	0	63	34	12	0	46	4	0	0	4	**347**	**126**	**0**	**473**
प्रमाण पत्रीय/डिप्लोमा		146	94	0	240	6	3	0	9	1	0	0	1	29	9	0	38	8	0	0	8	0	0	0	0	**190**	**106**	**0**	**296**
कुल		**972**	**349**	**0**	**1321**	**84**	**87**	**0**	**171**	**23**	**14**	**0**	**37**	**164**	**152**	**0**	**316**	**88**	**36**	**0**	**124**	**9**	**2**	**0**	**11**	**1340**	**640**	**0**	**1980**

** वर्तमान शैक्षणिक सत्र के दौरान नामांकित और पूर्व में नामांकित कुल शोधच्छात्र।*

घ. श्रेणी अनुसार अंशकालिक स्व-वित्तपोषित पाठ्यक्रम में नामांकित छात्रों का विवरण

क्र. सं	पाठ्यक्रम का नाम	सामान्य		अनु. जाति		अनु. जन जाति		अन्य पिछड़ा वर्ग		आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग		दिव्यांगजन		सामान्य		अनु. जाति		अनु. जन जाति		अन्य पिछड़ा वर्ग		कुल
		पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	
1	षाण्मासिक ज्योतिष प्रवेशिका	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	**0**	**0**
2	एकवर्षीय ज्योतिष प्राज्ञ डिप्लोमा	41	17	0	0	0	0	0	0	2	1	0	0	0	0	0	0	3	0	**46**	**18**	**64**
3	एक वर्षीय ज्योतिष चिकित्सा डिप्लोमा	5	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**6**	**1**	**7**
4	द्विवर्षीय ज्योतिष भूषण एडवांस डिप्लोमा	14	8	1	1	0	0	0	0	2	1	0	0	0	0	0	0	1	0	**18**	**10**	**28**
5	षण्मासिक वास्तुशास्त्र प्रमाणपत्रीय कोर्स	3	4	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**3**	**4**	**7**
6	एक वर्षीय वास्तुशास्त्र डिप्लोमा	5	5	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**7**	**5**	**12**
7	द्विवर्षीय वास्तुशास्त्र पी.जी. डिप्लोमा	14	5	0	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	**15**	**6**	**21**
8	द्विवर्षीय वास्तुशास्त्र एडवांस डिप्लोमा	0	2	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**1**	**2**	**3**
9	षण्मासिक योग प्रमाणपत्रीय कोर्स	1	6	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**1**	**6**	**7**
10	एकवर्षीय पी.जी. योग डिप्लोमा	15	44	4	2	1	0	0	0	11	5	0	0	0	0	0	0	1	0	**32**	**51**	**83**
11	षण्मासिक पौरोहित्य प्रशिक्षण	14	0	0	0	0	0	0	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**17**	**0**	**17**
12	एक वर्षीय पौरोहित्य डिप्लोमा	23	0	0	0	0	0	0	0	4	0	0	0	0	0	0	0	2	0	**29**	**0**	**29**
13	संस्कृत प्रशिक्षण एवं सम्भाषण पाठ्यक्रम	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**2**	**0**	**2**
14	एकवर्षीय संस्कृत वांगमय डिप्लोमा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	**0**	**0**
15	एकवर्षीय पी.जी. संस्कृत पत्रकारिता डिप्लोमा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	**0**	**0**
16	षण्मासिक जैन विद्या सर्टिफिकेट कोर्स	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	**0**	**0**
17	एकवर्षीय जैन विद्या डिप्लोमा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	**0**	**0**
18	पांडुलिपि और शिलालेख में प्रमाणपत्रीय कोर्स	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	**0**	**0**
19	एकवर्षीय कंप्यूटर एप्लीकेशन डिप्लोमा	10	2	0	0	0	0	0	0	2	1	0	0	0	0	0	0	1	0	**13**	**3**	**16**
	कुल	**146**	**94**	**6**	**3**	**1**	**0**	**0**	**0**	**29**	**9**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**8**	**0**	**190**	**106**	**296**

द. पाठ्यक्रम अनुसार प्रविष्ट, उत्तीर्ण एवं अनुत्तीर्ण छात्रों का विवरण

पाठ्यक्रम	प्रविष्ट छात्रों की संख्या		उत्तीर्ण छात्रों की संख्या		अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या	
	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
विद्यावरिधि (01.04.2021 - 01.03.2022)	-	-	32	04	-	-
विद्यावरिधि पाठ्यक्रम (कोर्सवर्क)	81	35	78	35	03	-
बी.ए. (योग)	24	11	23	11	01	-
शास्त्री (बी.ए.)	113	12	112	12	01	-
एम.ए. (योग)	24	23	24	23	-	-
आचार्य (एम.ए.)	57	21	57	21	-	-
शिक्षाशास्त्री (बी.एड.)	94	102	94	102	-	-
शिक्षाचार्य (एम.एड.)	05	03	05	03	-	-

स्व-वित्तपोषित अंशकालीन पाठ्यक्रम

मार्च-2021	प्रविष्ट छात्रों की संख्या		उत्तीर्ण छात्रों की संख्या		अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या	
	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
संस्कृत सम्भाषण पाठ्यक्रम (षाण्मासिक)	03	03	03	03	-	-
पौरोहित्य प्रशिक्षण (षाण्मासिक)	12	-	12	-	-	-
वास्तु प्रमाणपत्रीय (षाण्मासिक)	04	-	04	-	-	-
अगस्त 2021						
योग प्रमाणपत्रीय (षाण्मासिक)	03	08	03	08	-	-
वास्तु शास्त्र (एकवर्षीय)	04	01	04	01	-	-
मेडिकल एस्ट्रोलॉजी (एकवर्षीय)	10	07	10	06	-	01
पी.जी योग डिप्लोमा	39	61	35	60	04	01
पौरोहित्य डिप्लोमा (एकवर्षीय)	42	-	39	-	03	-
जैन विद्या डिप्लोमा (एकवर्षीय)	6	01	06	01	-	-
पी.जी वास्तु (द्विवर्षीय)	03	01	03	-	-	01
पी.जी. वास्तु एडवांस डिप्लोमा (द्विवर्षीय)	01	02	01	02	-	-
ज्योतिष भूषण एडवांस डिप्लोमा (द्विवर्षीय)	09	07	07	06	02	01

छात्रवृत्ति

छात्रों को पारम्परिक शास्त्रीय परंपरा में अध्ययन हेतु प्रोत्साहित करने के दृष्टिकोण से विश्वविद्यालय में नामांकित छात्रों को विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित विभिन्न कार्यक्रमों में छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं। छात्रवृत्तियों की संख्या सहित राशि का विवरण निम्न तालिका में प्रस्तुत किया गया है:-

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	वर्ष	छात्रवृत्तियों की संख्या	छात्रवृत्ति राशि (प्रति माह)
1.	शास्त्री (बी. ए)	प्रथम वर्ष	120	रु. 800/-
2.	शास्त्री (बी. ए)	द्वितीय वर्ष	120	रु. 800/-
3.	शास्त्री (बी. ए)	तृतीय वर्ष	120	रु. 800/-
4.	शिक्षा शास्त्री (बी.एड.)		60	रु. 800/-
5.	आचार्य (एम. ए)	प्रथम वर्ष	25 प्रतिविषय	रु. 1000/-
6.	आचार्य (एम. ए)	द्वितीय वर्ष	25 प्रतिविषय	रु. 1000/-
7.	शिक्षाचार्य (एम.एड.) विशेष अनुदान		13	रु. 1000/- रु. 750/-
8.	विद्यावारिधि (गैर राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा छात्रवृत्ति)		224	रु. 8000/-

जे.आर.एफ. सम्मानित छात्र

क्र.सं.	पीठ का नाम	जे.आर.एफ. सम्मानित छात्रों की संख्या
1.	वेद वेदांग	1
2.	दर्शनशास्त्र	3
3.	सहित्य एवं संस्कृति	3

राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति सम्मानित छात्र

क्र.सं.	पीठ का नाम	राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति सम्मानित छात्रों की संख्या
1.	साहित्य एवं संस्कृति	2

विश्वविद्यालय के पीठ

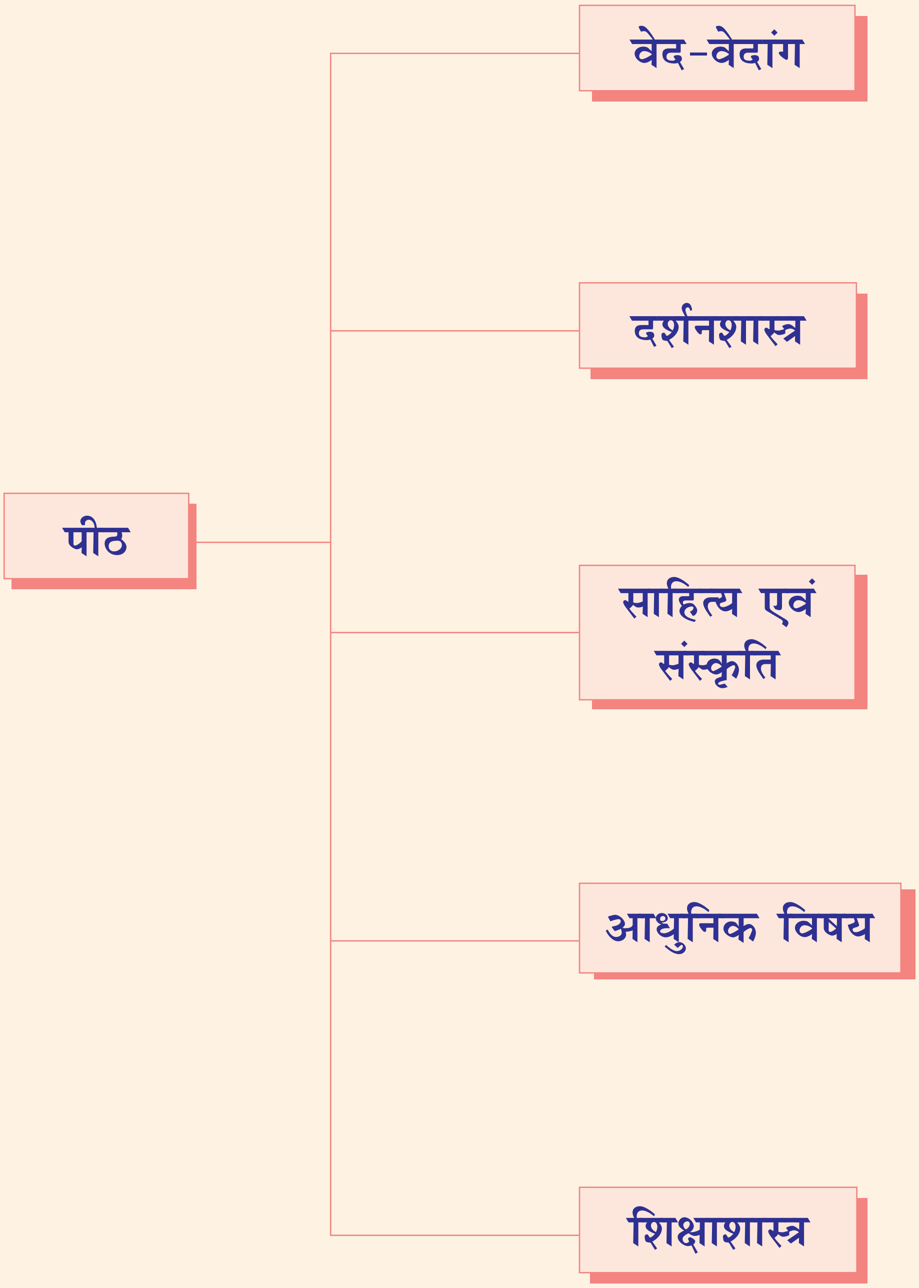

1. वेदवेदांगपीठ एवं सम्बंधित विभाग

- **पीठाध्यक्ष** – प्रो. जयकान्त सिंह शर्मा
  - **विभाग**
    - **विभागाध्यक्ष वेद** – प्रो. रामानुज उपाध्याय
    - **विभागाध्यक्ष पौरोहित्य** – प्रो. वृन्दावन दाश
    - **विभागाध्यक्ष धर्मशास्त्र** – प्रो. सुधांशुभूषण पण्डा
    - **विभागाध्यक्ष व्याकरण** – प्रो. सुजाता त्रिपाठी
    - **विभागाध्यक्ष ज्योतिष** – प्रो. नीलम ठगेला
    - **विभागाध्यक्ष वास्तुशास्त्र** – डॉ. अशोक थपलियाल

क. पीठ के विषय में

वेद-वेदांग पीठ में शुक्ल यजुर्वेद का अध्यापन करवाया जाता है, इसकी स्थापना 1971 में हुई थी। वेदों को पारंपरिक रूप से ज्ञान का गहन कोष माना गया है। विश्वविद्यालय के वेद-वेदांग पीठ में छह विभाग शामिल हैं। इन विभागों में छात्रों को वेद, पुरोहित, व्याकरण, ज्योतिष, वास्तु शास्त्र और धर्मशास्त्र जैसे शास्त्रों का अध्यापन करवाया जाता हैं। धर्मशास्त्र विभाग स्मृति परंपरा के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्राचीन भारतीय कानून प्रणाली को, विशेष रूप से महिलाओं के संपत्ति अधिकारों और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के क्षेत्र को समझने के लिए अति महत्त्वपूर्ण है। प्रिवी-काउंसिल, सुप्रीम कोर्ट और अन्य अधीनस्थ न्यायालयों के निर्णयों के घटकों को भी छात्रों में जागरूकता उत्पादन हेतु विशेष पाठ्यक्रम के रूप में शामिल किया गया है। पीठ में मानव अधिकार, संस्कृति, कानून अध्ययन और पर्यावरण शामिल हैं, जो सभी समकालीन परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता और रुचियुक्त विषय हैं। पौरोहित्य, वेद-धर्मशास्त्र और ज्योतिष की एक सटीक परिभाषा है, जिसमें विद्वान बहु-विषयक परियोजनाओं पर प्रयासरत हैं। विश्वप्रसिद्ध पूजाओं एवं अनुष्ठानों का अध्ययन अध्यापन इस पीठ द्वारा करवाया जाता है।

ख. उद्देश्य

विश्व का सार वेदों और वेदांगों में निहित है और यह अपनी वैज्ञानिकता के कारण विश्व में प्रसिद्ध हैं। विश्वविद्यालय में वेद और वेदांग पीठ का उद्देश्य छात्रों को भारतीय संस्कृति की विरासत से परिचित कराना है और इसका प्रचार करना है इसमें निहित वैज्ञानिक तथ्यों को शोध के माध्यम से प्रस्तुत किया जाये यही पीठ का उद्देश्य है।

अनुसन्धान के संभावित क्षेत्र

1. वेदों में विज्ञान।
2. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में वेद।
3. विश्व कल्याण का साधन: वेद।
4. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में व्याकरण।
5. भाषाविज्ञान।
6. कंप्यूटर और पाणिनी व्याकरण।
7. धर्मशास्त्र में न्याय व्यवस्था।
8. आधुनिक सामाजिक समस्या के संदर्भ में स्मृति पाठ का पुनरीक्षण।
9. प्रौद्योगिकी के परिप्रेक्ष्य में वास्तु।
10. आधुनिक वास्तुकला में प्राचीन भारत के वास्तु विज्ञान की उपयोगिता।
11. ज्योतिष में विज्ञान।
12. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में ज्योतिष।
13. प्राचीन वैदिक परंपराओं पर शोध।

विशेषतायें

- सस्वर वेदों का अभ्यास।
- श्रौत यज्ञों का अभ्यास।
- श्रौत यज्ञ पात्र और स्मार्त यज्ञ पात्र संग्रह।
- डेमो यज्ञशाला।
- वेधशाला।
- तारामंडल।
- पंचांग निर्माण।
- विश्वविद्यालय के एस.पी.ए. और वास्तु विभाग के बीच समझौता ज्ञापन।
- पत्रिका प्रकाशन

ग. पीठ का विवरण

क्र.सं.	विभाग	पदनाम	प्राध्यापकों की संख्या
1.	वेद	आचार्य	02
		सह-आचार्य	03
2.	पौरोहित्य	आचार्य	02
3.	धर्मशास्त्र	आचार्य	02
		सहायक आचार्य	02
4.	व्याकरण	आचार्य	03
		सह-आचार्य	01
		सहायक आचार्य	02
5.	ज्योतिष	आचार्य	06
		सह-आचार्य	03
6.	वास्तु शास्त्र	आचार्य	01
		सह-आचार्य	01
		सहायक आचार्य	04

घ. शोध मार्गदर्शन का विवरण

क्र.सं	पर्यवेक्षक का नाम	शोध विषय	शोध छात्रों की संख्या
1.	डॉ. देवेन्द्र प्रसाद मिश्र	वेद	1
2.	प्रो. बृन्दावन दास	पौरोहित्य	1
3.	प्रो. रामराज उपाध्याय	पौरोहित्य	1
4.	प्रो. यशवीर सिंह	धर्मशास्त्र	1
5.	प्रो. जयकान्त सिंह शर्मा	नव्य व्याकरण	1
6.	प्रो. रामसलाही द्विवेदी	नव्य व्याकरण	1
7.	डॉ. धर्मपाल प्रजापत	नव्य व्याकरण	1
8.	प्रो. प्रेम कुमार शर्मा	ज्योतिष	2
9.	प्रो. बिहारी लाल शर्मा	ज्योतिष	1
10.	प्रो. विनोद कुमार शर्मा	ज्योतिष	2
11.	प्रो. नीलम ठगेला	ज्योतिष	1
12	प्रो. दिवाकर दत्त शर्मा	ज्योतिष	1
13	प्रो. परमानन्द भारद्वाज	ज्योतिष	1
14	डॉ. फणीन्द्र कुमार चौधरी	ज्योतिष	2
15	डॉ. रश्मि चतुर्वेदी	ज्योतिष	1
		कुल	**18**

ङ. नामांकित छात्रों का विवरण (श्रेणी अनुसार)

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	सामान्य		अनु. जाति		अनु.जन जाति		दिव्यांगजन		पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग		कुल		कुल योग
		पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	
1	स्नातक	187	9	2	0	0	0	0	0	15	2	0	0	7	1	211	12	223
2	स्नातकोत्तर	104	4	3	1	1	0	0	0	6	2	0	0	3	1	117	8	125
3	विद्यावारिधि	5	2	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	7	1	14	3	17
4	कुल	296	15	5	1	1	0	0	0	23	4	0	0	17	3	342	23	365

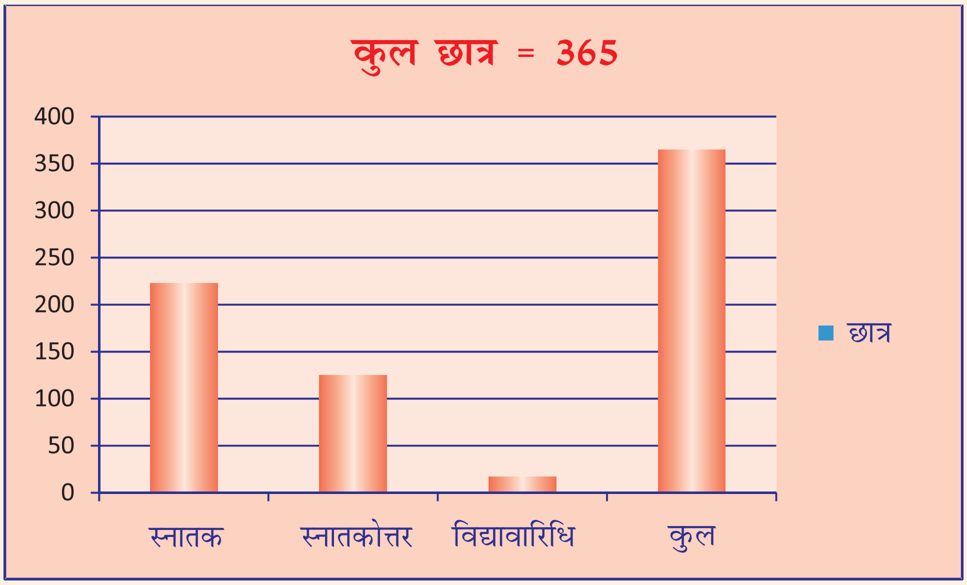

च. पीठ के अनुसंधान प्रकाशन

लेखक का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	जर्नल का शीर्षक/पीयर रिव्यूइंग/संपादित वॉल्यूम/प्रकाशित पुस्तकों/कार्यवाही में अध्याय/पेपर्स	आईएसबीएन संख्या
प्रो. सुजाता त्रिपाठी	एटिमोलोजि ऑफ सम नेम्स फ्रॉम ललिता सहस्त्रनाम	वाई.टी.ए. योगतन्त्र-आगम	आईएसएसएन: 2454-888X
डॉ. दयाल सिंह पंवार	व्याकरणशास्त्रे वर्णितानां पारिभाषिकाणां सामाजिकोपयोगिता वर्ण-समीक्षा के आलोक में वागुत्पत्ति-विमर्श	पाणिनीय नेशनल जर्नल ऑफ हिन्दी एंड संस्कृत रिसर्च	आईएसएसएन: 2321-76626 आईएसएसएन: 2454-9177
डॉ. सूर्यमणि भण्डारी	प्रातिशाख्यपाणिनीयव्याकरणयोर्दृष्ट्या स्वरितस्वरविमर्शः	शोधप्रभा	आईएसएसएन: 0974-8946
डॉ. देशबन्धु	वास्तुशास्त्रपरम्परायां प्राचीनार्वाचीनमतानुसारं मृत्तिकापरीक्षणम् (सह-लेखकः) वास्तुशास्त्रदृष्ट्या बहुतलीयावासीय-भवनेषु शालविधानविमर्शः (सह-लेखकः) ए स्टडी ऑफ एनईपी 2020 विद स्पेशल रेफरेंस तो लैंग्वेज	शिक्षाप्रियदर्शिनी वास्तुशास्त्र विमर्श ट्रैन्जिशन् एंड ट्रांस्फोर्मेशन इन एकैडमिक लाइब्रेरीज एंड हायर एजुकेशन	आईएसएसएन: 2454-1230 आईएसएसएन: 0976-4321 978-93-87698-87-1
डॉ. योगीन्द्र कुमार शर्मा	वास्तुशास्त्र में देश की अवधारणा एवं भेद	वास्तुशास्त्र विमर्श	आईएसएसएन: 0976-4321
डॉ. प्रवेश व्यास	राजवल्लभवास्तुशास्त्रानुसारेण गृहारम्भे मासविचारः (सह-लेखक) विश्वकर्मणः प्रतिमाविज्ञानम् (सह-लेखक)	वास्तुशास्त्र विमर्श वास्तुशास्त्र विमर्श	आईएसएसएन: 0976-4321 आईएसएसएन: 0976-4321

छ. विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

क्र.सं.	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	अवधि
1.	वेद	संस्कृतभाषा परिष्कार कार्यशाला	1407.2021 से 23.07.2021 तक
		द्विदिवसीय श्रौतयाग आयोजनम्	13.03.2022 से 14.03.2022 तक
		वेदवेदांगपीठ द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में वैदिक यागों का आधिदैविक एवं अध्यात्मिक स्वरूप विषय पर एक सत्र का आयोजन	23.03.2022
2.	धर्मशास्त्र	वेदवेदांगपीठ द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में राजधर्म विषय पर एक सत्र का आयोजन	24.03.2022
3.	व्याकरण	संस्कृतभाषा कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला	03.03.2022 से 09.03.2022 तक
		त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी	24.03.2022 से 25.03.2022 तक
		आचार्य रमाकान्त उपाध्याय स्मारक व्याख्यानमाला	10.03.2022
		पद्मश्री डॉ. मण्डनमिश्र स्मारक व्याख्यानमाला	15.03.2022
4.	ज्योतिष	वि.सं.२०७९-विद्यापीठ पञ्चांग कार्यशाला	28.10.2021 से 30.10.2021 तक
5.	वास्तुशास्त्र	वास्तुसंरक्षणे पर्यावरणम् विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी	24.12.2021 से 26.12.2021 तक
		वेदवेदांगपीठ द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में वास्तुशास्त्र पर्यावरणञ्च विषय पर एक सत्र का आयोजन	25.03.2022
		व्याख्यानमाला	03.03.2021 से 25.03.2021 तक
		विशिष्टव्याख्यानम्-I	26.03.2022
		विशिष्टव्याख्यानम्-II	28.03.2022

II. दर्शनशास्त्र पीठ एवं सम्बंधित विभाग

पीठ प्रमुख
प्रो. केदार प्रसाद परोहा

विभाग

न्याय विभागाध्यक्ष
प्रो. महानंद झा

सांख्य योग विभागाध्यक्ष
प्रो. मार्कण्डेय नाथ तिवारी

योग विज्ञान विभागाध्यक्ष
प्रो. महेश प्रसाद सिलोड़ी

जैन दर्शन विभागाध्यक्ष
प्रो. कुलदीप कुमार

सर्वदर्शन विभागाध्यक्ष
प्रो. प्रभाकर प्रसाद

मीमांसा विभागाध्यक्ष
प्रो. ए.एस. आरावमुदन

विशिष्टाद्वैत वेदांत विभागाध्यक्ष
डॉ. सुदर्शनन एस.

अद्वैत वेदान्त विभागाध्यक्ष
प्रो. के. अनन्त

क. पीठ के विषय में

प्राचीन विद्वानों द्वारा परिकल्पित और शास्त्रों में परिलक्षित पारंपरिक भारतीय दर्शन के क्षेत्र में उच्च ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए दर्शनशास्त्र पीठ की स्थापना की गई थी। विश्वविद्यालय भारतीय दर्शन की विशिष्ट शाखाओं में अधिकेन्द्रित एवं गहन अध्ययन की सुविधा प्रदान करता है, जबकि पारंपरिक विश्वविद्यालय दर्शन की सामान्य शिक्षण-अधिगम सुविधायें प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, जैन दर्शन विभाग अपनी विशेषताओं के कारण हिंदू दर्शन के साथ कई समानताएं साझा करता है। परमाणु सिद्धांत, कर्म सिद्धांत, अनेकांतवाद सिद्धांत, स्याद्वाद सिद्धांत, न्यायवाद सिद्धांत, अहिंसा सिद्धांत, आध्यात्मिकता, मध्यस्थता के तरीके और अहिंसा सभी आज की आधुनिक परिप्रेक्ष्य, समाज और राष्ट्र के लिए अनुकूल सिद्ध होते हैं। इसके अतिरिक्त, मीमांसा के व्याख्या के मानदंडों में दिए गए विशिष्ट निर्णयों के परिणामस्वरूप मीमांसा विभाग ने राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया है। छात्रों को समकालीन समस्यायों और मुद्दों के समाधान के लिए प्राचीन ग्रंथों का उपयोग किस प्रकार से किया जा सकता है, इस विषय में भी शिक्षित किया जाता है। सांख्य और योग इस बात में पूरक हैं कि सांख्य प्रकृति (पदार्थ) और पुरुष की अवधारणाओं की खोज करता है, लेकिन योग गहन मनोविज्ञान पर अधिक बल देता है और विविध उपायों के अभ्यास के माध्यम से मानव आत्म-उन्नयन में विश्वास करता है। सांख्य की प्राचीन परंपरा, जो सत्व-रज और तमस की धारणा को प्रतिपादित करती है, वह न्यूटन के गति के नियमों से जुड़ी हुई है और हमें क्वांटम भौतिकी को समझने के लिए प्रेरित करती है। संकाय सदस्यों के पर्यवेक्षण में, पीठीय छात्रों के लिए प्रमुख दार्शनिक मुद्दों पर शास्त्रार्थ का आयोजन किया जाता है।

ख. उद्देश्य

विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र पीठ का उद्देश्य छात्रों को भारतीय दर्शन की परंपराओं से अवगत कराना और उसमें निहित ज्ञान को दुनिया के समक्ष लेकर आने में सक्षम बनाना है। पीठ का लक्ष्य भारतीय दार्शनिक विषयों के बारे में गहन शोध करना और छात्रों में सामाजिक रूप से उपयोगी ज्ञान का निर्माण करना है।

अनुसन्धान के संभावित क्षेत्र	1. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारतीय दर्शन। 2. भारतीय दर्शन और जीवन। 3. दर्शन में वैज्ञानिक तथ्य। 4. आधुनिक विज्ञान और दार्शनिक विचार। 5. दर्शनशास्त्र में मानवीय मूल्य। 6. पारंपरिक दर्शन ग्रंथों को सीखने एवं उनकी रक्षा की विधि का प्रचार करें। 7. समाज और न्याय शास्त्र के बीच कार्य प्रणाली
विशेषतायें	• योग के सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक अभ्यास। • वेदांतिक ग्रंथों की दुर्लभ पाण्डुलिपियों का प्रकाशन

ग. पीठ का विवरण

क्र.सं.	विभाग	पदनाम	प्राध्यापकों की संख्या
1.	न्याय	आचार्य	03
		सह-आचार्य	01
2.	सांख्य योग	आचार्य	02
3.	योग विज्ञान	सहायक आचार्य	03
4.	जैन दर्शन	आचार्य	03
5.	सर्व दर्शन	आचार्य	04
		सहायक आचार्य	01
6.	मीमांसा	आचार्य	01
		सहायक आचार्य	01
7.	विशिष्टाद्वैत वेदान्त	आचार्य	02
		सह-आचार्य	01
8.	अद्वैत वेदान्त	सह-आचार्य	01

घ. शोध मार्गदर्शन का विवरण

क्र.सं	पर्यवेक्षक का नाम	शोध विषय	शोध छात्रों की संख्या
1.	प्रो. पीयूषकान्त दीक्षित	नव्य न्याय	1
2.	प्रो. बिष्णुपद महापात्र	नव्य न्याय	1
3.	प्रो. महानन्द झा	नव्य न्याय	1
4.	प्रो. कुलदीप कुमार	जैन दर्शन	3
5.	प्रो. अनेकान्त कुमार जैन	जैन दर्शन	3
6.	प्रो. वीर सागर जैन	जैन दर्शन	2
7.	प्रो. संगीता खन्ना	सर्वदर्शन	5
8.	प्रो प्रभाकर प्रसाद	सर्वदर्शन	1

9.	प्रो जवाहर लाल	सर्वदर्शन	1
10.	प्रो. के. अनन्त	विशिष्टाद्वैत वेदान्त	2
11.	प्रो. केदार प्रसाद परोहा	विशिष्टाद्वैत वेदान्त	1
12.	डॉ. सुदर्शनन एस	विशिष्टाद्वैत वेदान्त	2
		कुल	**23**

ङ. नामांकित छात्रों का विवरण (श्रेणी अनुसार)

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	सामान्य		अनु. जाति		अनु.जन जाति		दिव्यांगजन		पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग		कुल		कुल योग
		पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु	स्त्री.	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	
1	स्नातक	67	45	5	5	4	0	0	0	15	14	0	0	4	2	95	66	161
2	स्नातकोत्तर	50	33	6	10	3	0	0	0	12	20	0	0	2	1	73	64	137
4	विद्यावारिधि	11	6	3	1	0	0	0	0	2	2	0	0	4	1	20	10	30
	कुल	128	84	14	16	7	0	0	0	29	36	0	0	10	4	188	140	328

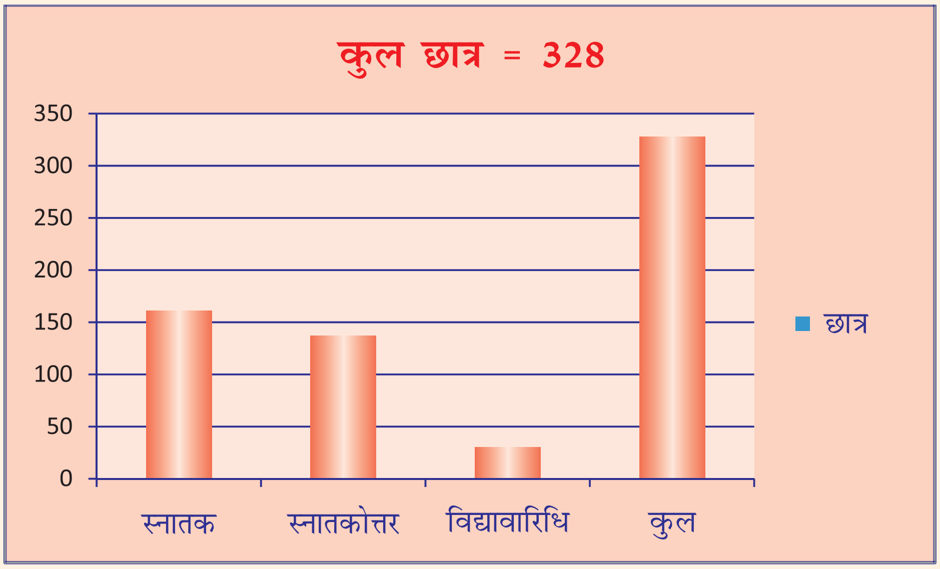

च. पीठ के अनुसंधान प्रकाशन

लेखक का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	जर्नल का शीर्षक/पीयर रिव्यूइंग/संपादित वॉल्यूम/प्रकाशित पुस्तकों/कार्यवाही में अध्याय/पेपर्स	आईएसबीएन संख्या
प्रो. कुलदीप कुमार	शिशुपालवधे दार्शनिक-तत्त्वानां विवेचनम्	व्यासश्रीः	आईएसएसएनः 2320-2025
	जैनाचार्यों की दृष्टि में चेतना का स्वरूप	प्राकृतविद्या	आईएसएसएनः 0971-796X
	अर्हद्दर्शने सम्यग्ज्ञानविवेचनम्	हरिप्रभा	आईएसएसएनः 2278-0416
डॉ. सुदर्शनन एस.	श्रीगोदादेव्यास्तुततिरुप्पावै-प्रबन्धस्यप्रथमपाशुरस्य वेदान्तपरत्वसमीक्षणम्	सुमंगली	आईएसएसएनः 2229-6336
	श्रीसम्प्रदायकुलनन्दिनी श्री गोदा	सुमंगली	आईएसएसएनः 2229-6336

छ. विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

क्र.सं.	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	अवधि
1.	सांख्ययोग	दशदिवसीय अभासीय योग प्रशिक्षण कार्यशाला	03.05.2021 से 12.05.2021 तक
		बुद्धपूर्णिमा के अवसर पर आभासीय विशिष्ट व्याख्यान	26.05.2021
		सांख्यगंगा विशिष्टव्याख्यान	06.07.2021
		योगप्रशिक्षण-एवं-सांख्ययोग सिद्धान्तविमर्श आभासीय कार्यशाला	22.01.2022 से 31.01.2022 तक
		विभागीय संगोष्ठी	09.03.2022 से 11.03.2022 तक
		सांख्यकारिका स्वाध्याय कार्यशाला (आभासीयप्रत्यक्षद्विधा)	25.02.02022 से 01.04.2022 तक
2.	सर्वदर्शन	राष्ट्रिय संगोष्ठीः भारतीय दर्शनेषु विमर्शः	09-11 मार्च 2022 तक
		आचार्य गौरीनाथ शास्त्री स्मारक व्याख्यान	09-10 मार्च 2022 तक
		आचार्य पट्टाभिराम शास्त्री स्मारक व्याख्यान	09-10 मार्च 2022 तक

III. साहित्य एवं संस्कृति पीठ एवं सम्बंधित विभाग

पीठ प्रमुख
प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ला

विभाग

साहित्य विभागाध्यक्ष
प्रो. धर्मानन्द राउत

पुराणेतिहास विभागाध्यक्ष
प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ला

प्राकृत विभागाध्यक्ष
प्रो. कल्पना जैन

क. पीठ के विषय में

यह पीठ विश्वविद्यालय के सर्वप्राचीन संकाय में से अन्यतम है, जिसकी स्थापना से यह अस्तित्व में है। साहित्य और संस्कृति पीठ शिक्षार्थियों को साहित्य, पुराणेतिहस और प्राकृत के अध्ययन का अवसर प्रदान करता है। यह पीठ भारतीय परंपरा, सामाजिक व्यवस्था और भूगोल के पुराण-आधारित ज्ञानधारा को प्रवाहित कर रहा है। पुराण अनुसंधान का भारतीय पर्यटन, भारतीय चिकित्सा, भारतीय व्यंजन, भारतीय कथा परंपरा और भारतीय व्यवहार जैसे विषयों पर व्यापक प्रभाव हो सकता है, जो आविश्व के लोगों के लिए रुचिकर है। पुराण अनेक प्रकार के ज्ञान का सारांश हैं। पुराणों का उपयोग छात्रों को भारतीय कथा परंपरा से परिचित कराने के लिए किया जाता है। यह बहु-विषयक शोध करने का अवसर भी प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, संकाय सदस्यों के पर्यवेक्षण में विविध शास्त्रीय क्षेत्रों में अनुसंधान किया जाता है। वर्ष के दौरान, विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों और युवा उत्सवों का आयोजन किया जाता है।

ख. उद्देश्य

साहित्य किसी संस्कृति को जानने का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। विश्वविद्यालय के साहित्य और संस्कृति पीठ का उद्देश्य है कि छात्र संस्कृत साहित्य के माध्यम से अपनी संस्कृति को जानें। प्राचीन भारतीय संस्कृति के गौरव को आधुनिक समाज से परिचित कराएं। पीठ का लक्ष्य है कि छात्र साहित्य, पुराण, इतिहास और प्राकृत भाषा आदि विषयों का अध्ययन कर एक सुविकसित साहित्यिक परंपरा से परिचित हों।

अनुसन्धान के संभावित क्षेत्र	1.	संस्कृत साहित्य में भारत और भारतीय संस्कृति।
	2.	आधुनिक परिप्रेक्ष्य में संस्कृत साहित्य का महत्व।
	3.	भारतीय संस्कृति में संस्कृत साहित्य का योगदान।
	4.	संस्कृत साहित्य का इतिहास।
	5.	आधुनिक परिप्रेक्ष्य में पुराणों और इतिहास ग्रंथों का महत्व।
	6.	पुराणों और इतिहास ग्रंथों में विश्व कल्याण।
	7.	गीता में स्व प्रबंधन और विज्ञान।
	8.	कौटिल्य, शुक्राचार्य एवं बृहस्पति पाठों का अध्ययन
	9.	वेदों में प्राकृत के शब्दों की बहुलता।
	10.	प्राकृत साहित्य में जीवन मूल्य।
	11.	आधुनिक समस्याओं के संबंध में राजनीतिक विचार
	12.	प्राकृत और अपभ्रंश अप्रकाशित पांडुलिपियों का संरक्षण और संपादन।
विशेषतायें	●	बृहत त्रयी कोष योजना।
	●	नेट/जे.आर.एफ. के लिए अतिरिक्त कक्षाएं।

ग. पीठ का विवरण

क्र.सं.	विभाग	पद	प्राध्यापकों की संख्या
1.	साहित्य	आचार्य	04
		सह आचार्य	01
		सहायक आचार्य	03
2.	पुराणेतिहास	आचार्य	01
3.	प्राकृत	आचार्य	02

घ. शोध मार्गदर्शन का विवरण

क्र.सं	शोधनिर्देशक का नाम	शोध विषय	शोध छात्रों की संख्या
1.	प्रो. भागीरथी नन्द	साहित्य	2
2.	प्रो. धर्मानन्द राउत	साहित्य	1
3.	प्रो. सुमन कुमार झा	साहित्य	1
4.	डॉ. अरविन्द कुमार	साहित्य	1
5.	डॉ. बी. कामक्षम्मा	साहित्य	1
6.	डॉ. सौरभ दुबे	साहित्य	1
7.	प्रो. कल्पना जैन	प्राकृत	2
		कुल	**09**

ङ. नामांकित छात्रों का विवरण (श्रेणी अनुसार)

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	सामान्य		अनु. जाति		अनु.जन जाति		दिव्यांगजन		पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग		कुल		कुल योग
		पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु	स्त्री.	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	
1	स्नातक	45	12	0	2	1	0	0	0	5	1	0	0	3	0	54	15	69
2	स्नातकोत्तर	27	8	2	0	0	0	0	0	2	4	0	0	0	0	31	12	43
3	विद्यावारिधि	1	3	3	1	0	0	0	0	3	2	0	0	1	3	8	9	17
4	कुल	73	23	5	3	1	0	0	0	10	7	0	0	4	3	93	36	129

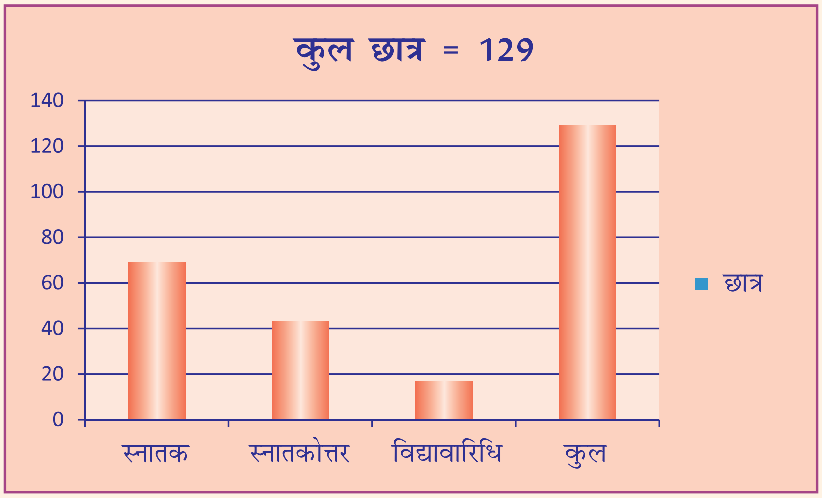

च. पीठ के शोध प्रकाशन

लेखक का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	जर्नल का शीर्षक/पीयर रिव्यूइंग/संपादित वॉल्यूम/प्रकाशित पुस्तकों/कार्यवाही में अध्याय/पेपर्स	आईएसबीएन संख्या
प्रो. सुदीप कुमार जैन	प्राकृत समय	आलेख भारतीय ज्ञानपीठ	978-93-906-59-924
प्रो. कल्पना जैन	प्राकृत विद्या	प्राकृत ग्रन्थों में वर्धित स्वास्थ्य	0971-796-X

छ. विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

क्र.सं.	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	अवधि
1.	साहित्य एवं संस्कृति	राष्ट्रीय संगोष्ठी	14 से 16 मार्च 2022
	प्राकृत	आचार्य कुन्द कुन्द भारती व्याख्यान	17 मार्च 2022
		आचार्य विद्यानन्द मुनिराज व्याख्यान	17 मार्च 2022

IV. आधुनिक विषय पीठ एवं सम्बंधित विभाग

पीठ अध्यक्ष
प्रो. सविता

विभाग

- **मानविकी विभागाध्यक्ष**
  प्रो. मीनू कश्यप
- **आधुनिक ज्ञान विभागाध्यक्ष**
  डॉ. आदेश कुमार
- **शोध विभागाध्यक्ष**
  प्रो. शिवशंकर मिश्र
- **हिन्दू अध्ययन विभागाध्यक्ष**
  प्रो. शिवशंकर मिश्र

क. पीठ के विषय में

पीठ का मुख्य उद्देश्य संस्कृत में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों को विज्ञान के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और आधुनिक तकनीकों में विकसित करना विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार आधुनिक विद्यापीठ शोध छात्रों को षाण्मासिक कोर्स पाठ्यक्रम में अनुसंधान पद्धति और साहित्य की समीक्षा के क्षेत्र में प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान कर रहा है। आधुनिक विद्या पीठ के अंतर्गत पारंपरिक विषयों के अतिरिक्त हिंदी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान और संगणक अनुप्रयोग, पर्यावरण विज्ञान और मानवाधिकार जैसे आधुनिक विषय भी पढ़ाए जा रहे हैं।

ख. उद्देश्य

आधुनिक विषय पीठ का उद्देश्य छात्रों में न केवल एकतरफा विकास बल्कि सर्वांगीण विकास प्रदान करना और विभिन्न विषयों में छात्रों में अनुसंधान संबंधी क्षमताओं को उत्पन्न करना है। छात्रों में न केवल शारीरिक और मानसिक विकास, बल्कि मानवीय मूल्यों का भी विकास होता है।

अनुसन्धान के संभावित क्षेत्र	1. कंप्यूटर और पाणिनी व्याकरण। 2. वेदों में पर्यावरण। 3. भाषाविज्ञान। 4. भारतीय संस्कृति और संस्कृत वांगमय। 5. आधुनिक विज्ञान और संस्कृत। 6. मानव अधिकार और मानव मूल्य संस्कृत वांगमय में। 7. संस्कृत साहित्य में राजनीतिक विचार। 8. संस्कृत वांगमय में पर्यावरण शिक्षा।
विशेषतायें	• नवाचार के लिए छात्रों को कंप्यूटर और पर्यावरण राजनीति आदि का ज्ञान दिया जाता है ताकि छात्र विभिन्न क्षेत्रों में खुद को विकसित कर सकें।

ग. शोध दिशानिर्देश विवरण

क्र.सं.	शोधनिर्देशक का नाम	शोध विषय	शोध छात्रों की संख्या
1.	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय	साहित्य	1
		कुल	1

घ. पीठ का विवरण

क्र.सं.	विभाग	पद	प्राध्यापकों की संख्या
1.	मानविकी	आचार्य	03
		सहायक-आचार्य	02
2.	आधुनिक ज्ञान	सह-आचार्य	01
		सहायक-आचार्य	02
3.	शोध	आचार्य	02
4.	हिन्दू अध्ययन	-	-

ङ. विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

क्र.सं.	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	अवधि
1.	आधुनिक ज्ञान	द्विदिवसीय अंतरविषयक संगोष्ठी	17-18 फरवरी 2022
		साइबर जागरूकता दिवस	प्रतिमाह प्रथम गुरूवार
		राष्ट्रिय संगोष्ठी	17-18 फरवरी 2022
2.	शोध	पाण्डुलिपि विज्ञान एवं लिपिविज्ञान कार्यशाला	26 फरवरी से 7 मार्च, 2022
		आचार्य वाचस्पति उपाध्याय स्मारक व्याख्यानमाला	08 मार्च 2022

V. शिक्षाशास्त्र पीठ एवं सम्बंधित विभाग

पीठ अध्यक्ष
प्रो. सदन सिंह

विभाग

शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष
प्रो. सदन सिंह

क. पीठ के विषय में

शिक्षाशास्त्र पीठ की स्थापना 1987 में की गयी और तब से यह पीठ आधुनिक ज्ञान विज्ञान संकाय के तत्वावधान में कार्यरत है, जो विश्वविद्यालय के नोडल संकायों में से एक है। प्रतिबद्धता, क्षमता और आत्मविश्वास के साथ संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में से संस्कृत शिक्षक निर्माण के लिए अग्रणी केंद्रों में से अन्यतम है। इसका उद्देश्य वैश्वीकरण, आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकी समर्थित शैक्षिक कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप प्रसारित की जा रही आकांक्षाओं और आदर्शों के साथ तालमेल प्रदान करना है। यह कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है और संस्कृत भाषा अध्यापन में दक्षताओं का निर्माण करता है। यह पीठ बी.एड., एम.एड., और पी.एचडी कार्यक्रमों की व्यवस्था शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य और विद्यावारिधि के रूप में प्रदान करता है।

ख. उद्देश्य

शिक्षा शास्त्र के स्कूल का उद्देश्य आधुनिक शिक्षण सामग्री और शिक्षण विधियों के माध्यम से शिक्षार्थियों के मनोवैज्ञानिक और बौद्धिक विकास को विकसित करके भविष्य के शिक्षकों का निर्माण करना है। जिससे समाज में शिक्षा से संबंधित विकास में आ रही बाधाओं को दूर किया जा सकेगा।

अनुसन्धान के संभावित क्षेत्र

1. शिक्षा के दार्शनिक सिद्धान्त।
2. शिक्षा के सामाजिक आधार।
3. शिक्षा का मनोविज्ञान।
4. शिक्षा तकनीक।
5. मापन और मूल्यांकन।
6. शिक्षार्थी अनुकूल शिक्षाशास्त्र

विशेषतायें

- शिक्षण अधिगम केन्द्र
- संसाधन कक्ष और प्रयोगशालायें।
- विभागीय पुस्तकालय।

ग. पीठ का विवरण

क्र.सं.	विभाग	पद	प्राध्यापकों की संख्या
1.	शिक्षाशास्त्र	आचार्य	08
		सहायक आचार्य	19

घ. शोध दिशानिर्देश विवरण

क्र.सं.	शोध निर्देशक का नाम	शोध विषय	शोध छात्रों की संख्या
1.	प्रो सदन सिंह	शिक्षा	1
2.	प्रो. के. भारत भूषण	शिक्षा	1
3.	प्रो. रचना वर्मा मोहन	शिक्षा	1
4.	प्रो. विमलेश शर्मा	शिक्षा	1
5.	प्रो. मीनाक्षी मिश्रा	शिक्षा	1
6.	श्री मनोज कुमार मीणा	शिक्षा	1
		कुल	06

ङ. नामांकित छात्रों का विवरण (श्रेणी अनुसार)

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	सामान्य		अनु. जाति		अनु.जन जाति		दिव्यांगजन		पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग		कुल		कुल योग
		पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु	स्त्री.	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	
1	स्नातक (बी.एड)	93	58	19	49	9	12	3	2	37	66	0	0	18	20	179	207	386
2	स्नातकोत्तर(एम.एड)	12	15	1	1	1	0	2	0	6	5	0	0	8	0	30	21	51
4	विद्यावारिधि	2	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	2	6	2	8
	कुल	107	73	23	50	10	12	5	2	43	71	0	0	27	22	215	230	445

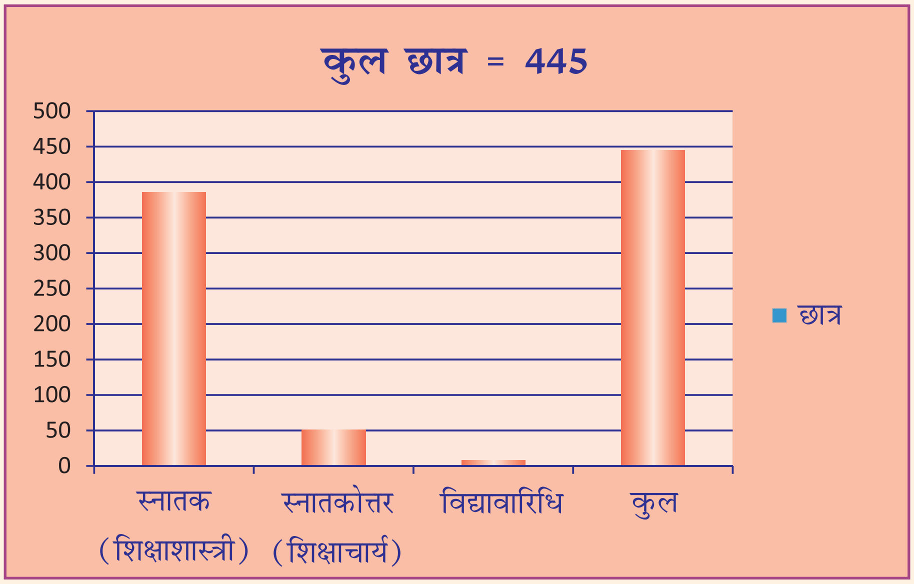

च. पीठ के शोध प्रकाशन

लेखक का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	जर्नल का शीर्षक/पीयर रिव्यूइंग/संपादित वॉल्यूम/प्रकाशित पुस्तकों/कार्यवाही में अध्याय/पेपर्स	आईएसबीएन संख्या
डॉ. अजय कुमार	वैकल्पिक शिक्षा : प्रकृति व्यूह रचनाएं संभावनाएं और विकास का परिप्रेक्ष्य	शिक्षाप्रियदर्शिनी	2454-1230
	राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में पथ्यचार्यागत परिवर्तन	शिक्षाप्रियदर्शिनी	2454-1230

छ. विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

क्र.सं.	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	अवधि
1.	शिक्षाशास्त्र	राष्ट्रिय संगोष्ठी	28-29 मार्च 2022 तक

विश्वविद्यालय के केन्द्र

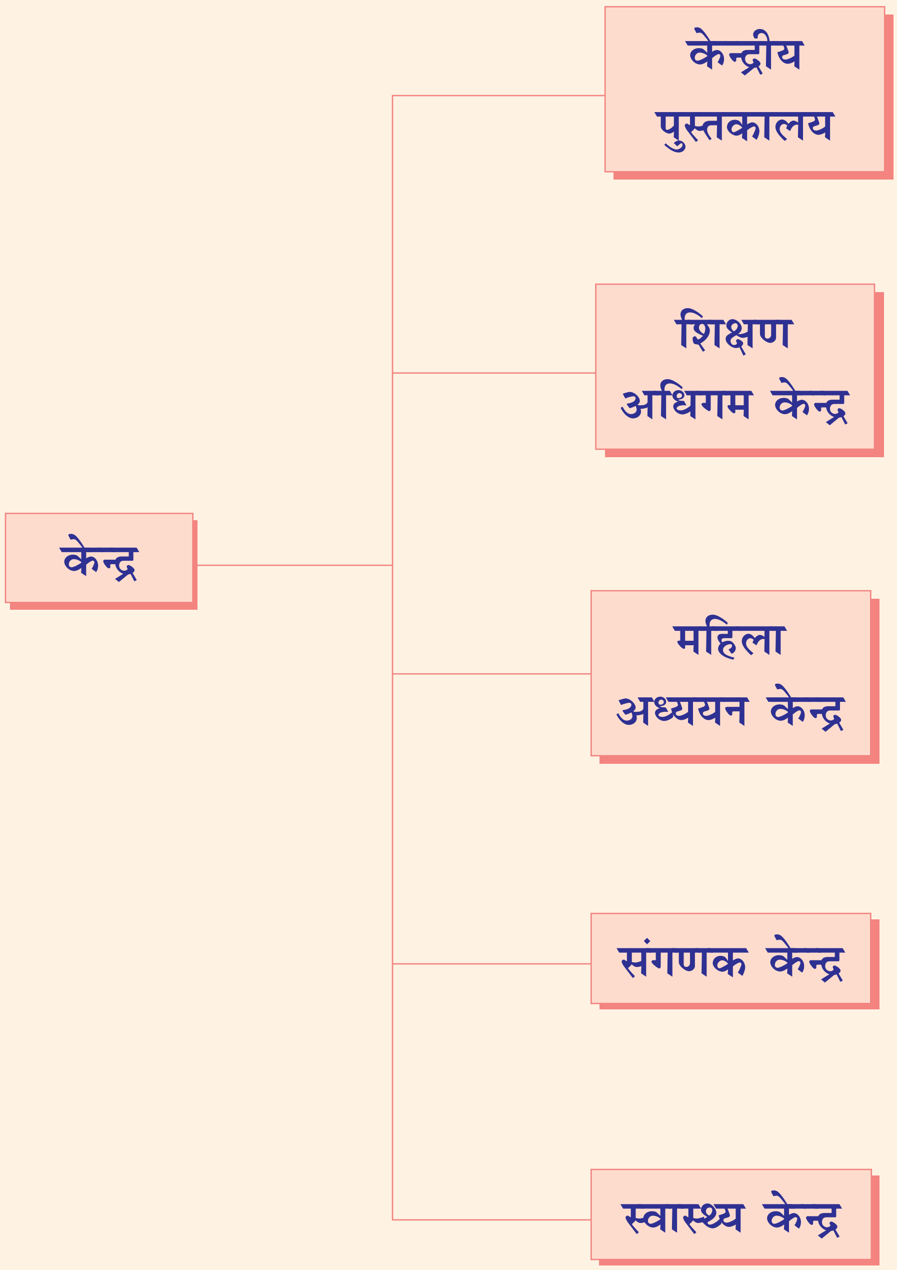

केन्द्रीय पुस्तकालय

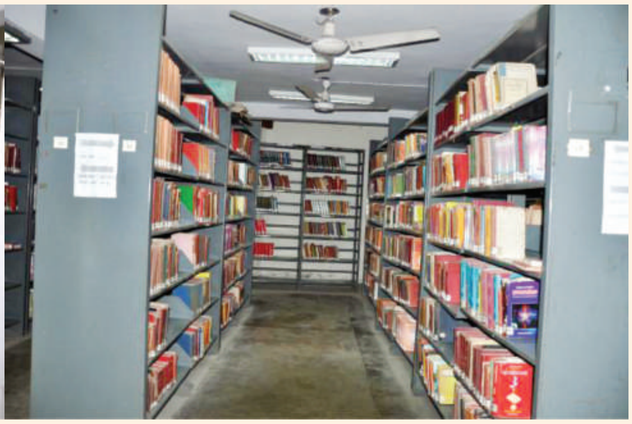

क. पुस्तकालय के विषय में

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का केंद्रीय पुस्तकालय विश्वविद्यालय समुदाय द्वारा आवश्यक जानकारी और ज्ञान संसाधनों तक पहुंच को सुविधाजनक बनाने और संरक्षित करने के साथ-साथ निष्पक्ष सीखने और अनुसंधान के समृद्ध वातावरण तक पहुंच को निष्पक्ष रूप से सक्षम करने के उद्देश्य के साथ अपनी स्थापना से ही अस्तित्व में था। पुस्तकालय को महामहोपाध्याय 'पद्मश्री डॉ. मंडनमिश्र' ग्रंथालय भी कहा जाता है, जिसमें संस्कृत के पारंपरिक और आधुनिक समन्वयिक ज्ञान राशियों का संग्रह विद्यमान है। वेद, पुराण, उपनिषद्, धर्मशास्त्र, योग, ज्योतिष, व्याकरण, वास्तुशास्त्र, साहित्य, दर्शन, पौरोहित्य, आयुर्वेद के साथ-साथ शिक्षा, दर्शन, मनोविज्ञान, हिंदी, अंग्रेजी और अन्य समकालीन विषयों का संग्रह पुस्तकालय को ज्ञान राशि का एक वास्तविक कोष बनाता है।

केंद्रीय पुस्तकालय ने प्रयोक्ता के लिए प्रौद्योगिकी आधारित सेवा शुरू की है।

1. प्लागिरिजमडिटेक्शन सॉफ्टवेयर: केंद्रीय पुस्तकालय इनफ्लिबनेट द्वारा प्रदान किए गए ऑरिजिनल नाम के पी.डी.एस. की मदद से शोधपत्र, संकाय सदस्यों, शोध विद्वानों आदि की थीसिस के लिए साहित्यिक चोरी/समानता की जांच करने में लगी हुई है।
2. आर.एफ.आई.डी. प्रौद्योगिकी।
3. दृष्टि बाधित उपयोगकर्ताओं के लिए सेल्फचेकइन/आउटसिस्टम (कियोस्क) सुविधा।

ख. पुस्तकालय सेवाएं

पुस्तकालय सेवाविध	मौजूदा		नव नियोजित		कुल	
पाठ्य पुस्तकें	3920	26,47,297	5120	31,85,297	9040	58,32,675
संदर्भ पुस्तकें	3288	16,82,266	280	1,24,406	3568	18,06,672
ई पुस्तकें	-		289	8,19,638	289	8,19,672
पत्रिकायें	124	63,243	124	1,31,786	124	1,31,786
ई-पत्रिकायें	06	14,950	06	17,350	06	17,350
डिजिटल डेटा बेस	518	-	-		518	-

ग. पुस्तकालय सॉफ्टवेयर

आई.एल.एम.एस. सॉफ्टवेर का नाम	स्वचालन की प्रकृति (पूर्ण रूप या आंशिक रूप से)	संस्करण	स्वचालन वर्ष
लिब्सेस	पूर्ण रूप से	10	2010-11

घ. संसाधनों का विवरण

संग्रह संसाधन	मार्च 2022 तक
पुस्तकें	114871
धारावाहिक	124
थीसिस	626
अन्य गैर-पुस्तक सामग्री (सीडी)	131

ङ. परिसंचरण सांख्यिकी

सर्कुलेशन डेस्क पुस्तकालय के अंदर और बाहर अध्ययन सामग्री के अवधान हेतु है, बुनियादी दिशात्मक और सूचनात्मक प्रश्नों के साथ सहायता प्रदान करता है, पुस्तकालय विशेषाधिकारों के बारे में जिज्ञासा समाधान करता है और शुल्क-जुर्माना से सम्बधित कार्य भी देखता है।

परिसंचरण संसाधन	अप्रैल 2021-मार्च 2022
निर्गम	2657
प्रत्यर्पित	2133
नवीकरण	539
अन्य गैर-पुस्तक सामग्री	90

च. ई-संसाधन विवरण (प्रत्यक्ष सदस्यता)

केंद्रीय पुस्तकालय छात्रों और शोधार्थियों के लाभ के लिए इलेक्ट्रॉनिक संग्रह की बढ़ती रेंज और संख्या के प्रबंधन के तरीकों और दृष्टिकोण को विकसित कर रहा है। यह प्रतिवेदन विश्वविद्यालय द्वारा इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के उपयोग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के उपयोग की अत्याधुनिक स्थिति की समीक्षा प्रस्तुत करता है।

संसाधन		2021 अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सित	अक्तू	नम्ब.	दिस.	2021 जन.	फर.	मार्च	Total
पुस्तकालय प्रगति (अंतर्राष्ट्रीय)	सदस्यता	2	0	3	1	3	0	3	2	1	0	0	3	18
विश्व डिजिटल पुस्तकालय - आंतरिक जर्नल	सदस्यता	1	1	1	1	1	2	2	0	1	3	4	0	17
ज्ञानकोष - पुस्तकालय और सूचना प्रबंधन जर्नल	सदस्यता	0	2	0	1	5	1	3	3	1	0	3	3	22
पर्ल- पुस्तकालय और सूचना विज्ञान जर्नल	सदस्यता	0	2	1	1	3	1	0	4	0	1	1	7	21
पुस्तकालय हेराल्ड	सदस्यता	2	1	1	1	4	0	3	0	1	0	3	1	17
ज्ञान और संचार प्रबंधन जर्नल	सदस्यता	2	0	4	1	3	1	1	1	1	0	1	1	16
कुल		7	6	10	6	19	5	12	10	5	4	12	15	111

छ. पुस्तकालय कर्मचारियों की विविध कार्यक्रमों में प्रतिभागिता

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	पुस्तकालय से प्रतिभागिता
1.	कॉपीराइट इश्यूज इन डिजिटल एन्वायरनमेंट	23 अप्रैल 2021	01
2.	एकेडमिक इन्टरग्रिटी एंड रिसर्च एथिक्स: टिप्स फॉर रिसर्चरज	12 जून 2021	01
3.	डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन एंड डिस्रप्टिव टेक्नोलॉजी : चैलेजिंग लैंडस्केप ऑफ हायर एजुकेशन	18 जून 2021	01
4.	स्टेट वाइज ऑनलाइन अवेयरनेस प्रोग्राम (पी.डी.सी. शोधशुद्धि)	9 जुलाई 2021	01
5.	पुस्तकालय सेवाओं और एल.आई.एस. शिक्षा में बदलते रुझान विषय पर यू.जी.सी.-प्रायोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	26 अगस्त से 09 सितम्बर 2021 तक	01
6.	राष्ट्रीय ई-कार्यशाला : अनुसंधान पद्धति और प्रकाशन नैतिकता	22 से 26 नवम्बर 2021 तक	01
7.	इम्पैक्ट ऑफ इनफार्मेशन रिसोर्सेज टू एन्हांस एकेडमिक लाइब्रेरी सिस्टम इन करंट सिनेरियो	09 फरवरी 2022	01

ज. पुस्तकालय में कार्यरत कर्मचारियों का विवरण (पदवार)

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	01
2.	प्रोफेशनल सहायक	03
3.	सेमी प्रोफेशनल सहायक	02
4.	पुस्तकालय सहायक	03
5.	पुस्तकालय परिचर	05

शिक्षण अधिगम केन्द्र

क. केन्द्र के विषय में

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के शिक्षण अधिगम केंद्र की स्थापना शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण योजना के अंतर्गत वर्ष 2017 में गई थी। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य भाषा शिक्षा विशेष रूप से संस्कृत से जुड़े शिक्षकों और शिक्षक-प्रशिक्षकों में शिक्षण अधिगम प्रणालियों से सम्बन्धित डिजाइन, विकास, कार्यान्वयन एवं मूल्यांकन के लिए कौशल और दक्षताओं को विकसित करना है। **सन् 2017 में केंद्र की स्थापना के पश्चात से केन्द्र की अध्यक्षता प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज द्वारा की जा रही है।**

ख. कार्यक्रमों का विवरण

कोविड-19 महामारी को ध्यान में रखते हुए केंद्र ने पञ्चम चरण (2021-22) में सात ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशालाओं, दो राष्ट्रीय वेबिनारों एवं चार कार्यशालाओं (तीन कार्यशालायें विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए एवं एक कार्यशाला विश्वविद्यालयीन गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए) का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें 99 विषय विशेषज्ञों के मार्गनिर्देशन से विविध राज्यों के 2950 प्रतिभागी लाभान्वित हुये।

इन कार्यक्रमों का विवरण विषय, तिथि, अवधि और प्रतिभागियों की संख्या के सहित इस प्रकार से है-

आयोजित कार्यक्रमों का विवरण (दिनांक 01 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च, 2022 तक)

क्र.सं.	कार्यक्रम का प्रकार	विषय	दिनांक	अवधि दिनों में	प्रतिभागियों की संख्या
1.	राष्ट्रीय कार्यशाला	विडियो डेवलपमेंट एंड एडिटिंग	19 से 21 मई, 2021 तक	03	90
2.	कार्यशाला	क्रिएटिंग एंड यूसिंग गूगल फॉर्मस	29 मई, 2021	01	125
3.	राष्ट्रीय कार्यशाला	डेवलपमेंट एंड एपलीकेशन ऑफ ओपन एजुकेशनल रेसौरसीज (ओ.ई.आर.एस)	14 से 18 जून, 2021 तक	05	49
4.	राष्ट्रीय वेबिनार	इम्प्लीमेंटेशन ऑफ एन.ई.पी 2020 : ईन कॉन्टेक्स्ट ऑफ संस्कृत एजुकेशन	30 जून, 2021	01	1072
5.	कार्यशाला	ड्राफ्टिंग एंड मैनेजिंग डाक्यूमेंट्स ऑनलाइन	23 जुलाई, 2021	01	66
6.	राष्ट्रीय कार्यशाला	यूज एंड एपलीकेशन ऑफ गूगल टूल्स	9 से 13 अगस्त, 2021 तक	05	66
7.	राष्ट्रीय कार्यशाला	एन्हान्सिंग डिजिटल रिसर्च कोम्पिटेन्सीज	13 से 17 सितम्बर, 2021 तक	05	75
8.	कार्यशाला	डेवलपिंग इफेक्टिव पॉवरपॉइंट प्रेसेंटेशन	8 अक्तूबर, 2021	01	66
9.	राष्ट्रीय कार्यशाला	डीजानिंग एंड डेवलपमेंट ऑफ ई कोर्सज	16 से 18 नवम्बर, 2021 तक	03	42
10.	राष्ट्रीय कार्यशाला	प्रोफेशनल स्किल डेवलपमेंट ऑफ टीचरज	14 से 23 दिसम्बर, 2021 तक	10	45
11.	कार्यशाला	यूज एंड एपलीकेशन ऑफ गूगल ड्राइव	12 जनवरी, 2022	01	57
12.	राष्ट्रीय वेबिनार	इम्प्लीमेंटेशन ऑफ एन.ई.पी 2020 : ईन कॉन्टेक्स्ट ऑफ हायर एजुकेशन	11 फरवरी, 2022	01	1158
13.	राष्ट्रीय कार्यशाला	यूसिंग एंड मैनेजिंग ऑनलाइन टीचिंग एंड एस्सेस्मेंट	7 से 11 मार्च, 2022 तक	05	39

ञ. शिक्षण अधिगम केंद्र में कार्यरत कर्मचारियों का विवरण (पदवार)

क्र.सं.	पद नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	परियोजना प्रमुख	01
2.	प्राध्यापक सदस्य	02
3.	प्रशासनिक अधिकारी	01
4.	लेखा अधिकारी	01
5.	प्रोजेक्ट फैसिलिटेटर	01
6.	कंप्यूटर सहायक	02
7.	कनिष्ठ लिपिक	02
8.	बहुकार्य कर्मचारी	02

महिला अध्ययन केन्द्र

क. केन्द्र के विषय में

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की 10वीं पंचवर्षीय योजना के तहत 2005 में विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केन्द्र की स्थापना की गई थी। 2006 में पीठ सदस्यों को नियुक्त किया गया था, लेकिन उसी वर्ष जनवरी से यह कार्यरत है। विश्वविद्यालय में स्थित केन्द्र का उद्देश्य सूचनाओं का कोष संग्रहण है। महिला अध्ययन केन्द्र तीन प्रमुख विषयों पर केंद्रित है:

1. महिलाओं के अध्ययन के दृष्टिकोण से ऐतिहासिक ग्रंथों का विश्लेषण और पुनर्व्याख्या करना।
2. पूर्व महिला रोल मॉडल की जीत और उपलब्धियों को उजागर करना।
3. भारतीय महिलाओं के गौरवशाली अतीत और सम्मान को पुनर्जीवित करना।

वर्तमान में केन्द्र अस्थायी रूप से स्थगित है।

संगणक केन्द्र

क. केन्द्र के विषय में

विश्वविद्यालय के संगणक केन्द्र ने वर्षों से परिसर में सूचना एवं प्रौद्योगिकी से संबंधित सेवाओं के लिए एक केन्द्र के रूप में कार्य किया है। विश्वविद्यालय के लिए सॉफ्टवेयर विकास में संगणक केन्द्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विश्वविद्यालय संगणक केन्द्र श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सभी संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों को विविध सेवाएं प्रदान करता है। विश्वविद्यालय-व्यापी नेटवर्क के चालू होने के साथ, संगणक केन्द्र सूचना एवं प्रौद्योगिकी जरूरतों के लिए विश्वविद्यालय की सेवा करने के लिए एक अद्वितीय स्थिति में है। यह केन्द्र एक डेटा केन्द्र, उच्च प्रदर्शन संगणन सुविधा, प्रशिक्षण केन्द्र, अत्याधुनिक सर्वर, भंडारण और विभिन्न उन्नत एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर की सुविधा प्रदान करता है। कंप्यूटर केन्द्र विश्वविद्यालय के व्यापक एक जी.बी.पी.एस. फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क का समर्थन करता है जो सभी शैक्षणिक विभागों, छात्रावासों, पुस्तकालयों, बिल्डिंग ब्लॉक्स और अन्य केन्द्रीय सुविधाओं को जोड़ता है। कंप्यूटर केंद्र ई-परिसर सुविधा प्रदान करता है जिसमें इंटरनेट शामिल है, जो उच्च गति और निर्बाध सयुंक्तता के साथ 24x7 के लिए खुला रहता है। प्रयोगशालाओं, छात्रावासों और पुस्तकालयों ने वायर्ड गीगाबिट लैन कनेक्टिविटी और वायरलेस एक्सेस पॉइंट्स के माध्यम से संगणन सुविधाएं प्रदान करता है। विश्वविद्यालय परिसर को वाई-फाई, सक्षम ई-परिसर में बदल दिया गया है। कंप्यूटर केन्द्र संगणन सुविधाओं, प्रशिक्षण, शिक्षण, ई-मेल, वेबसाइट होस्टिंग, विकास और प्रबंधन आदि में विश्वविद्यालय समुदाय को गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करता है। यह शोधकर्ताओं को उनके मूल्यवान डेटा का विश्लेषण करने में मदद करता है, विश्वविद्यालय में इंटरनेट सुविधाओं का विस्तार करता है एवं पहुंच को सक्षम बनाता है। वर्ल्ड वाइड वेब और विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्रों को प्रयोगशाला की सुविधा प्रदान करता है।

ख. वर्तमान सूचना एवं प्रौद्योगिकी अवसंरचना

- विश्वविद्यालय सुसज्जित इन्टरनेट सुविधा युक्त तीन वातानुकूलित प्रयोगशालायें हैं और पाठ्यक्रम के अनुरूप छात्रों में कौशलाभिवृद्धि के लिए एवं नई चुनौतियों का सामना करने के लिए विभिन्न शिक्षण उपकरण जैसे- इंटरेक्टिव बोर्ड, एल.सी.डी., टी.वी., मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर और विभिन्न प्रकार के शैक्षिक सॉफ्टवेयर उपयोग किये जाते हैं।
- विश्वविद्यालय में अन्य प्रयोगशालाएं भी हैं जैसे-भाषा प्रयोगशाला, शैक्षिक प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला और शिक्षा विभाग के लिए कंप्यूटर प्रयोगशाला (शिक्षण अधिगम केन्द्र) जिसमें 126 संगणक और अन्य आवश्यक सूचना एवं प्रौद्योगिकी उपकरण विद्यमान हैं।
- इसके अतिरिक्त, शोधार्थियों और नेट कोचिंग कक्षाओं के लिए सूचना एवं प्रौद्योगिकी उपकरणों के साथ अतिरिक्त दो स्मार्ट क्लासरूम भी स्थापित किए गए हैं।
- विश्वविद्यालय के समारोह/कार्यक्रमों के आयोजन के लिए स्वर्ण जयंती सदन के भू गृह में दो इंटरैक्टिव पैनल स्थापित किए गए हैं।
- विश्वविद्यालय में शिक्षा मंत्रालय के एनकेएन परियोजना के तहत 1.0 जी.बी.पी.एस. पी.आर.आई इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ इंटरनेट सुविधाएं हैं। यह छात्रों, पीठों, शोधकर्ताओं और सभी विभागों को विभिन्न स्रोतों से सभी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने और डाउनलोड करने की सुविधा प्रदान करता है।
- परिसर नेटवर्किंग और वाई-फाई कनेक्टिविटी: विश्वविद्यालय में शिक्षा मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के तहत जियो नेटवर्क के माध्यम से सभी छात्रों, संकायों और विभागों आदि के लिए वाई-फाई की सुविधा है। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय परिसर में इंटरनेट सेवाओं के लिए अपनी आधारभूत नेटवर्क संरचना भी है।
- विश्वविद्यालय ने यूजीसी के एम.ओ.ओ.सी और स्वयं पोर्टल के लिए संस्कृत के विभिन्न विषयों में वीडियो व्याख्यान की रिकॉर्डिंग के लिए आभासी ई-कक्ष की स्थापना की है।
- संस्कृत, हिंदी और अंग्रेजी संस्करणों में विश्वविद्यालय की त्रिभाषी वेबसाइट व्यवस्था है और समय-समय पर इसका आधुनिकीकरण किया जाता है।
- विश्वविद्यालय में 550 विस्तार डिजिटल और एनालॉग लाइनों के साथ ई.पी.ए.बी.एक्स. सुविधा है।
- कंप्यूटर केंद्र समय-समय पर उभरती प्रौद्योगिकीयों जैसे सर्वर, सॉफ्टवेयर, नेटवर्किंग उपकरण आदि के अनुसार अपने उपकरणों का उन्नयन भी करता है।

ग. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

विभिन्न विषयों में नियमित कंप्यूटर विषय के अतिरिक्त, कंप्यूटर केंद्र समय-समय पर छात्रों, शोधार्थियों, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता है ताकि उनके कार्य में उपयोग होने वाले संगणक कौशलों की अभिवृद्धि हो और कामकाजी ज्ञान को बढ़ाया जा सके।

घ. प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

संगणक केंद्र कौशलों एवं ज्ञान अभिवृद्धि और विश्वविद्यालय के लिए राजस्व उत्पन्न करने के लिए कामकाजी पेशेवरों और छात्रों के लिए सप्ताहांत (शनिवार और रविवार) में स्व-वित्तपोषित 06 महीने की अवधि परिमित अंशकालिक डिप्लोमा कंप्यूटर पाठ्यक्रम चलाता है।

- वेब डिजाइनिंग में सर्टिफिकेट
- कंप्यूटर प्रोग्रामिंग में सर्टिफिकेट
- ऑफिस ऑटोमेशन में सर्टिफिकेट

ङ. प्रशिक्षण कार्यक्रम

संगणक केंद्र समय-समय पर गूगल मीट के माध्यम से शिक्षकों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं लेने के लिए ऑनलाइन ट्यूटोरियल और लघु प्रशिक्षण वीडियो आयोजित करता है और अन्य कर्मचारी सदस्यों को इस कोविड-19 महामारी की स्थिति में आभासीय बैठकों में भाग लेने में मदद करता है। इसके अतिरिक्त, संगणक केंद्र विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों और अनुसंधान विद्वानों के लिए उनके संगणकीय कौशलों में आने वाली चुनौतियों का समाधान प्रदान करने में सहायता के लिए अल्पकालिक संगणक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

च. संगणक केन्द्र में निम्नलिखित गैर-शिक्षण कर्मचारी पदस्थापित हैं-

क्र.सं	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर	01
2.	सहायक प्रोग्रामर	01
3.	तकनीकी सहायक	02
4.	लैब अटेंडेट	01

स्वास्थ्य केन्द्र

क. केन्द्र के विषय में-

विश्वविद्यालय का स्वास्थ्य केन्द्र छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को आपातकालीन उपचार एवं सुविधायें प्रदान करता है। आपातकालीन स्थिति में उपचार और स्वास्थ्य जांच के लिए सभी आवश्यक उपकरण स्थापित किए गए हैं। स्वास्थ्य केन्द्र में स्थापित उपकरणों में एक डिफाइब्रिलेटर, एक वॉल्यूमेट्रिक इन्फ्यूजन पम्प, एक ई.सी.जी और मल्टीपल मॉनिटर शामिल हैं। विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केन्द्र में चौबीसों घंटे सभी प्रकार की आपातकालीन स्थितियों को पूरा करने के लिए तीन प्रशिक्षित डॉक्टर एवं एक चिकित्सा सहायक है। स्वास्थ्य केन्द्र में स्त्री रोग विशेषज्ञ और दन्त रोग विशेषज्ञ हैं। यह केन्द्र लाभार्थियों को सप्ताह में दो दिन नियमित लैब नमूने संग्रहण की सुविधा प्रदान करता है। स्वास्थ्य केन्द्र की सेवाओं को विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए चौबीस घंटे संचालित किया जा सकता है। सुविधा का उपयोग विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर समीक्षा और निर्धारित नीतियों द्वारा निर्देशित किया जाएगा।

ख. निम्नलिखित चिकित्सकों द्वारा केन्द्र में सेवाएं प्रदान की जा रही हैं

- डॉ. आर.एन. सिंह (सामान्य चिकित्सक)
- डॉ. मोनिका शर्मा (स्त्री रोग विशेषज्ञ)
- डॉ. नवनीश मनोचा (दन्त रोग विशेषज्ञ)

प्रकोष्ठ एवं इकाईयां

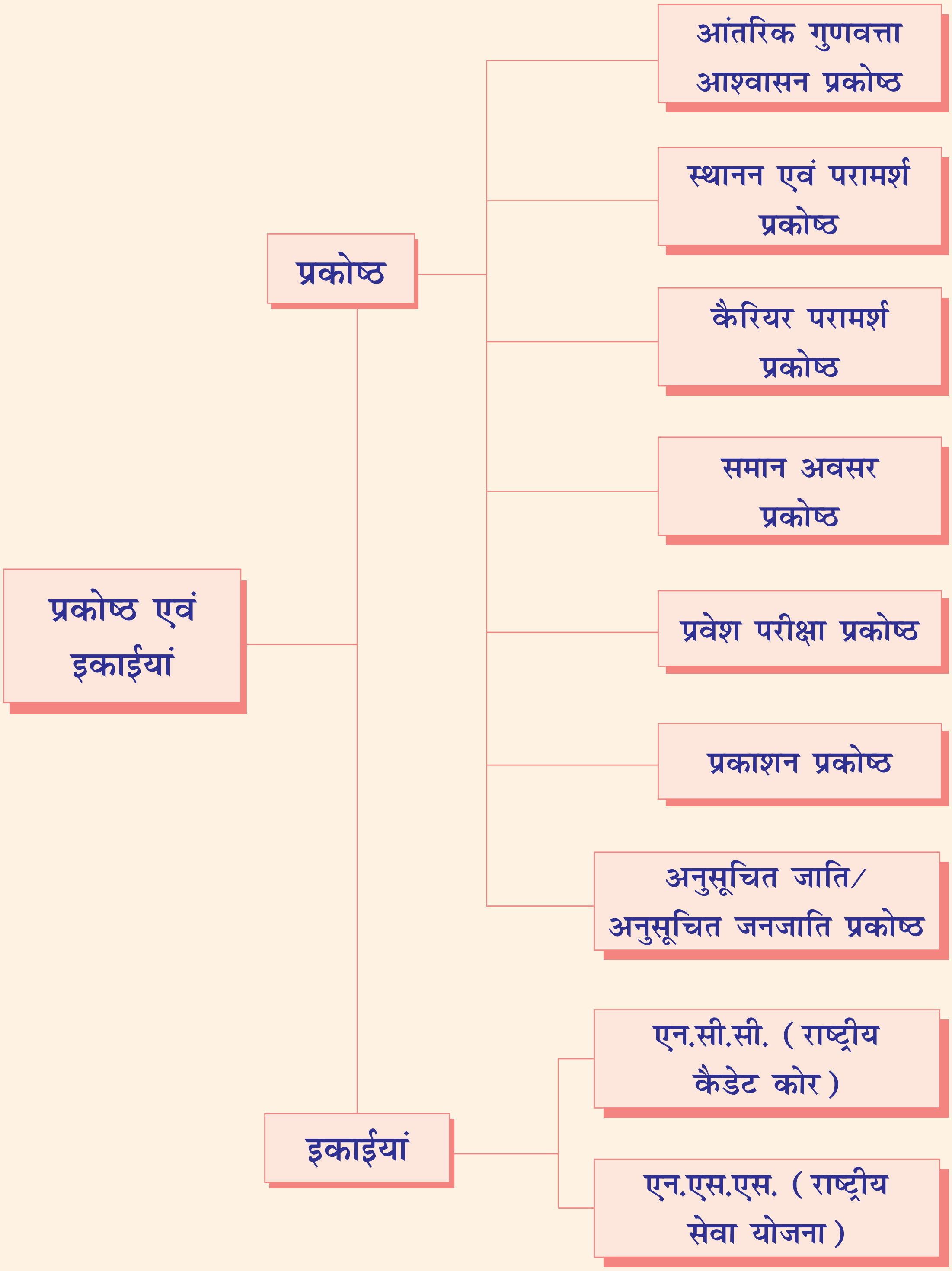

प्रकोष्ठ एवं इकाईयां

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की स्थापना विश्वविद्यालय के प्रयासों और उत्कृष्टता के उपायों को व्यवस्थित करने के लिए एवं विश्वविद्यालय के अकादमिक और प्रशासनिक गतिविधियों में गुणवत्ता विकसित करने के उद्देश्य से की गई है।

अंतर्राष्ट्रीयकरण और सर्वोत्तम प्रथाओं के माध्यम से गुणवत्ता वृद्धि की दिशा में संस्थागत कामकाज के उपायों को बढ़ावा देने के लिए, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की गतिविधियाँ कुलपति की देखरेख में संपन्न की जाती हैं और आगे की कार्रवाई की सिफारिश करता है। **प्रो. बिहारी लाल शर्मा, आचार्य (ज्योतिष) को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) का निदेशक नियुक्त किया गया है।**

अप्रैल 2021-मार्च 2022 की अवधि के दौरान आयोजित बैठकें:-

आई.क्यू.ए.सी. बैठक - 24.09.2021

स्थानन एवं परामर्श प्रकोष्ठ

परिसर स्थानान्तरण सभी उच्च शिक्षा संस्थानों के कैलेंडर में बहुप्रतीक्षित घटनाओं में से एक है। प्लेसमेंट सेल और काउंसलिंग सेल हमारे छात्रों के लिए श्री.ला.ब.शा.रा.सं.वि. की आजीविका प्रतिबद्धता का हिस्सा है। प्रकोष्ठ छात्रों को उपकरण और विभिन्न अन्य सॉफ्ट स्किल्स पर कौशल के सेट के साथ पूरक करने में मदद करने पर ध्यान केन्द्रित करता है जो उन्हें नौकरी खोजने में मदद करेगा। प्रकोष्ठ को आवश्यक दिशा-निर्देशों की जानकारी देनी होगी और विश्वविद्यालय के छात्रों की नियुक्ति के लिए तौर-तरीके तय करने होंगे। प्रकोष्ठ आवश्यकता पड़ने पर किसी विशेषज्ञ सदस्य को सहयोजित कर सकता है। प्लेसमेंट सेल को उचित रिकॉर्ड बनाए रखने की आवश्यकता होगी और प्रस्तुतिकरण करने की आवश्यकता होगी। प्लेसमेंट सेल कार्यशालाओं का आयोजन करता है उद्योग और शैक्षणिक दोनों विधायों के विशेषज्ञों को आमंत्रित करता है। प्रकोष्ठ का संचालन स्टाफ और छात्रों की एक टीम द्वारा किया जाता है जो संबंधित प्लेसमेंट के समन्वय का ध्यान रखते हैं। **इस प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. के. भारतभूषण हैं।**

आजीविका परामर्श प्रकोष्ठ

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कैरियर परामर्श प्रकोष्ठ की स्थापना 11वीं पंचवर्षीय योजना के तहत की गई थी। करियर काउंसलिंग सेल विश्वविद्यालय के छात्रों को उनके व्यक्तित्व विशेषताओं और उनके संचार कौशल को बढ़ाकर विभिन्न पेशे के लिए उनकी विषम आर्थिक, सामाजिक और भौगोलिक पृष्ठभूमि के साथ तैयार करता है। **इस प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. सुमन कुमार झा हैं।**

समान अवसर प्रकोष्ठ

भारत विविधताओं का देश है और विभिन्न जातीयों, भाषाओं, क्षेत्रों, आर्थिक एवं धार्मिक वर्गों के समूहों का केंद्र है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली को कर्मचारियों और छात्रों के साथ समान व्यवहार करने के लिए उन्मुख बनाना और उनकी जाति, उम्र, लिंग, विकलांगता इत्यादि भेदभाव किए बिना समान अवसर दिया जाए इस उद्देश्य से, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने 2019 में समान अवसर प्रकोष्ठ (ईओसी) की स्थापना की ताकि कर्मचारी एवंविशेष रूप से छात्र विशेष अवसरों का लाभ उठाने के लिए निष्पक्ष और समान व्यवहार की परिकल्पना कर सकें और गैरकानूनी भेदभाव, उत्पीड़न से मुक्त हों। **प्रो. नीलम ठगेला, आचार्या (ज्योतिष) समान अवसर प्रकोष्ठ की अध्यक्षा हैं।**

प्रवेश परीक्षा प्रकोष्ठ (प्राक् शिक्षाशास्त्री परीक्षा)

2019 से, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा देश के विभिन्न भागों में शिक्षाशास्त्री/ शिक्षाचार्य/ विद्यावारिधि प्रवेश परीक्षाओं को आयोजित की जाती है। 2019 से पूर्व, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली और राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति द्वारा संयुक्त प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती थी। इसी उद्देश्य से SSET/SAET/ VVET प्रवेश परीक्षा प्रकोष्ठ की स्थापना शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य और विद्यावारिधि पाठ्यक्रमों में प्रवेश से संबंधित कार्य को देखने के लिए की गई थी। प्रवेश परीक्षा प्रकोष्ठ छात्रों और संस्थान के बीच एक अन्तराफलक के रूप में कार्य करने की मुख्य भूमिका का निर्वहण करता है, जिससे छात्रों को उक्त पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन करने में सहायता मिलती है। प्रवेश परीक्षा प्रकोष्ठ प्रवेश परीक्षा से संबंधित विज्ञापन प्रकाशित करने, विवरणिका को अंतिम रूप देने, दिशा-निर्देश, आवेदन प्रपत्रों के प्रसंस्करण/प्रोग्रामिंग, विभिन्न समितियों के गठन, परिणाम की घोषणा, परामर्श आदि के लिए सहायता प्रदान करता है, जिसके लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। जिसका विवरण निम्न प्रकार से दिया गया है:-

प्रवेश परीक्षा प्रकोष्ठ संचालन समिति

1.	डॉ. (श्रीमती) अलका राय, वित्त अधिकारी और कुलसचिव (प्रभारी)	अध्यक्ष
2.	श्री एन.पी. सिंह, ओ.एस.डी. (परीक्षा)	सदस्य
3.	प्रो. बिहारी लाल शर्मा, आचार्य एवं कुलानुशासक	सदस्य
4.	प्रो. के. भारतभूषण, आचार्य	समन्वयक
5.	श्री अजय कुमार टंडन, उप कुलसचिव (लेखा एवं विकास)	सदस्य
6.	श्री बनवारी लाल वर्मा, सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर	सदस्य

7. श्रीमती भारती त्रिपाठी, सहायक कुलसचिव (प्रशासन-I) नोडल अधिकारी

8. श्री सुच्चा सिंह, सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक) सदस्य

प्रकाशन प्रकोष्ठ

प्रकाशन अनुभाग की स्थापना ग्रंथो के संरक्षण, संपादन और प्रकाशन के साथ-साथ शोध के लिए नामांकित छात्रों की सुविधा के उद्देश्य से की गई है। इस अनुभाग ने संस्कृत भाषा की विभिन्न प्राचीन पांडुलिपियों का संपादन किया है। यह अनुभाग एक त्रैमासिक संदर्भित शोध पत्रिका 'शोधप्रभा' का संपादन और प्रकाशन करता है, जिसमें प्रसिद्ध विद्वानों के लेख और शिक्षकों और शोधार्थियों के शोध पत्र प्रकाशित किये जाते हैं। इस अनुभाग के द्वारा वार्षिक शोध कार्यशालाओं के आयोजन के अतिरिक्त विभिन्न विषयों पर संगोष्ठियाँ भी आयोजित की जाती हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विनियमों के अनुसार, शोधार्थियों को शोध पद्धति का प्रशिक्षण दिया जाता है और शास्त्रों के अध्ययन की विशिष्ट पद्धति का प्रशिक्षण भी प्रदान जाता है।

शोध पत्रिका 'शोधप्रभा' का संपादन और प्रकाशन

परामर्श समिति और संपादकीय मण्डल द्वारा विधिवत् अनुशंसित शोध लेखों को शोध विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. शिव शंकर मिश्र की अध्यक्षता और अनुसंधान सहायक डॉ. ज्ञानधर पाठक की सहायता से संपादित और 'शोधप्रभा' में प्रकाशित किया गया।

संपादन और प्रकाशन

शास्त्रों और संस्कृत साहित्य के संरक्षण और प्रचार-प्रसार की योजना के तहत निम्नलिखित पुस्तकें एवं पत्रिकायें प्रकाशित की गई:-

I. वास्तुशास्त्रविमर्श (द्वादश पुष्प)

ii. शोध प्रभा (जुलाई, 2020)

iii. शोध प्रभा (अक्तूबर, 2020)

iv. शोध प्रभा (जनवरी, 2021)

v. शोध प्रभा (अप्रैल, 2021)

vi. विद्यापीठ पंचांग (संवत-2078)

vii. श्रीबैष्णवमताव्जभास्कर

viii. अध्यापक शिक्षा के सम्वर्धन में ई कौशल विकास: प्रासंगिकता एवं चुनौतियाँ।

प्रकाशनों का विक्रयण

शिक्षा मंत्रालय की पुनर्मुद्रण योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न ग्रन्थों के साथ-साथ शोध प्रभा, सुमंगली, भैषज्य ज्योतिषम्, पंचांग, वास्तुविमर्श आदि पुस्तकें एवं पत्रिकाएं प्रकाशित की जाती हैं। विश्वविद्यालय इन प्रकाशनों को नाममात्र की दरों पर विक्रयण करता है।

प्रकाशन अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	अनुसंधान सहायक	02
2.	प्रूफ रीडर	01
3.	बहुकार्य कर्मचारी	01

अनुसूचित जाति एवं जनजाति प्रकोष्ठ

भारत सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से सम्बन्धित आरक्षण नीति के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग की नियुक्ति, पदोन्नति, प्रवेश, स्टाफ क्वार्टर और छात्रवृत्ति छात्रावास आदि के आवंटन की व्यवस्था दृष्टि से विश्वविद्यालय में सदस्यों का गठन किया गया है। **प्रो. नीलम ठगेला, (आचार्या, वेद-वेदांग) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए संपर्क अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं।** उल्लेखनीय है कि पिछले वर्षों की तुलना में शैक्षणिक एवं और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के सदस्यों की संख्या में और विभिन्न पाठ्यक्रमों में छात्रों के नामांकन में पर्याप्त सुधार हुआ है।

वर्ष के दौरान, प्रकोष्ठ ने विभिन्न शिक्षण और गैर-शिक्षण वर्गों के रोस्टर रजिस्टरों को तैयार कर अंतिम रूप दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी विज्ञापनों की उचित जांच की गई और बैकलॉग रिक्तियों को विज्ञापनों के लिए रिकॉर्ड में रखा गया। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों के संबंध में सांख्यिकीय विवरण तैयार किया गया और मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को प्रेषित किया गया।

पदों में आरक्षण का विवरण (श्रेणी अनुसार)

शैक्षणिक कर्मचारी

स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
139	103	36

शैक्षणिक	पुरुष/महिला	सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	कुल
आचार्य (प्रत्यक्ष)	पुरुष	08	01	–		–	–	09
	महिला	–	–	–	–	–	–	–
आचार्य (सी.ए.एस. के अंतर्गत)	पुरुष	30	02	–	--	–	–	32
	महिला	09	01	–	--	–	–	10
सह आचार्य (प्रत्यक्ष)	पुरुष	02	–	–	–	–	–	02
	महिला	00	–	–	--	–	–	00
सह-आचार्य (सी.ए.एस. के अंतर्गत)	पुरुष	08	01	–	–	01 VH	–	10
	महिला	01	–	–	–	–	–	01
सहायक आचार्य (प्रत्यक्ष)	पुरुष	11	–	01	05		01	18
	महिला	04	–	–	01	–	–	05
सहायक आचार्य (सीएएस 11/12 के अंतर्गत)	पुरुष	03	02	02	04	–	–	11
	महिला	04	–	–	01	–	–	05
	योग	**80**	**07**	**03**	**11**	**01**	**01**	**103**

गैर-शैक्षणिक कर्मचारी

स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
136	114	22

गैरशैक्षणिक	पुरुष/महिला	सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग	अल्प-संख्यक	कुल
'अ' वर्ग	पुरुष	04	02	–	02	–	–	08
	महिला	03	01	–	–	–	–	04
'बी' वर्ग	पुरुष	09	03	–	06	–	–	18
	महिला	07	03	–	01	–	–	11
'स' वर्ग (बहुकार्य कर्मचारी वर्ग सहित)	पुरुष	34	11	03	15	02 (01.एच.एच., 01-ओ.एच.)	–	65
महिला	–	06	–	–	02	–	–	08
कुल	–	**63**	**20**	**03**	**26**	**02**	–	**114**

विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए बैकलॉग रिक्त पदों का विवरण (31.03.2022 तक)

शैक्षणिक

क्र.सं.	पद नाम	बैकलॉग अनुसूचित जाति शैक्षणिक पदों की संख्या			बैकलॉग अनुसूचित जनजाति शैक्षणिक पदों की संख्या			बैकलॉग अन्य पिछड़ा वर्ग शैक्षणिक पदों की संख्या		
		अभिज्ञात	पूरित	अपूरित	अभिज्ञात	पूरित	अपूरित	अभिज्ञात	पूरित	अपूरित
1.	आचार्य	0	0	0	01	0	01	0	0	0
2.	सह-आचार्य	03	0	03	01	0	01	05	0	05
3.	सहायक आचार्य	08	0	08	03	0	03	04	0	04
	योग	**11**	**0**	**11**	**05**	**0**	**05**	**09**	**0**	**09**

गैर शैक्षणिक

क्र.सं.	पद नाम	बैकलॉग अनुसूचित जाति गैर शैक्षणिक पदों की संख्या			बैकलॉग अनुसूचित जनजाति गैर शैक्षणिक पदों की संख्या			बैकलॉग अन्य पिछड़ा वर्ग गैर शैक्षणिक पदों की संख्या		
		अभिज्ञात	पूरित	अपूरित	अभिज्ञात	पूरित	अपूरित	अभिज्ञात	पूरित	अपूरित
1.	अ वर्ग	0	0	0	0	0	0	0	0	0
2.	ब वर्ग	0	0	0	01	0	01	0	0	0
3.	स वर्ग (पूर्ववर्ती ग्रुप डी कैडर सहित)	0	0	0	0	0	0	02	0	02
	योग	**0**	**0**	**0**	**01**	**0**	**01**	**02**	**0**	**02**

विश्वविद्यालय द्वारा यथासमय बैकलॉग रिक्त पदों को भरने के लिए सभी आवश्यक प्रयास किए गए हैं। कुछ समय पहले ही विश्वविद्यालय द्वारा रिक्त शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक पदों के संबंध में विज्ञापन की प्रक्रिया नए सिरे से शुरू की गई है। हाल ही में, आरक्षित पदों हेतु विश्वविद्यालय द्वारा विज्ञापन संख्या 01/2021 के माध्यम से विज्ञापित किया गया है और आवेदन की अंतिम तिथि 27.7.2021 थी। गैर-शैक्षणिक पदों को भरने के लिए लिखित परीक्षा आयोजित करने के लिए राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) को आवेदित किया गया है और सम्प्रति उनके उत्तर की प्रतीक्षा है। आशा है कि शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक रिक्त पदों को यथाशीघ्र भरा जाएगा। यदि विज्ञापन संख्या 01/2021 के अनुसार नियुक्तियां नहीं की जाती है तो विशेष भर्ती अभियान भी शुरू किया जाएगा।

एन.सी.सी. (राष्ट्रीय कैडेट कोर)

क. एन.सी.सी. के विषय में

एन.सी.सी. कैडेटों ने स्थापना दिवस, व्याख्यानमालायों, रक्तदान शिविर आदि जैसे विभिन्न विश्वविद्यालयीय गतिविधियों में भाग लिया। एन.सी.सी. कैडेटों ने एनसीसी निदेशालय के स्वच्छ भारत अभियान, एकता दिवस, गणतंत्र दिवस पूर्व शिविर, गणतंत्र दिवस शिविर, सीएम रैली, पीएम रैली, युवा कार्यक्रम और अन्य गतिविधियों में भी भाग लिया। विश्वविद्यालय में एन.सी.सी. गतिविधियों के प्रभावी पर्यवेक्षण और समन्वयार्थ (प्रो.) मीनू कश्यप बालिका वर्ग की अधिकारी एवं लेफ्टिनेंट (डॉ.) अभिषेक तिवारी एन.सी.सी. बालक वर्ग के अधिकारी के रूप में नियुक्त हैं।

ख. गतिविधियाँ

- विश्वविद्यालय के कैडेट्स सी.एच.एम शुभम और एस.जी.टी अंकुर ने 13 अप्रैल, 2021 को लाल किला, दिल्ली के पास निम्नलिखित गतिविधियों में भाग लिया:
  - "भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का प्लॉग रन" जलियांवाला बाग।
  - "नो सिंगल यूज ऑफ प्लास्टिक" विषय पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन।

  इस नुक्कड़ नाटक में टीम लीडर की भूमिका हमारे विश्वविद्यालय के सी.एच.एम. शुभम ने निभाई।
- 19 अप्रैल से 23 अप्रैल 2021 तक 5 डी.बी.एन एन.सी.सी और उड़ीसा द्वारा आयोजित ई.बी.एस.बी ऑनलाइन कैंप में एक कैडेट ने भाग लिया।
- दिल्ली निदेशालय और उड़ीसा निदेशालय द्वारा 26 अप्रैल से 30 अप्रैल 2021 तक आयोजित ई.बी.एस.बी ऑनलाइन कैंप में तीन कैडेटों ने भाग लिया।
- चार कैडेटों ने 1971 के युद्ध माई जीओवी क्विज में 14 अगस्त, 2021 को ऑनलाइन क्विज में भाग लिया।
- 16 अगस्त, 2021 को ग्यारह कैडेटों ने माई जीओवी की वेबसाइट पर अभियान 2.0 में ऑनलाइन भाग लिया।
- 21 अगस्त से 26 अगस्त 2021 तक 7 डी.बी.एन एन.सी.सी, रोहिणी द्वारा आयोजित ई.बी.एस.बी शिविर में एक कैडेट ने भाग लिया।
- दो कैडेटों ने 23 से 28 अगस्त 2021 तक को महाराष्ट्र में आयोजित एक भारत श्रेष्ठ (ई.बी.एस.बी) शिविर में भाग लिया।
- चार कैडेटों ने 21 से 27 सितंबर, 2021तक जीपी मुख्यालय 'सी' सफदरजंग एन्क्लेव में सी.ए.टी.सी. शिविर में भाग लिया।
- विश्वविद्यालय के चौबीस कैडेटों ने 30 सितंबर से 6 अक्टूबर 2021 तक 7 दिल्ली बी.एन. एन.सी.सी भवन, रोहिणी द्वारा आयोजित वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया। उल्लेखनीय है कि इस शिविर में हमारे विश्वविद्यालय के सी.एच.एम. शुभम ने कैंप सीनियर की भूमिका निभाई।

- 25 अक्टूबर 2021 से 31 अक्टूबर 2021 तक 6 दिल्ली बी.एन. एन.सी.सी द्वारा आयोजित ई.बी.एस.बी कैंप में एक कैडेट ने भाग लिया।
- जे.यू.ओ. अंकुर ने 09 से 16 अक्टूबर 2021 तक यूपी डी.टी.ई./गोरखपुर ग्रुप/51 यू.पी. बी.एन. एन.सी.सी बलरामपुर द्वारा आयोजित अखिल भारतीय एन.सी.सी. ट्रेकिंग अभियान 2021 में भाग लिया।
- 26 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2021 तक जी.पी मुख्यालय 'सी' सफदरजंग एन्क्लेव में सी.ए.टी.सी. कैंप में एक कैडेट ने भाग लिया।
- जे.यू.ओ. कुम्बिका और सी.डी.टी. मानसी ने 16-22 नवंबर, 2021 को सिक्किम में ट्रेकिंग शिविर में भाग लिया।
- 18 नवंबर, 2021 को श्री लाल बहादुर राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुरलीमनोहर पाठक द्वारा चयनित कैडेटों को रैंक प्रदान किया गया।
- एस.यू.ओ. कुम्बिका और सी.डी.टी. मानसी ने 17-27 नवंबर, 2021 को अजमेर में ट्रेकिंग कैंप में भाग लिया।
- एक कैडेट ने 25 नवंबर से 4 दिसंबर, 2021 तक जी.पी. मुख्यालय 'सी' सफदरजंग एन्क्लेव में सी.ए.टी.सी कैंप में भाग लिया।
- एक कैडेट ने 27 नवंबर से 3 दिसंबर 2021 तक कोल्हापुर, महाराष्ट्र में शिवाजी ट्रायल ट्रेकिंग कैंप में भाग लिया।
- जे.यू.ओ. सौरभ और सी.एच.एम. विवेक जोशी ने अखिल भारतीय ट्रेकिंग कैंप, गया बिहार (03 दिसंबर 2021 से 08 दिसंबर, 2021) में भाग लिया।
- सी.डी.टी. ज्योति कुमारी ने 19 से 24 दिसंबर, 2021 तक उत्तराखंड में एक भारत श्रेष्ठ शिविर (ई.बी.एस.बी.) शिविर में भाग लिया। एक कैडेट ने 20 से 20 दिसंबर, 2021 तक स्लाइदरिंग कैंप कैडर में भाग लिया।
- सी.डी.टी. रश्मि शर्मा ने 1 दिसंबर 2021 से 28 जनवरी, 2022 तक एन.सी.सी. भवन, रोहिणी में पी.एम. रैली में भाग लिया
- कमांडिंग ऑफिसर 7 डी.बी.एन. कर्नल ओपी राय एवं अन्य अधिकारियों के साथ एन.सी.सी. भवन, रोहिणी, नई दिल्ली में 3 जनवरी, 2022 को प्रथम वर्ष के कैडेटों के लिए चयन प्रक्रिया आयोजित की।
- 7 डी.बी.एन एन. सी. सी के द्वारा राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2022 के तहत स्वदेशी खेल जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कैडेटों ने 12 जनवरी, 2022 को भाषण प्रतियोगिता, कविता पाठ, पेंटिंग आदि जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया, SGT आकाश ने पेंटिंग प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- छह कैडेटों ने 15 जनवरी, 2022 को करियप्पा प्रेड ग्राउंड में सेना परेड दिवस में भाग लिया।
- सी.डी.टी. सौरभ रायल ने 28 जनवरी, 2022 को करियप्पा परेड ग्राउंड में पी.एम रैली में सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया।

एन.एस.एस. (राष्ट्रीय सेवा योजना)

क. एन.एस.एस.के विषय में-

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करती है जिसमें इसके स्वयंसेवक भाग लेते हैं और तत्काल समुदाय की सेवा करते हैं। इसके द्वारा विविध रक्तदान शिविरों के साथ-साथ कई अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसके द्वारा आपदाओं के दौरान राहत कार्यों भी किया जाता है और विशेष शिविरों का आयोजन करता है। **विश्वविद्यालय में एन.एस.एस. की गतिविधियों के प्रभावी पर्यवेक्षण एवं समन्वयार्थ डॉ. प्रेम सिंह सिकरवार सहयोगी एन.एस.एस. इकाई के अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं।**

ख. गतिविधियाँ

- एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने 11 सितंबर, 2021 को राष्ट्रीय पोषण सप्ताह में ऑनलाइन और 24 सितंबर, 2021 को राष्ट्रीय एन.एस.एस. दिवस समारोह में नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी संस्थान के सहयोग से भाग लिया।
- 20 एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने 11 अक्टूबर, 2021 को युवा मामले विभाग, युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा हुमायूं मकबरा, नई दिल्ली में आयोजित स्वच्छ भारत कार्यक्रम में भाग लिया।
- 03 एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने 14 अक्टूबर, 2021 को नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी संस्थान, द्वारका, दिल्ली में एन.एस.एस. पूर्व गणतंत्र दिवस शिविर में भाग लिया।
- 24 एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने 22 अक्टूबर, 2021 को नेहरू पार्क, अशोका होटल, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में एन.एस.एस. एस.एल.बी.एस.एन.एस. विश्वविद्यालय के स्वच्छ भारत कार्यक्रम में भाग लिया।
- 02 एन.एस.एस. स्वयंसेवकों 19 से 25 नवंबर, 2021 तक महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा में राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग लिया।

क्रीड़ा गतिविधियां

विश्वविद्यालय छात्रों और कर्मचारियों के लिए पर्याप्त क्रीडा की सुविधाओं से युक्त है और छात्र समुदाय के लाभ के लिए क्रीड़ा के बुनियादी ढांचे के विकास में सक्रिय है। स्वस्थ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए क्रीड़ा का अपना महत्व है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों के लिए विभिन्न क्रीड़ाओं का आयोजन किया। डॉ. मनोज कुमार मीणा विश्वविद्यालय के क्रीड़ा प्रभारी हैं। विश्वविद्यालय योगासन, कुश्ती, कबड्डी, क्रिकेट, बैडमिंटन (लड़के और लड़कियों), भारोत्तोलन के बाद एथलेटिक स्पर्धाओं आदि में वार्षिक खेल प्रतियोगिता आयोजित करता है।

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय गण ने एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी गेम्स, 2021-22 के वार्षिक कैलेंडर के अनुसार अखिल भारतीय इंटर यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स बोर्ड और नॉर्थ जोन इंटर-यूनिवर्सिटी में भाग लिया गया है।

क्र.सं.	विश्वविद्यालय का नाम	क्रीडा/क्रीडा प्रतियोगिता	अवधि	छात्रों, कोच और प्रबंधकों की संख्या
1.	मैंगलोर विश्वविद्यालय, कर्नाटक	अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय एथलेटिक (एम) टूर्नामेंट 2021-22	04 से 07 जनवरी, 2022 तक	छात्र-03 प्रबंधक-01
2.	चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी हरियाणा	ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी फ्री स्टाइल और ग्रीको रोमन स्टाइल (एम) टूर्नामेंट 2021-22	07 से 10 मार्च, 2022 तक	छात्र-06 प्रबंधक-01 कोच-01

उपलब्धियां:-

- 07 से 10 मार्च, 2022 तक चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी हरियाणा में आयोजित अखिल भारतीय विश्वविद्यालय पुरुष कुश्ती फ्री स्टाइल और ग्रीको रोमन स्टाइल प्रतिस्पर्धा में श्री रूपिम (शास्त्री द्वितीय वर्ष) और श्री विशाल (शास्त्री प्रथम वर्ष) को क्रमशः स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

- खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2021, बेंगलुरू में अंशु को रजत पदक एवं अन्य छात्रों को कांस्य पदक से सम्मानित किया गया।

- खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स उड़ीसा में श्री हर्ष (मीमांसा छात्र) को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी/केंद्रीय सहायक लोक सूचना अधिकारी (सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत)

जन सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए विश्वविद्यालय के निम्नलिखित अधिकारियों/कर्मचारियों को केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ)/केंद्रीय सहायक लोक सूचना अधिकारी (सीएपीआईओ) के रूप में नियुक्त किया गया है।

क्र.सं.	नाम और पदनाम एवं सम्पर्क सूत्र	पद नाम	सूचना क्षेत्र
1.	डॉ. अलका राय, वित्त अधिकारी और कुलसचिव (I/C) 011-46060567	अपीलीय अधिकारी	कोई भी व्यक्ति जो सीपीआईओ/सीएपीआईओ से निर्दिष्ट समय के भीतर सूचना/उत्तर/निर्णय प्राप्त नहीं करता है और पीड़ित है, आरटीआई अधिनियम, 2005 के अनुसार अपीलीय प्राधिकारी को अपील कर सकता है।
2.	श्री अजय कुमार टंडन, उप कुलसचिव (लेखा एवं विकास) 011-46060521	पारदर्शिता अधिकारी	सूचनाओं को वेबसाइट पर प्रकाशित (अपलोड) करने के संबंध में पारदर्शिता।
3.	श्री बनवारी लाल वर्मा सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर 011-46060616	नोडल अधिकारी और केंद्रीय सहायक जन सूचना अधिकारी	सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत दिए गये नोडल अधिकारी और केंद्रीय सहायक जन सूचना अधिकारी के कर्तव्य और जिम्मेदारियां।
4.	प्रो. जयकान्त सिंह शर्मा, पीठ प्रमुख, वेद वेदांग पीठ 011-46060643	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	वेद वेदांग संकाय से संबंधित सूचना।
5.	प्रो. केदार प्रसाद परोहा, पीठ प्रमुख, दर्शनशास्त्र 011-46060527	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	दर्शनशास्त्र पीठ से संबंधित सूचना।
6.	प्रो. सदन सिंह, पीठ प्रमुख एवं विभागाध्यक्ष शिक्षाशास्त्र पीठ (शिक्षा) 011-46060636	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	शिक्षाशास्त्र पीठ से संबंधित सूचना।
7.	प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ला, पीठ प्रमुख, साहित्य एवं संस्कृति पीठ 011-46060518	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	साहित्य और संस्कृति पीठ से संबंधित सूचना।
8.	प्रो. सविता पीठ प्रमुखा, आधुनिक विषय पीठ 011-46060527	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	आधुनिक विषय पीठ से संबंधित सूचना।

9.	प्रो. नीलम ठगेला पीठ प्रमुख, छात्र कल्याण एवं सम्पर्क अधिकारी एस.सी./एस.टी. प्रकोष्ठ 011-46060621	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	छात्र कल्याण एवं एस.सी./एस.टी. प्रकोष्ठ से संबंधित सूचना।
10.	प्रो. महेश प्रसाद सिलोड़ी, विभागाध्यक्ष, योग विज्ञान विभाग 011-46060641	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	योग विज्ञान विभाग से संबंधित सूचना
11.	प्रो बिहारी लाल शर्मा निदेशक-आई.क्यू.ए.सी. सेल 011-46060651	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	आई.क्यू.ए.सी., एंटी रैगिंग सेल और कुलानुशासक से संबंधित सूचना।
12.	प्रो. के. भरत भूषण, आचार्य एवं नोडल अधिकारी, स्थानन प्रकोष्ठ	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	स्थानन प्रकोष्ठ से संबंधित सूचना।
13.	प्रो. रचना वर्मा मोहन, मुख्य सतर्कता अधिकारी 9910000824	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	सतर्कता मामलों से संबंधित सूचना।
14.	प्रो. मीनू कश्यप, एन.सी.सी. अधिकारी आचार्या (अंग्रेजी) 011-46060540	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	एन.सी.सी. (छात्रा वर्ग) से संबंधित सूचना।
15.	प्रो. शिव शंकर मिश्र, विभागाध्यक्ष, शोध विभाग 011-46060609	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	शोध एवं प्रकाशन विभाग से संबंधित सूचना।
16.	प्रो. जगदेव कुमार शर्मा प्रमुख (हिंदी राजभाषा समिति) 011-46060525	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	केंद्रीय राजभाषा से सम्बंधित सूचना।
17.	प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज आचार्य और निदेशक पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण योजना 9811580640	केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी।	पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण योजना से संबंधित सूचना।
18.	प्रो. सुमन कुमार झा, आचार्य एवं नोडल अधिकारी, कैरियर परामर्श प्रकोष्ठ	केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी।	कैरियर परामर्श से संबंधित सूचना।
19.	डॉ. सुन्दर नारायण झा छात्रावास वार्डन (प्रभारी) 011-46060353	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	विश्वविद्यालय के छात्रावास से संबंधित सूचना।
20.	श्री मनोज कुमार मीणा, सहायक आचार्य-शारीरिक शिक्षा 011-46060528	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा/खेल गतिविधियों/व्यायामशाला से संबंधित सूचना

21.	डॉ. अभिषेक तिवारी सहायक आचार्य, हेड-एनसीसी 9654039797	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	एन.सी.सी. (छात्र वर्ग) से संबंधित जानकारी।
22.	डॉ. सुरेन्द्र महतो, सहायक आचार्य (शिक्षाशास्त्र) एवं सम्पर्क अधिकारी	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	सम्पर्क अधिकारी (ओ.बी.सी.) से संबंधित जानकारी।
23.	डॉ. कांता उप कुलसचिव (परीक्षा) 011-46060520	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	परीक्षा अनुभाग से संबंधित जानकारी।
24.	श्री रमाकांत उपाध्याय, कार्यकारी अभियंता (सिविल) 011-46060323	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	विश्वविद्यालय निर्माण विभाग से संबंधित सूचना।
25.	श्री राजेश कुमार पाण्डेय सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष 011-46060532	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	केंद्रीय पुस्तकालय से संबंधित सूचना।
26.	श्री सुषमा डेमला, सहायक कुलसचिव (लेखा) 011-46060559	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	लेखा अनुभाग से संबंधित सूचना।
27.	श्री सुच्चा सिंह सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक) 011-46060548	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	शैक्षणिक अनुभाग, छात्रों से संबंधित मामले और एससी/एसटी/ओबीसी/दिव्यांग आदि से संबंधित सूचना।
28.	श्री मंजीत सिंह सहायक कुलसचिव (गैर-शिक्षण एवं चयन) 011-46060556	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	1. गैर-शैक्षणिक विभाग, कार्यकारी परिषद और जन सूचना अधिकार मामलों से संबंधित सूचना। 2. मंत्रालय/यूजीसी के संसदीय प्रश्नों, कोर्ट केस और चयन आदि से
29.	श्रीमती भारती त्रिपाठी सहायक कुलसचिव (प्रशासन-I) 011-46060501	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	1. शिक्षण स्थापना विभाग सी.ए.एस. के अन्तर्गत पदोन्नति से संबंधित सूचना। कोर्ट के मामले, हिन्दी राजभाषा और अतिथि निवास आदि से संबंधित सूचना।

30.	श्री जय प्रकाश सिंह सहायक कुलसचिव (सामान्य प्रशासन) 011-46060646	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	सामान्य प्रशासन स्टोर, जेम से क्रय, ट्यूशन फीस, विविध कार्यक्रमों का आयोजन, कोविड-19 प्रबंधन, कर्मचारी आवास आबंटन, सुरक्षा व्यवस्था और जनसूचना अधिकार, चिकित्सा बिल भुगतान से संबंधित सूचना।
31.	श्री राजेश कुमार सहायक कुलसचिव (विकास/अनुसूचित एवं जनजाति प्रकोष्ठ) 011-46060682	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	विकास अनुभाग, आरक्षण प्रकोष्ठ, आरक्षण रोस्टर, नैक, वार्षिक प्रतिवेदन एवं स्वास्थ्य केन्द्र से संबंधित सूचना।
32.	श्री प्रमोद चतुर्वेदी निजी सचिव (कुलपति) 011-46060605	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	कुलपति कार्यालय से सम्बन्धित सूचना।
33.	श्री जी.सी. शर्मा सहायक प्रोग्रामर (कंप्यूटर) 011-46060645	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	संगणक केन्द्र से संबंधित सूचना।
34.	कु. तरुणा अवस्थी शोध सहायिका 011-46060634	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	महिला अध्ययन केन्द्र से संबंधित सूचना।

जनसूचना अधिकार वार्षिक रिटर्न सूचना प्रणाली

सी.आई.सी. की अनिवार्य आवश्यकता के अनुसार विवरण शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार को प्रस्तुत किया गया है।

विश्वविद्यालय के अनुभाग एवं विभाग

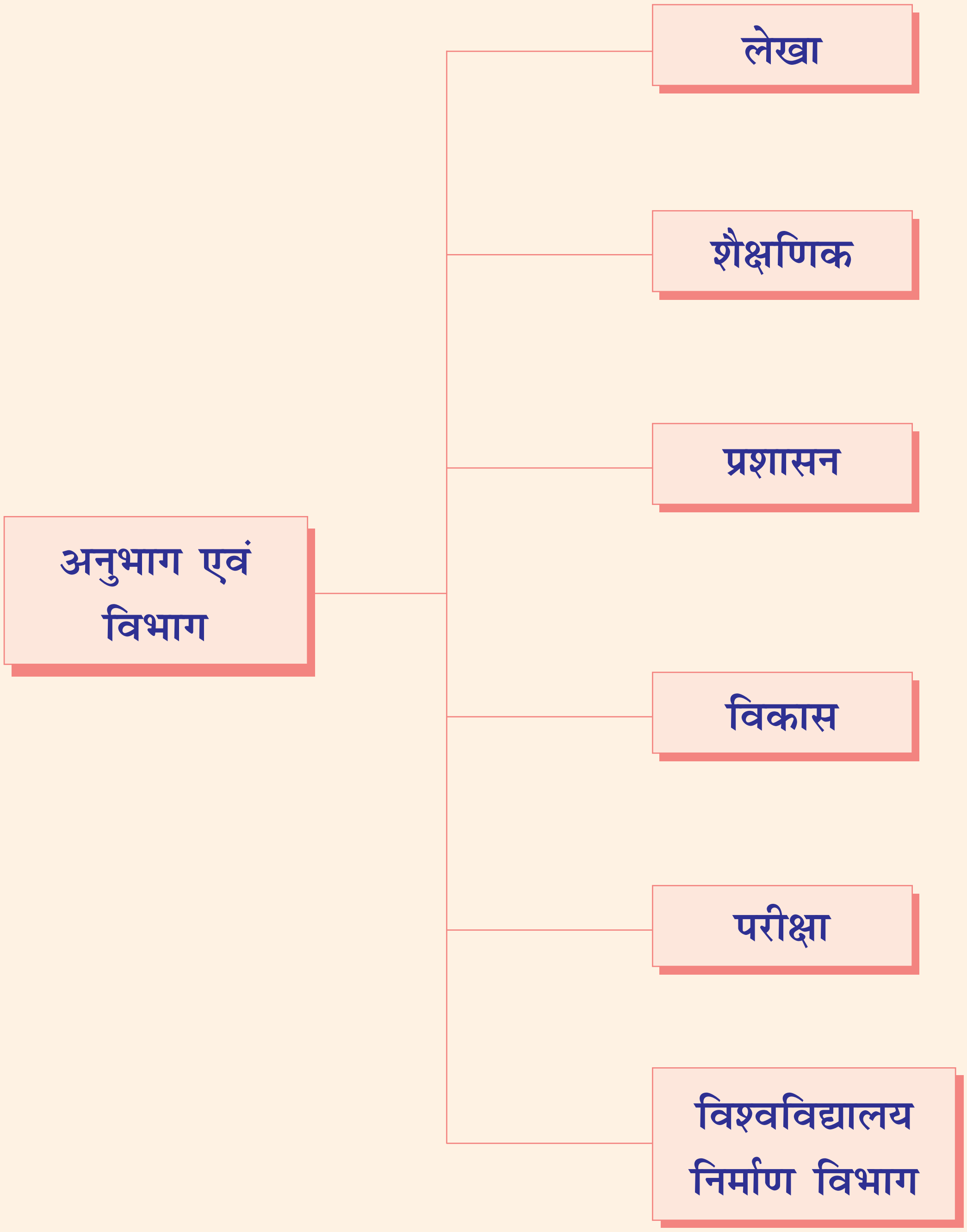

विश्वविद्यालय के अनुभाग

लेखा

लेखा विभाग वित्त अधिकारी के पर्यवेक्षण में कार्य करता है। इसमें उप कुलसचिव, सहायक कुलसचिव, अनुभाग अधिकारी, सहायक, वरिष्ठ लिपिक, कैशियर एवं कनिष्ठ लिपिक कार्यरत हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुदान प्राप्त करता है। लेखा विभाग विश्वविद्यालय के दिन प्रतिदिन के कामकाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा सामान्यत: तीन शीर्षों (1) वेतन (2) आवर्ती और (3) पूंजी के तहत अनुदान स्वीकृत किया जाता है।

लेखा विभाग के कामकाज को अधिक कुशल तरीके से प्रबंधित करने के लिए, कुछ समितियों का गठन किया गया है। जिसमें यह दो समितियां महत्वपूर्ण हैं:-

1. वित्त समिति
2. निवेश समिति

विश्वविद्यालय का लेखा विभाग प्रगतिशील है और पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत है।

लेखा अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	वित्त अधिकारी	01
2.	उप कुलसचिव	01
3.	सहायक कुलसचिव	01
4.	अनुभाग अधिकारी	01
5.	सहायक	02
6.	वरिष्ठ लिपिक	02
7.	कनिष्ठ लिपिक	02
8.	बहुकार्य कर्मचारी	01

शैक्षणिक

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अनुभाग का उद्देश्य शैक्षणिक गतिविधियों को सुविधाजनक बनाना और विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों, कार्यक्रमों और अन्य सम्बन्धित विषयों में छात्रों को नामांकन की सुविधा प्रदान करना है। शैक्षणिक अनुभाग विभिन्न पाठ्यक्रमों, कक्षाओं और विषयों में नामांकित छात्रों के विषय में सूचना और डेटा प्रदान करने के साथ-साथ विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने वाले छात्रों को परामर्श प्रदान करने के लिए उत्तरदायी है। यह अनुभाग छात्रों की उपस्थिति और छात्रों के अभिलेख का अवधान करता है।

शैक्षणिक अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	उप कुलसचिव	01
2.	सहायक कुलसचिव	01
3.	सहायक	01
4.	वरिष्ठ लिपिक	03
5.	कनिष्ठ लिपिक	01
6.	बहुकार्य कर्मचारी	02

प्रशासन I (शैक्षणिक) खंड

प्रशासन अनुभाग (शैक्षणिक) विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण भाग है और विश्वविद्यालय के कुलसचिव के पर्यवेक्षण में कार्य करता है।

यह अनुभाग मुख्य रूप से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों और विनियमों के साथ-साथ केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम, 2020 के अनुपालन में विश्वविद्यालय शिक्षकों की नियुक्ति से संबंधित गतिविधियों को सम्पादित करता है।

प्रशासन -I अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	सहायक कुलसचिव	01
2.	अनुभाग अधिकारी	01
3.	सहायक	01
4.	कनिष्ठ लिपिक	01
5.	बहुकार्य कर्मचारी	01

गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए अनुभाग द्वारा निम्नलिखित कार्यशालाओं का आयोजन किया गया

क्र.सं.	दिनांक	विषय	प्रतिभागी
1.	30.06.2021	कार्यालयीय कामकाज में हिन्दी का प्रयोग	16
2.	09.09.2021	कार्य निष्पादन की कुशलता में भाषा की भूमिका	51
3.	13.09.2021	भाषायी प्रयोग की समस्या और निदान	19
4.	27.12.2021	संघ की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन	41

प्रशासन-II (गैर-शैक्षणिक) खंड

प्रशासन अनुभाग-II विश्वविद्यालय की एक महत्वपूर्ण इकाई है जो कुलसचिव और कुलपति के समग्र पर्यवेक्षण में कार्य करती है। यह अनुभाग विश्वविद्यालय के पेंशनभोगियों सहित सभी गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के सेवा मामलों से सम्बन्धित कार्य संपादित करता है। जिन नियमो एवं विनियमों को संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम, 2020 और विश्वविद्यालय के नियम, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किया जाता है, उनको इसके द्वारा अपनाया जाता है। वर्तमान में विश्वविद्यालय में 136 स्वीकृत गैर-शैक्षणिक पद हैं तथा 114 कर्मचारी गैर-शैक्षणिक पदों पर कार्यरत हैं।

प्रशासन-II अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	सहायक कुलसचिव	01
2.	अनुभाग अधिकारी	01
3.	सहायक	01
4.	कनिष्ठ लिपिक	01

प्रशासन-III (सामान्य) खंड

सामान्य प्रशासन अनुभाग विश्वविद्यालय को प्रशासनिक सहायता प्रदान करता है। यह अनुभाग कुलसचिव के पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में कार्य करता है। संबंधित कार्यालयों के सुचारू संचालन की सुविधा हेतु यह अनुभाग शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। सुरक्षा सेवाओं, स्टोर और क्रय, भारत सरकार के विभिन्न सामुदायिक कार्यक्रमों/समारोह के कार्यान्वयन, कानूनी मामलों, भवन आवंटन, चिकित्सा प्रतिपूर्ति आदि विषयों के लिए विभिन्न सरकारी/ गैर सरकारी संगठनों के साथ समन्वय में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अनुभाग (सामान्य) का नेतृत्व सम्बन्धित सहायक कुलसचिव द्वारा किया जाता है, जो अनुभाग में आवंटित कार्यों और जिम्मेदारियों पर अवधान करते हैं। सामान्य प्रशासन अनुभाग विश्वविद्यालय के सभी शिक्षण और गैर-शिक्षण वर्ग की आवश्यकता पूर्ति के लिए सेवा सुविधा और समन्वय इकाई के रूप में भी कार्य करता है।

प्रशासन-III अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	सहायक कुलसचिव	01
2.	अनुभाग अधिकारी	01
3.	वरिष्ठ लिपिक	02
4.	बहुकार्य कर्मचारी	01

विकास

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के विकास अनुभाग की स्थापना विश्वविद्यालय के सभी प्रस्तावों, कार्यक्रमों और पहलों की निगरानी के उद्देश्य से की गई थी। विकास अनुभाग विश्वविद्यालय के विकास, विश्वविद्यालय की वार्षिक रणनीति, परिचालन योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन और विश्वविद्यालय की दूर दृष्टि को परिभाषित करने के उत्तरदायित्वों का निर्वहन करता है। अनुभाग विभिन्न निर्णय लेने की प्रक्रिया में भी सहायता करता है ताकि अकादमिक के साथ-साथ प्रशासनिक क्षेत्रों को भी मजबूत किया जा सके।

यह अनुभाग आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आई.क्यू.ए.सी) सचिवालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विशेष सहायता कार्यक्रम (एस.ए.पी.) के कार्यान्वयन और निगरानी, विभिन्न स्व-वित्त पाठ्यक्रमों में धन का प्रशासन, विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन तैयार करने, संगोष्ठी/सम्मेलन और अन्य प्रमुख कार्यक्रम इत्यादि विविध गतिविधियों को सम्पादित करता है। विकास अनुभाग विश्वविद्यालय की छात्र कैंटीन, राष्ट्रीय सेवा योजना, अन्य एजेंसियों और संस्थानों को ग्राउंड स्पेस, सेमिनार हॉल और व्याख्यान कक्षों के आबंटन तथा स्टॉफ

एवं छात्रों को चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य देखभाल इकाई के कामकाज की देखभाल भी करता है।

विकास अनुभाग कुलसचिव के पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में कार्य करता है। विकास अनुभाग का नेतृत्व उप कुलसचिव (लेखा और विकास) करते हैं जो अनुभाग को आबंटित कर्तव्यों और उतरदायित्व की देखरेख और देखभाल करते हैं।

विकास अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	उप कुलसचिव	01
2.	सहायक कुलसचिव	01
3.	निजी सचिव	01
4.	सहायक	02
5.	स्वास्थ्य केंन्द्र परिचारक	01

परीक्षा

परीक्षा विभाग द्वारा सेमेस्टर सिस्टम के माध्यम से नियमित कक्षाओं और अंशकालिक पाठ्यक्रमों के छात्रों के लिए वर्ष में दो बार परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है। परीक्षा अनुभाग वर्ष में दो बार छात्रों की परीक्षा आयोजन, आवेदन पत्र जमा करने से लेकर परीक्षा परिणाम घोषित करने तक, अंक तालिकाओं के वितरण, अन्तिम प्रमाण पत्र और दीक्षांत समारोह में डिग्री वितरण इत्यादि के उत्तरदायित्त्व का निर्वहण करता है। कोविड-19 महामारी के कारण से नियमित और अंशकालिक पाठ्यक्रमों की सभी परीक्षाएं ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित की गईं।

परीक्षा अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	उप कुलसचिव	01
2.	अनुभाग अधिकारी	01
3.	वरिष्ठ लिपिक	01
4.	कनिष्ठ लिपिक	02
5.	बहुकार्य कर्मचारी	03

विश्वविद्यालय निर्माण विभाग (वि.नि.वि.)

भूमि एवं भवन

विश्वविद्यालय परिसर दक्षिणी दिल्ली जनपद में शहीद जीत सिंह मार्ग पर कुतुब इंस्टीट्यूशनल क्षेत्र में प्लॉट नंबर सं-04 में 10.65 एकड़ के लघु क्षेत्र में स्थित है। यह विश्वविद्यालय आई.आई.टी. दिल्ली, एन.सी.ई.आर.टी., एन.यू.ई.पी.ए., आई.आई.एफ.टी., आई.एम.आई., जे.एन.यू., आई.एस.आई. के.वी.एस., और अन्य सहित कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थानों के पास प्रमुख भूमि पर स्थित है। यह परिसर सुव्यवस्थित एवं सुप्रबंधित है। यहां चार शैक्षणिक भवन, एक अतिथि गृह और छात्रावास (छात्र) सहित आठ आवासीय भवन हैं। सभी भवनों के निकास मार्ग मुख्य मार्ग से जुड़े हुए हैं। परिसर में कई उद्यान हैं जैसे- विश्रान्ति वाटिका, स्वर्ण जयंती पार्क, सारस्वत उद्यान इत्यादि। परिसर में हाई मास्ट लाइटिंग सिस्टम के माध्यम से उचित प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

विश्वविद्यालय में चार शैक्षणिक भवन हैं: -

(i) **शैक्षणिक सदन:**- यह 3431.81 वर्ग मीटर क्षेत्र में निर्मित सबसे पुराना दो मंजिला भवन है। इसमें अकादमिक, अनुसंधान और पुस्तकालय विभाग हैं। इस भवन में दर्शन और साहित्य और संस्कृति संकाय के सभी विभाग हैं।

(ii) **सारस्वत साधना सदन:**- 4031.26 वर्ग मीटर क्षेत्र में निर्मित यह पांच मंजिला भवन (भूतल+३+ भूगृह) है। इस भवन में एक लिफ्ट स्थापित की गयी है। इस भवन में कुलपति सचिवालय, संगणक प्रयोगशालायें, संगणक केंद्र, सम्मेलन सभागार (वाचस्पति सभागार) और समिति कक्ष हैं।

(iii) **बृहस्पति भवन:**- यह 410.40 वर्ग मीटर क्षेत्र में निर्मित दो मंजिला भवन है। इसमें वेद और पौरोहित्य विभाग हैं। इसमें कर्मकांड प्रयोगशाला भी है।

(iv) **स्वर्ण जयंती सदन:**- यह 6283 वर्ग मीटर क्षेत्र में निर्मित 5 मंजिला भवन (भूतल+3+भूगृह) है। इस भवन में 3 लिफ्ट और 4 सोपान-कूप हैं। इसमें प्रशासन विभाग, वित्त, शैक्षणिक, विकास, सांख्यिकी प्रकोष्ठ, केंद्रीय स्टोर, कुलसचिव कार्यालय, वित्त अधिकारी, कुलानुशासक कार्यालय, समिति कक्ष, ज्योतिष, वास्तुशास्त्र, व्याकरण, धर्मशास्त्र, शिक्षा पीठ आदि जैसे शैक्षणिक विभाग हैं।।

बृहस्पति भवन को छोड़कर सभी शैक्षणिक भवन एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। इन सभी भवनों के रूफ टॉप हार्वेस्टिंग की समुचित व्यवस्था की गई है।

सी.पी.डब्ल्यू.डी. ने वास्तुशिल्प अनुमोदन के आधार पर निम्नलिखित तीन भवन परियोजनाओं के लिए संशोधित अनुमान प्रस्तुत किया है:-

1.	बालक छात्रावास निर्माण के लिये	–	रु. 56,88,12,600/-
2.	बालिका छात्रावास निर्माण के लिये	–	रु. 35,40,52,200/-
3.	शिक्षा सदननिर्माण के लिये	–	रु. 162,33,10,000/-
4.	संचालन और संरक्षण के लिये	–	रु. 25,32,29, 661/-

इन अनुमानों को विश्वविद्यालय के बी.ओ.एम/ई.सी द्वारा अनुमोदित किया गया है। प्रस्ताव विचार एवं अनुमोदन हेतु मानव संसाधन विकास मंत्रालय को प्रस्तुत किया जा रहा है।

निर्माण अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	अधिशासी अभियंता	01
2.	सहायक अभियंता	01
3.	कनिष्ठ अभियंता	02
4.	वरिष्ठ लिपिक	01
5.	इलेक्ट्रिशियन	01
6.	कनिष्ठ लिपिक	02
7.	पंप प्रचालक	01
8.	बहुकार्य कर्मचारी	07

विश्वविद्यालय की संरचना एवं सुविधाएं

देवसदनम् (मन्दिर)

विश्वविद्यालय परिसर में, मन्दिर दैनिक जीवन के पहलुओं में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मंदिर न केवल अपनी धार्मिक विशेषताओं के लिए बल्कि सांस्कृतिक, सामाजिक और शैक्षिक गुणों के लिए भी उल्लेखनीय है जो कि यह समाज को एक संस्कृत विश्वविद्यालय के रूप में देता है। मंदिर हिंदू धर्म के दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। एक हिन्दू के लिए, मंदिर एक भव्य संरचना से कहीं अधिक है। मंदिर दैनिक जीवन के बौद्धिक, कलात्मक, आध्यात्मिक, शैक्षिक और सामाजिक तत्वों का एक केंद्र है। विश्वविद्यालय का हर नया कार्यकाल परिसर में विद्यमान मंदिर में एक विशेष पूजा के साथ ही शुरू होता है।

वेधशाला

ज्योतिष विभाग के छात्रों को सिद्धांत ज्योतिष का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय परिसर में एक वेधशाला विद्यमान है। इसे जंतर-मंतर, जयपुर के तत्कालीन विभागाध्यक्ष, राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता स्वर्गीय एम. एम. कल्याण दत्त शर्मा जी द्वारा स्थापित किया गया। जहां कारकवलय, तुलावलय और मकरवलय इत्यादियन्त्र विभिन्न राशियों के विषय में जानकारी प्रदान करने में सहायक हैं, वहीं भित्तीयंत्र और चक्रयंत्र क्रांति का ज्ञान प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होते है। नाड़ीवलय यन्त्र के माध्यम से स्थानीय समय का ज्ञान ज्ञात करना संभव है। सम्राटयंत्र, यम्योत्तरलंघन काल, स्थानीय समय और मानक समय ज्ञान प्रदान करता है। भारतीय तारा मंडल नतांश, अक्षांशा और क्रांति अंश आदि के अन्वेषण में सहायता करता है।

यज्ञशाला

बृहस्पति भवन में एक यज्ञशाला निर्मित है जहां राजधानी के अर्चकों के लिए डिप्लोमा और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस वर्ष यज्ञशाला में अनेक यज्ञानुष्ठानों का आयोजन किया गया। यज्ञशाला में वैदिक अनुष्ठानों और यज्ञों विधान के लिए विविध प्रकार के भद्र मंडल बनाए गए हैं। जैसे-सर्वतोभद्र मण्डल, चतुर्भद्र मण्डल, वास्तु मण्डल, एकषष्टिपद वास्तु मण्डल, नवग्रह मण्डल, षोडश मातृका मण्डल, सप्त घृत मातृका मण्डल, क्षेत्रपाल मण्डल, योगिनी मण्डल तथा अन्य भी विविध प्रकारक मण्डलों का चित्रण किया गया है। यज्ञशाला में गुरु-शिष्य परम्परा द्वारा अध्ययन और अध्यापन किया जाता है, गुरु और शिष्य विधिवत् चटाई पर बैठकर, विशिष्ट वेशभूषा में (धौती, कुर्ता, उत्तरिय आदि) आमने-सामने बैठते हैं और आसनस्थ पाठ को लकड़ी के पीठ के ऊपर रखकर स्वाध्याय करते हैं। इसके अतिरिक्त यज्ञशाला में प्रत्यक्ष रूप से विभिन्न गतिविधियों का सम्पादन किया जाता है।

जलपान गृह

विश्वविद्यालय के परिसर में जलपान गृह की सुविधा है और इसे तीसरे पक्ष (भोजन व्यवस्थापक) द्वारा संचालित किया जाता है। विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों को उच्च गुणवत्ता के साथ अत्यधिक रियायती दरों पर विभिन्न प्रकार के दक्षिण भारतीय भोजन, नाश्ता एवं अल्पाहार प्रदान किए जाते हैं। जलपान गृह में एक बड़ी पाकशाला है और जलपान गृह में छात्रों और कर्मचारियों को पौष्टिक और स्वास्थ्यकर भोजन उपलब्ध कराने पर विशेष अवधान दिया जाता है। जलपान गृह सभी कार्य दिवसों में प्रात: 9:30 बजे से शाम 6:00 बजे तक खुली रहती है।

विश्वविद्यालय में दिव्यांगजन सुविधा

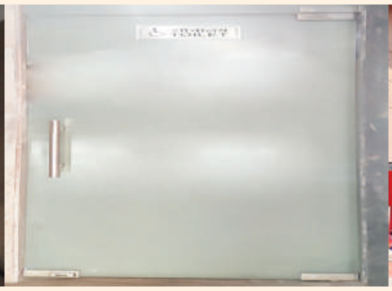

विश्वविद्यालय दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं प्रदान करने के लिए तत्पर है, विश्वविद्यालय दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए निर्मित किया गया है और एक अनुकूल वातावरण प्रदान करता है।

- भौतिक सुविधाएं : विश्वविद्यालय शारीरिक रूप से दिव्यांगजनों के लिए व्हीलचेयर और स्ट्रेचर जैसी भौतिक सुविधाएं प्रदान कर रहा है।
- रैम्प/रेल: परिसर में रैम्प की सुविधा भी उपलब्ध है।
- शौचालय: दिव्यांगजनों के अनुकूल शौचालय की व्यवस्था उपलब्ध हैं।

अतिथि गृह (विश्रान्ति निलय)

अतिथि गृह शैक्षिक उद्देश्य के लिए अभिप्रेत है जो विश्वविद्यालय की गैर-व्यावसायिक इकाई होगी जिसका नाम 'विश्रान्ति निलयम्' रखा गया है। विश्वविद्यालय के परिसर में एक दो मंजिला अतिथि गृह है। इसमें 8 डबल बेड वाले कक्ष, 2 वी.आई.पी. कक्ष, एक डाइनिंग सभागार और एक कार्यालय कक्ष शामिल हैं। अतिथि गृह शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों में कार्यरत राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों/सदस्यों के उपयोग के लिए उपलब्ध है।

व्यायामशाला

विश्वविद्यालय सभी छात्रों के लिए व्यायामशाला की सुविधा प्रदान करता है। 'स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का वास होता है', इस कहावत का अनुपालन करते हुए, छात्रों के लिए एक पेशेवर रूप से प्रबंधित वातावरण बनाया गया है। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों ही व्यक्ति के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। छात्रों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से, आंतरिक परिसर पूरी तरह से वातानुकूलित इन-हाउस व्यायामशाला से सुसज्जित है। इसमें विश्व स्तरीय उपकरण जैसे ट्रेडमिल, व्यायाम और वर्कआउट के लिए स्ट्रेंथ मशीन शामिल हैं। संक्षेप में, व्यायामशाला छात्रों को समग्र विकास प्रदान करने के लिए एक आदर्श वातावरण प्रदान करता है।

छात्रावास

विश्वविद्यालय में पुरुष छात्रों के लिए एक छात्रावास है, जिसमें 51 कक्षों में 99 छात्रों के लिए आवास व्यवस्था सुनिश्चित है। शोधार्थियों और वरिष्ठ छात्रों के लिए 16 एक स्थानीय कक्ष हैं, अन्य छात्रों के लिए 18 द्विस्थानीय कक्ष और 17 त्रिस्थानीय कक्ष हैं। छात्रावास अत्याधुनिक सुविधाओं से जैसे लोकल एरिया नेटवर्क, संगणक, टी.वी और टेलीफोन, सामान्य कक्ष, डाइनिंग सभागार, जलपान सभागार, पाकशाला और कोठार से युक्त है।

डॉ. सुंदर नारायण झा वर्ष 2021-2022 के लिए छात्रावास के प्रभारी अधिष्ठाता के रूप में कार्यरत हैं। कोविड-19 महामारी के कारण छात्रावास 21 मार्च, 2020 से रिक्त है।

वर्षा जल संचयन प्रणाली

विश्वविद्यालय ने वर्ष 2004-05 में केंद्रीय भूजल बोर्ड, जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में और C.G.W.B. के सुझाव अनुसार चार अलग-अलग स्थानों पर कुल सात वर्षा जल संचयन गड्ढे (बोर) तैयार कर वर्षा जल संचयन की समुचित व्यवस्था की गई है।

सौर ऊर्जा संयत्र

151.57 KWp के रूफ टॉप सोलर पावर प्लांट को भारत सरकार के सौर उर्जा निगम के माध्यम से नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की मैसर्स एज्योर पावर रूफ टॉप वन प्रा. लिमिटेड एजेंसी द्वारा रेस्को प्रणाली से वर्तमान में निर्मित विश्वविद्यालय की भवनों की छतों पर स्थापित किया गया है।

मनोरंजन कक्ष

विश्वविद्यालय की महिला कर्मचारियों के मनोरंजन और परस्पर संपर्क के लिए, विश्वविद्यालय में एक मनोरंजन कक्ष निर्मित है। महिलाओं को उनके रिक्त समय में विश्रान्ति, अध्ययन और अनौपचारिक बातचीत करने के उद्देश्य से यह बनाया गया था। इसमें कुछ इंडोर गेम्स उपलब्ध हैं। सामुदायिक कक्ष में कर्मचारी उपयोग के लिए समाचार पत्र और पत्रिकाएँ भी उपलब्ध होती हैं। महिला कर्मचारियों की सुविधाओं के लिए मनोरंजन कक्ष में महिला कर्मचारी को नियुक्त किया गया हैं।

आवासीय भवन

विश्वविद्यालय में अपने शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को समायोजित करने के लिए 48 कर्मचारी आवासीय भवन निर्मित हैं, जिनमें से 7 आवासीय भवन टाइप-V में, 8 आवासीय भवन टाइप-IV में, 8 आवासीय भवन टाइप-III में, 8 आवासीय भवन टाइप-II में, 16 आवासीय भवन टाइप-I में हैं और कुलपति आवास के लिये एक कुलपति आवास भवन भी निर्मित है।

मलजल शोधन संयंत्र

2006-07 में फिल्टर प्रेस के साथ (120 कि.ली. प्रति दिन क्षमता का) एक नवीनतम एफ.ए.बी. प्रकारक मलजल शोधन यन्त्र स्थापित किया है। परिसर की पाकशालाओं, स्नान घरों, शौचालय आदि के माध्यम से उत्पन्न अपशिष्ट जल का उपयोग परिसर में गैर-आवासीय भवनों के शौचालयों को फ्लश करने और बागवानी में पुन: उपयोग करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। शत प्रतिशत शुद्ध किये गये अपशिष्ट जल का उपयोग मलजल शोधन यन्त्र के माध्यम से करता है और प्रभावी ढंग से इसका उपयोग विश्वविद्यालय के पार्कों और उद्यानों को सुव्यवस्थित एवं विकसित करने के लिए और (वर्षा ऋतु में कुछ दिनों को छोड़कर) गैर-आवसीय भवनों के शौचालयों में फ्लश के लिए करता है। अपशिष्ट जल के उपचार के बाद उत्पन्न ठोस अपशिष्ट को फिल्टर प्रेस द्वारा खाद के रूप में परिवर्तित किया जाता है जिसका उपयोग बागवानी कार्यों के लिए किया जाता है। इस प्रकार, विश्वविद्यालय पूरे वर्ष उपचारित अपशिष्ट जल का उपयोग कर रहा है। मलजल शोधन यन्त्र चौबीसों घंटे काम करता है।

आभासीय कक्षा/ स्टूडियो

विश्वविद्यालय ने केंद्रीकृत रिकॉर्डिंग और नियंत्रण मंच के साथ एक आभासीय ई-कक्ष/ स्टूडियो की स्थापना की है जो उपयोग करने में सबसे आसान है और समृद्ध मीडिया लाइव वेबकास्टिंग और सामग्री प्रबंधन, वेब और मोबाइल वितरण प्रणाली के लिए सबसे अच्छा समर्थित है जो हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, नेटवर्किंग, ऑडियो-विजुअल कॉन्फ्रेंसिंग, नियंत्रण प्रणाली और केंद्रीकृत रिकॉर्डिंग सहित पूरी तरह से एकीकृत समाधान की और नियंत्रण प्रणाली का समावेशी पैकेज होगा।

विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षणिक एवं सरकार द्वारा निर्देशित गतिविधियाँ

1. अंतर्राष्ट्रीय योग वेबिनार

भारत सरकार के निर्देशानुसार, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन 21 जून, 2021 को किया गया। इस अवसर पर माननीय कुलपति के निर्देशानुसार योगाभ्यास का आयोजन वेबिनार के माध्यम से किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

2. स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त 2021 को विश्वविद्यालय परिसर में स्वतंत्रता दिवस समारोह का आचरण किया गया। कार्यक्रम पूर्वाह्न 9:30 बजे प्रारम्भ हुआ और कुलपति को विश्वविद्यालय के एन.सी.सी. कैडेटों द्वारा सलामी (गार्ड ऑफ ऑनर) दी गई। कुलपति के द्वारा श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। कुलपति द्वारा राष्ट्रीय ध्वज भी फहराया गया। इस अवसर पर एकत्र हुए दर्शकों ने राष्ट्रगान की प्रस्तुति दी। विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों, विशेषकर एन.सी.सी. कैडेटों को संबोधित करते हुए, कुलपति ने उन्हें राष्ट्र को गौरवान्वित करने और उसकी रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया।

3. संस्कृत-सप्ताह कार्यक्रम

विश्वविद्यालय में 19 अगस्त से 25 अगस्त, 2021 तक आभासीय माध्यम से प्रो. नीलम ठगेला (संकाय प्रमुख, छात्र कल्याण संकाय) की अध्यक्षता में संस्कृत सप्ताह मनाया गया।

4. हिंदी सप्ताह

विश्वविद्यालय में 7 सितंबर से 14 सितंबर, 2021 तक हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया। समारोह में विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सभी कार्यक्रमों- भाषण, निबंध लेखन, नोट्स, प्रारूपण और लोक गीत गायन प्रतियोगिताओं में छात्रों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यथा समय हिंदी राजभाषा समिति द्वारा विविध बैठकों का आयोजन किया जाता है।

5. श्री लाल बहादुर शास्त्री एवं श्री महात्मा गांधी जयंती उत्सव

वेदों को दुनिया का सबसे प्राचीन जीवित साहित्य माना जाता है सदियों से याद रखने और पीढ़ी दर पीढ़ी तक संचरण के माध्यम से वेदों को मूल रूप में संरक्षित किया गया है अतः इनके अक्षतिग्रस्त, प्रामाणिक होने की संभावना है। इस संदर्भ में, विश्वविद्यालय हर साल काव्य रूपकों और संकेतों की प्रचुरता को पहचानने और प्रदान करने के साथ-साथ लोगों, स्थानों और घटनाओं के साथ-साथ उस समय प्रचलित धार्मिक प्रणालियों के संरक्षण के लिए वेद पाठ करता है। विश्वविद्यालय में 2 अक्टूबर को श्री लाल बहादुर शास्त्री और श्री महात्मा गांधी जयंती के रूप में मनाया गया। इस उत्सव के दौरान, विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने वेद और श्रीमद् भगवद्गीता का पाठ किया। विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया गया। प्रो. जयकान्त सिंह शर्मा (पीठ प्रमुख, वेद-वेदांग संकाय) के मार्गदर्शन में वेद वेदांग पीठ के आचार्यों द्वारा इस आयोजन का प्रबन्धन किया गया।

6. सतर्कता जागरूकता सप्ताह

प्रति वर्ष सरदार वल्लभभाई पटेल जिसे 'भारत का बिस्मार्क' कहा जाता है, के जन्मदिन को सप्ताह के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह के रूप में मनाया जाता है। सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर को हुआ था और वह अपनी ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के लिए प्रसिद्ध हैं। इस वर्ष 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2021 तक सतर्कता सप्ताह का आचरण किया गया। सप्ताह के दौरान मुख्य सतर्कता अधिकारी प्रो. रचना मोहन वर्मा ने समारोह और कार्यक्रमों का निरीक्षण किया, जिसका संचालन श्री जय प्रकाश सिंह, सहायक कुलसचिव के द्वारा किया गया। माननीय कुलपति, प्रो. मुरलीमनोहर पाठक द्वारा समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को भ्रष्टाचार को पहचानने एवं व्यक्तिगत और प्रणालीगत स्तर पर इससे निपटने के लिए रणनीतियों का प्रस्ताव से संबोधित किया गया।

7. साइबर जागरूकता दिवस

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार उच्च शिक्षण संस्थानों द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम बुधवार को 'साइबर जागरूकता दिवस' का आचरण किया जाना अनिवार्य है। अत:, विश्वविद्यालय द्वारा डॉ. आदेश कुमार (नोडल अधिकारी) के समन्वय में ऑनलाइन वेबिनार (साइबर हाइजीन 3 नवंबर, 2021) का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रो. आर.सी. शर्मा ने छात्रों और प्रतिभागियों को संबोधित किया कि साइबर अपराध से कैसे निपटा जाए।

8. राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस, भारत के पहले शिक्षा मंत्री स्वर्गीय मौलाना अबुल कलाम 'आजाद' के सम्मान में हर साल 11 नवंबर को मनाया जाता है। विश्वविद्यालय ने शिक्षा दिवस के आचरण के लिए आभासीय मंच पर विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। मुख्य सतर्कता अधिकारी प्रो. रचना मोहन वर्मा द्वारा इस वर्ष 'मौलाना अबुल कलाम' आजाद के जीवन से सम्बन्धित मूल्यों के साथ-साथ हमारे जीवन में शिक्षा के मूल्य से सम्बन्धित आभासी व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

9. राष्ट्रीय सांप्रदायिक और सद्भाव दिवस

दिनांक 25.11.2021 को विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस आभासीय माध्यम से मनाया गया।

10. संविधान दिवस-2021 (विश्वविद्यालय के कर्मचारियों द्वारा उनके संबंधित अनुभाग/विभाग में शपथ ग्रहण)

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार, विश्वविद्यालय में 26 नवंबर, 2021 को संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया गया था। कोविड-19 को ध्यान में रखते हुये बचाव के उद्देश्य से विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग में शपथ ग्रहण समारोह हुआ।

11. नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती समारोह

स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती का आचरण 23 जनवरी, 2022 को विश्वविद्यालय में किया गया। प्रो. बिष्णुपद महापात्र ने इस अवसर एक आभासी व्याख्यान प्रस्तुत किया।

12. गणतंत्र दिवस

26 जनवरी, 2022 को विश्वविद्यालय के मुख्य भवन के समक्ष गणतंत्र दिवस आयोजन किया गया। समारोह पूर्वाह्न 10:30 बजे शुरू हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति ने श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और राष्ट्रीय ध्वज भी फहराया। इस अवसर पर उपस्थित श्रोताओं ने राष्ट्रगान गाया।

13. सरस्वती पूजन महोत्सव

विश्वविद्यालय में दिनांक 05 फरवरी, 2022 को वसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजन का आचरण किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति की अध्यक्षता एवं समस्त पीठों के आचार्यों की उपस्थिति में डॉ. सुन्दर नारायण झा द्वारा शास्त्रीय परम्परा के अनुसार देवी सरस्वती की पूजा-अर्चना की गई।

14. मातृभाषा दिवस समारोह

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय में आभासीय माध्यम से दिनांक 21.02.2022 को पूर्वाह्न 11:00 बजे मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालयीय कर्मचारियों ने कार्यक्रम में वेबिनार के माध्यम से भाग लिया। इस कार्यक्रम का संयोजन प्रो. शिवशंकर मिश्र (विभागाध्यक्ष, शोध एवं प्रकाशन) द्वारा किया गया।

नोटः – 'प्रस्तुत वार्षिक प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित वार्षिक प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित वार्षिक प्रतिवेदन मान्य होगा।'